धनबाद, गुरूवार
30 जुलाई 2026
वर्ष : 03 अंक : 300
पृष्ठ : 08
मूल्य: 3 /-
E-Mail:-truthpath941@gmail.com

हिन्दी दैनिक समाचार

ट्रूथ पथ

'ऑपरेशन दौरा पहाड़' के तहत हुई 2.20 करोड़ के इनामी मिसिर बेसरा सहित पांच नक्सलियों की गिरफ्तारी

तीन एके-47 समेत भारी मात्रा में हथियार बरामद

रांची, (एजेंसी) : झारखंड पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा बलों ने नक्सल विरोधी अभियान में बड़ी सफलता हासिल करते हुए भाकपा (माओवादी) के एकमात्र सक्रिय पोलित ब्यूरो सदस्य तथा 2.20 करोड़ रुपये के इनामी शीर्ष नक्सली मिसिर बेसरा उर्फ सागर उर्फ भास्कर उर्फ सुर्निमल को गिरफ्तार कर लिया है। उसके साथ संगठन के चार अन्य सक्रिय सदस्यों को भी पकड़ा गया है। संयुक्त अभियान के दौरान उनके कब्जे से तीन एके-47 राइफल, आठ मैगजीन और 288 जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं।

यह कार्रवाई 28 जुलाई की देर शाम धनबाद जिले के बरवड्डा थाना क्षेत्र के जंगलों में चलाए गए संयुक्त अभियान 'ऑपरेशन दौरा पहाड़' के तहत की गई। अभियान में धनबाद और गिरिडीह जिला पुलिस के साथ केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की 209 कोबरा बटालियन के जवान शामिल थे। मिसिर बेसरा पर झारखंड सरकार ने एक करोड़ रुपये और ओडिशा सरकार ने 1.20 करोड़ रुपये का इनाम घोषित कर रखा था।

पुलिस मुख्यालय में बुधवार को आयोजित संयुक्त प्रेसवार्ता में पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) तदाशा मिश्रा, महानिरीक्षक (आईजी) अभियान नरेंद्र सिंह, आईजी साकेत सिंह, आईजी अनूप बिरथरे, उपमहानिरीक्षक (डीआईजी) इंद्रजीत महथा, धनबाद के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रभात रंजन और पुलिस अधीक्षक विमल कुमार ने अभियान की विस्तृत जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि मिसिर बेसरा के साथ संगठन के रीजनल कमेटी सदस्य (आरसीएम) तथा 15 लाख रुपये के इनामी मेहनत उर्फ मोछू उर्फ विभीषण, एरिया कमेटी सदस्य (एसीएम) गौरव उर्फ बिरेंद्र हांसदा उर्फ सौरभ और संगठन के दो अन्य सदस्य मंगल मुर्मू तथा दिनेश राय को भी गिरफ्तार किया गया है। सभी के कब्जे से तीन एके-47 राइफल, आठ मैगजीन और 288 जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं।

पुलिस के अनुसार, मिसिर बेसरा पिछले तीन दशक से अधिक समय से झारखंड, ओडिशा, बिहार तथा अन्य राज्यों में माओवादी गतिविधियों का संचालन कर रहा था। उसके खिलाफ विभिन्न राज्यों में 175 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं। वह संगठन की रणनीति तैयार करने, शीर्ष नेतृत्व का संचालन करने और कई बड़े नक्सली हमलों की साजिश रचने में प्रमुख भूमिका निभाता रहा है।

पुलिस ने बताया कि मिसिर बेसरा पर वर्ष 2001 में हजारीबाग के चुरचू में सीआरपीएफ के 12 जवानों की हत्या, धनबाद के तोपचांची में 13 पुलिसकर्मियों की हत्या, पश्चिमी सिंहभूम के मनोहरपुर में पुलिस बल पर हमला, बोकारो के चंद्रपुरा रेल थाना पर हमला, गिरिडीह होमगार्ड शस्त्रागार से 186 रायफल की लूट, जहानाबाद जेल ब्रेक, वर्ष 2018 की कुचाई मुठभेड़, वर्ष 2022 में पूर्व विधायक गुरुचरण नायक के अंगरक्षकों की हत्या, वर्ष 2023 में विस्फोटक भंडार की लूट, चाईबासा और गोइलकेरा क्षेत्र की कई मुठभेड़ों तथा वर्ष 2025 में आईईडी विस्फोट सहित अनेक बड़ी नक्सली घटनाओं में शामिल रहने का आरोप है।

पुलिस का मानना है कि बरामद हथियारों का इस्तेमाल भविष्य में बड़ी नक्सली घटनाओं को अंजाम देने की तैयारी में किया जा रहा था। इन हथियारों की बरामदगी से माओवादी संगठन की परिचालन क्षमता को गंभीर झटका लगा है।

डीजीपी तदाशा मिश्रा ने कहा कि 'ऑपरेशन दौरा पहाड़' झारखंड पुलिस के नक्सल विरोधी अभियान की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ महीनों में पुलिस ने योजनाबद्ध रणनीति के तहत माओवादी संगठन के शीर्ष नेतृत्व को लगातार निशाना बनाया है। पहले बड़ी संख्या में नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया, उसके बाद शीर्ष कमांडर रविंद्र गंझू और अजय महतो उर्फ टाइगर की गिरफ्तारी हुई। एरिया कमेटी सदस्य बबिता उर्फ अनिता किस्कू ने भी आत्मसमर्पण किया और अब मिसिर बेसरा की गिरफ्तारी से संगठन के शीर्ष नेतृत्व को सबसे बड़ा झटका लगा है।

उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति का सकारात्मक प्रभाव लगातार देखने को मिल रहा है। बड़ी संख्या में नक्सली हिंसा का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा में लौट रहे हैं। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों के साथ बड़ी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद भी पुलिस के कब्जे में आए हैं, जिससे संगठन की ताकत लगातार कमजोर हुई है।डीजीपी ने कहा कि मिसिर बेसरा लंबे समय से माओवादी संगठन की रणनीति तैयार करने और विभिन्न राज्यों में उसकी गतिविधियों के संचालन में केंद्रीय भूमिका निभा रहा था। उसकी गिरफ्तारी से झारखंड में माओवादी संगठन का शीर्ष नेतृत्व लगभग समाप्त हो गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि झारखंड पुलिस का उद्देश्य केवल नक्सलियों की गिरफ्तारी नहीं, बल्कि राज्य को पूरी तरह नक्सलमुक्त बनाना है। उन्होंने कहा कि जब तक अंतिम सक्रिय माओवादी आत्मसमर्पण नहीं कर देता या कानून के दायरे में नहीं आ जाता, तब तक अभियान निरंतर जारी रहेगा।

तदाशा मिश्रा ने बताया कि 21 मई 2026 को झारखंड सरकार की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर 27 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया था। इनमें सात सब-जोनल कमांडर, सात एरिया कमेटी सदस्य और 13 दस्ता सदस्य शामिल थे। इन नक्सलियों ने 18 हथियार और 2,987 जिंदा कारतूस भी पुलिस को सौंपे थे।

इसके बाद 13 जुलाई को 20 लाख रुपये के इनामी रविंद्र गंझू की गिरफ्तारी हुई। 17 जुलाई को 25 लाख रुपये के इनामी अजय महतो उर्फ टाइगर को गिरफ्तार किया गया, जबकि एरिया कमेटी सदस्य बबिता उर्फ अनिता किस्कू ने आत्मसमर्पण किया। 28 जुलाई को 16 अन्य नक्सलियों ने 11 हथियार और 1,562 जिंदा कारतूस के साथ आत्मसमर्पण किया।

पुलिस का कहना है कि लगातार हो रही गिरफ्तारियों, आत्मसमर्पण और संयुक्त अभियानों ने माओवादी संगठन की कमर तोड़ दी है तथा झारखंड में नक्सल उन्मूलन अभियान निर्णायक चरण में पहुंच गया है।

ब्रीफ न्यूज

मणिपुर में सुरक्षा बलों की रेड, एक विलेज गार्ड की मौत, तीन घायल

इंफाल, (एजेंसी) : मणिपुर के नाने जिले के बिटियांग गांव में नागा विलेज गार्ड ट्रेनिंग कैंप पर फायरिंग के बाद सुरक्षा बल के तलाशी अभियान में एक विलेज गार्ड की मौत हो गई जबकि तीन अन्य घायल हो गए।

एक सूत्र के मुताबिक इसी घटना में सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स (सीआरपीएफ) कोबरा यूनिट के दो जवान भी घायल हुए हैं। घटना के बाद इलाके में अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात कर दी गई हैं और कॉम्बिंग सर्च ऑपरेशन चल रहा है।सूत्रों का दावा है कि बुधवार सुबह बिटियांग इलाके में ऑपरेशन में तीन सौ से ज्यादा कोबरा जवानों ने हिस्सा लिया था। उस समय ट्रेनिंग कैंप में फायरिंग की घटना हुई थी। हालांकि, यह अभी भी साफ नहीं है कि दोनों पक्षों के बीच फायरिंग किन हालात में शुरू हुई।इसके अलावा, अंतिम सूचना मिलने तक सीआरपीएफ, मणिपुर पुलिस या संबंधित जिला प्रशासन की ओर से इस घटना पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

छत्तीसगढ़ के बीजापुर में 49 लाख के इनामी आठ नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

बीजापुर, (एजेंसी) :छत्तीसगढ़ के बीजापुर में आठ नक्सलियों ने बुधवार को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के सहयोग से बीजापुर पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार गुप्ता के समक्ष आत्मसमर्पण किया। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में पांच महिला एवं तीन पुरुष कैडर शामिल हैं। इन पर कुल 49 लाख रुपए का इनाम घोषित था।

पुलिस के अनुसार दक्षिण जोनल कमेटी और सरांडा सब जोनल कमेटी से जुड़े डीवीसीएम कैडर के तीन पुरुष नक्सलियों 8-8 लाख के इनामी अश्विन उर्फ लच्छू, रंगा उर्फ सोहन एवं दोबा माड़वी उर्फ राहत शामिल हैं। इनके अलावा कोल्हान एरिया कमेटी की सदस्य 5-5 लाख की इनामी फगनी पोयाम उर्फ रजनी, सूरज मुन्नी चम्पिया उर्फ सुबनी, हिड़मे कड़ती उर्फ रीता, बुधरी कुंजाम उर्फ अनुषा तथा सलमी चम्पिया उर्फ जिलानी शामिल हैं।

अस्पतालों को 24 घंटे निर्बाध बिजली देने की करें व्यवस्था: मुख्यमंत्री

अस्पतालों के लिए ड्यूल लाइन व्यवस्था बनाए

रांची(एजेंसी) : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने गुरुवार को झारखंड मंत्रालय में ऊर्जा विभाग के अद्यतन कार्यों एवं योजनाओं की उच्चस्तरीय समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि राज्य के प्रत्येक नागरिक को निर्बाध, गुणवत्तापूर्ण एवं सुलभ बिजली उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। अस्पतालों को 24 घंटे निर्बाध बिजली दिए जाने के उपाय किए जाए। इसके लिए ड्यूल लाइन सिस्टम की व्यवस्था की जाए। उन्होंने कहा कि ऊर्जा क्षेत्र राज्य के आर्थिक, औद्योगिक एवं सामाजिक विकास का महत्वपूर्ण आधार है, इसलिए बिजली उत्पादन, संचरण एवं वितरण व्यवस्था को और अधिक आधुनिक, सुदृढ़ एवं जनोन्मुखी बनाया जाए।

मुख्यमंत्री नेकहा कि बिजली कटौती एवं अन्य समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए प्रभावी व्यवस्था विकसित की जाए। उन्होंने कहा कि बढ़ती ऊर्जा आवश्यकताओं को देखते हुए विद्युत उत्पादन क्षमता में वृद्धि, ट्रांसमिशन नेटवर्क के विस्तार तथा आधुनिक तकनीकों के उपयोग पर विशेष ध्यान दिया जाए।मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि शहरी क्षेत्रों के साथ-साथ ग्रामीण एवं दूरस्थ इलाकों तक भी निर्बाध बिजली पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने ऊर्जा विभाग को जनहित को सर्वोपरि रखते हुए सभी योजनाओं का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। मौके पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि बिजली कटौती से संबंधित शिकायतों का स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जाए तथा उपभोक्ताओं को उनकी आवश्यकता के अनुरूप पर्याप्त मात्रा में बिजली उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा कि ट्रांसफार्मर जलने की स्थिति में 24 घंटे के भीतर नया ट्रांसफार्मर स्थापित किया जाना चाहिए, ताकि आम लोगों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। विद्युत उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए नई तकनीक एवं संसाधनों का उपयोग करें

राज्य की विद्युत उत्पादन क्षमता बढ़ाने पर विशेष जोर देते हुए अधिकारियों को ऊर्जा क्षेत्र में आधुनिक एवं नवाचार आधारित तकनीकों के उपयोग को बढ़ावा देने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि झारखंड में उपलब्ध जल संसाधनों, जलाशयों एवं जलप्रपातों की अपार संभावनाओं का वैज्ञानिक एवं तकनीकी आकलन कर जलविद्युत उत्पादन को नई गति दी जानी चाहिए। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से हुंडरू, जोन्हा सहित राज्य के विभिन्न जलप्रपातों एवं जलाशयों की क्षमता का विस्तृत अध्ययन कर कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीकों और इंजीनियरिंग समाधानों का उपयोग करते हुए कम जल उपलब्धता में भी अधिकतम बिजली उत्पादन सुनिश्चित किया जाए, ताकि राज्य की ऊर्जा आत्मनिर्भरता को मजबूत किया जा सके और भविष्य की बढ़ती विद्युत आवश्यकताओं की पूर्ति प्रभावी ढंग से हो सके।

प्रधानमंत्री दो अगस्त को विकसित भारत के लिए नशा मुक्त युवा संकल्प अभियान का करेंगे शुभारंभ

नई दिल्ली, (एजेंसी) : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दो अगस्त को ह्यविकसित भारत के लिए नशा मुक्त युवा संकल्प अभियानह्न का शुभारंभ करेंगे। ह्यमाय भारतह्न के नेतृत्व में शुरू होने वाले इस राष्ट्रव्यापी अभियान का उद्देश्य युवाओं को नशा मुक्त भारत के राष्ट्रीय मिशन से जोड़ना और मादक पदार्थों के दुरुपयोग के खिलाफ जन आंदोलन खड़ा करना है।

युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के अनुसार प्रधानमंत्री युवाओं से जनभागीदारी की भावना के साथ नशे के खिलाफ देशव्यापी अभियान का नेतृत्व करने का आह्वान करेंगे। अभियान के तहत जागरूकता, सामुदायिक सहभागिता और निरंतर जन भागीदारी के माध्यम से युवाओं को नशामुक्त भारत के निर्माण के लिए एक साझा राष्ट्रीय मिशन से जोड़ा जाएगा।प्रधानमंत्री के संबोधन के बाद देशभर में लगभग 10 हजार स्थानों पर एकसाथ शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इनमें एक करोड़ से अधिक युवा नशा मुक्ति की शपथ लेकर नशा मुक्त समाज के निर्माण और राष्ट्र निर्माण के लिए स्वयंसेवक के रूप में कार्य करने का संकल्प लेंगे।अभियान में ह्यमाय भारतह्न स्वयंसेवकों, राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस), युवा क्लबों, स्कूलों, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों, गैर-सरकारी संगठनों, औद्योगिक संगठनों तथा 125 से अधिक आध्यात्मिक संस्थाओं की भागीदारी होगी। सरकार का कहना है कि यह देश में मादक पदार्थों के दुरुपयोग के खिलाफ युवाओं के नेतृत्व वाले सबसे बड़े जन आंदोलनों में से एक होगा।सरकार के अनुसार यह अभियान केवल जागरूकता कार्यक्रम तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसे 100 सप्ताह के सतत जनभागीदारी अभियान के रूप में चलाया जाएगा। अगले 100 सप्ताह तक प्रत्येक रविवार को देशभर में युवाओं के नेतृत्व में खेल प्रतियोगिताएं, पैदल मार्च, ध्यान सत्र, सांस्कृतिक कार्यक्रम, कला एवं रचनात्मक प्रतियोगिताएं, नुक्कड़ नाटक और जनजागरूकता अभियान आयोजित किए जाएंगे। इन गतिविधियों का उद्देश्य स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना, समाज को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना और युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक राष्ट्र निर्माण की दिशा में लगाना है।

अभियान में उत्कृष्ट योगदान देने वाले स्वयंसेवकों और संगठनों को 50वें, 75वें और 100वें सप्ताह पर सम्मानित भी किया जाएगा। केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने देशभर के युवाओं और सामाजिक संगठनों से प्रधानमंत्री की इस पहल का समर्थन करते हुए अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की है।सरकार का कहना है कि ह्यविकसित भारत की सबसे बड़ी शक्ति नशा मुक्त युवा हैंह्न के संदेश पर आधारित यह अभियान विकसित भारत-2047 के लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

मप्र में निरंतर बढ़ रहा बाघों का कुनबा, नई गणना में संख्या 1000 से अधिक होने का अनुमान : मोहन यादव

भोपाल, (एजेंसी) :मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में बाघों का कुनबा तेजी से बढ़ रहा है। प्रदेश में 53 साल पहले बाघों की संख्या दहाई के आंकड़े में सिमटी हुई थी। वर्ष 2016 में बाघों की संख्या लगभग 250 हो गई। वर्ष 2022 की गणना में प्रदेश में 785 बाघ हो गए। अगले साल नई गणना में बाघों की संख्या 1000 से अधिक होने का अनुमान है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस पर भोपाल स्थित कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में प्रमुख सचिव वन राघवेन्द्र सिंह, वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, वन समितियों के सदस्य तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी और वन और वन्य जीवों

में रूचि रखने वाले उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय संस्कृति में प्रकृति और सभी वन्यजीवों के प्रति उदारता की भाव समाहित है। हमारे देवी-देवताओं के वाहन भी अलग-अलग जीवों से जुड़ते हैं। जंगल का राजा बाघ शक्ति की देवी मां दुर्गा का वाहन है। प्रदेश में बाघ, चीता, घड़ियाल, हाथी और जंगली भैंसे सहित अन्य वन्यजीवों के संरक्षण की दिशा में अनेक महत्वपूर्ण कार्य हुए हैं। इसी का परिणाम है कि प्रदेश को टाइगर स्टेट का दर्जा हासिल है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश में समृद्ध जैव विरासत का स्वर्णिम और सुगम काल निरंतर जारी है।कान्हा क्षेत्र की घास प्रजातियों पर केन्द्रित पुस्तक का हुआ विमोचन मुख्यमंत्री ने वन्य जीव संरक्षण गतिविधियों पर केंद्रित प्रदर्शनी का उद्घाटन कर अवलोकन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वन्यजीव संरक्षण के लिये प्राप्त वाहनों का लोकार्पण भी किया। कार्यक्रम में स्कूल कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने बाघ संरक्षण पर केंद्रित नृत्य नाटिका प्रस्तुत की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभागीय प्रकाशनों के अंतर्गत सतपुड़ा की तितलियों पर केन्द्रित पुस्तक फ्लटरिंग ज्वेल्स ऑफ सतपुड़ा, कान्हा क्षेत्र की घास

भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सर्वोच्च : राज्यपाल

रांची, (एजेंसी) :राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सर्वोच्च है। गुरु केवल ज्ञान प्रदान नहीं करते, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण एवं जीवन को सही दिशा देने का कार्य करते हैं।

बुधवार को गुरु पूर्णिमा के अवसर पर रांची के धुर्वा स्थित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में आयोजित विद्यालय की वार्षिक पत्रिका ₹अरुणोदय₹ के लोकार्पण समारोह-सह-आचार्य सम्मान समारोह में बोल रहे थे।राज्यपाल ने कहा कि सरस्वती शिशु विद्या मंदिर शिक्षा, संस्कार, अनुशासन एवं राष्ट्रभावना का एक प्रेरणादायी केंद्र है। यह संस्थान विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के साथ-साथ चरित्र निर्माण, व्यक्तित्व विकास, सेवा, समर्पण तथा भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के संवर्धन का भी महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है।उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार प्राप्त करना नहीं, बल्कि

संवेदनशील, संस्कारी एवं उत्तरदायी नागरिक तैयार करना है। ज्ञान तभी सार्थक है, जब उसके साथ नैतिकता, अनुशासन, विनम्रता तथा राष्ट्र के प्रति समर्पण का भाव भी जुड़ा हो।राज्यपाल ने कहा कि यह प्रसन्नता का विषय है कि विद्यालय विद्यार्थियों को आधुनिक विज्ञान, तकनीक, कंप्यूटर शिक्षा, खेलकूद एवं नवाचार से जोड़ने के साथ-साथ योग, संस्कृत, संगीत, नैतिक शिक्षा एवं भारतीय जीवन मूल्यों का भी संस्कार प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसी समन्वित शिक्षा व्यवस्था ही विकसित एवं सशक्त भारत के निर्माण का आधार बनेगी।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के माध्यम से शिक्षा व्यवस्था को अधिक समग्र, कौशल-आधारित, भारतीय ज्ञान परंपरा से जुड़ी एवं भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सरस्वती शिशु विद्या मंदिर जैसे संस्थान इस नीति के उद्देश्यों को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहेंगे।राज्यपाल ने विद्यार्थियों का आह्वान करते हुए कहा कि वे बड़े सपने देखें, निरंतर सीखते रहें, अनुशासन को जीवन का आधार बनाएँ तथा माता-पिता एवं गुरुजनों का सदैव सम्मान करें। उन्होंने कहा कि परिश्रम, ईमानदारी, आत्मविश्वास एवं निरंतर सीखने की प्रवृत्ति ही सफलता की वास्तविक कुंजी है।उन्होंने आचार्य से कहा कि उनके हाथों में केवल विद्यार्थियों का वर्तमान ही नहीं, बल्कि राष्ट्र का भविष्य भी है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आचार्य अपने ज्ञान, समर्पण एवं आदर्श आचरण से नई पीढ़ी का मार्गदर्शन करते रहेंगे तथा राष्ट्र निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहेंगे।

फर्जी पुलिस जवान बनकर वसूली करने वाला युवक गिरफ्तार,जैप-5 का फर्जी आईकार्ड, देशी कट्टा, कारतूस, वॉकी-टॉकी व पुलिस की वर्दी जप्त

जामताड़ा (एजेंसी) : मिहिजाम पुलिस ने पुलिस की फर्जी वर्दी पहनकर लोगों को डराने-धमकाने और अवैध वसूली करने वाले एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार किया है।आरोपी के पास से देशी कट्टा, पांच जिंदा कारतूस, पुलिस की वर्दी, जैप-5 का फर्जी पहचान पत्र, वॉकी-टॉकी समेत कई सामान बरामद किए गए हैं।मामले का खुलासा बुधवार को एसडीपीओ वसीम रजा ने प्रेस वार्ता कर किया।एसडीपीओ ने बताया कि मंगलवार की शाम पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर वारंटियों एवं फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के दौरान मिहिजाम थाना प्रभारी प्रदीप राणा को सूचना मिली कि पुलिस की वर्दी पहने एक संदिग्ध व्यक्ति मिहिजाम के कानगोई-डोमदाहा रोड पर घूमकर लोगों को दिग्भ्रमित कर रहा है।सूचना के सत्यापन के दौरान पुलिस ने कानगोई पत्थर डंप के पास एक व्यक्ति को पुलिस की पैंट और बूट पहने शराब पीते हुए पकड़ा।पूछताछ में उसने अपना नाम अनुप कुमार(34), निवासी - कानगोई, थाना मिहिजाम बताया और खुद को जैप-5 देवघर का जवान बताया।जब उससे पहचान पत्र की जांच की गई तो उसमें नियुक्ति तिथि और जन्मतिथि में गड़बड़ी मिली।कड़ाई से पूछताछ करने पर आरोपी ने स्वीकार किया कि उसने फर्जी आईकार्ड बनवाया था तथा धनबाद से पुलिस की वर्दी खरीदकर पहनता था।वह वर्दी का रौब दिखाकर लोगों को डराता-धमकाता और अवैध वसूली करता था।पुलिस ने उसके बैग की तलाशी ली, जिसमें से एक देशी कट्टा,पांच जिंदा कारतूस, दो वॉकी-टॉकी, दो चाकू, तीन स्मार्टफोन, जैप-5 का फर्जी पहचान पत्र, पुलिस की वर्दी, बूट, बेल्ट, टोपी, पिट्ठू बैग और एक डायरी जप्त किया।इस संबंध में मिहिजाम थाना कांड संख्या 50/2026 दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।एसडीपीओ ने बताया कि आरोपी के खिलाफ पूर्व में भी चितरंजन थाना कांड संख्या 13/2014 (धारा 498ए, 323, 406, 506 आईपीसी एवं दहेज प्रतिषेध अधिनियम) दर्ज है। छापेमारी दल में थाना प्रभारी प्रदीप राणा, पु.अ.नि. गुलशन कुमार सिंह, आरक्षी अजीत कामती, आरक्षी सदीक अंसारी तथा अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे।

झारखंड शराब टेंडर जांच में एक्शन: एसीबी ने पूर्व उत्पाद आयुक्त समेत तीन अधिकारियों को किया तलब

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : झारखंड में शराब टेंडर और उत्पाद नीति से जुड़े कथित अनियमितताओं के मामले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने जांच तेज कर दी है।जांच के क्रम में एसीबी ने राज्य के उत्पाद विभाग और झारखंड स्टेट बेवरेज कॉरपोरेशन लिमिटेड से जुड़े तीन वरिष्ठ अधिकारियों को पूछताछ के लिए समन जारी किया है।इन सभी अधिकारियों को 4 अगस्त 2026 को एसीबी के समक्ष उपस्थित होने का निर्देश दिया गया है।एसीबी के अनुसार राज्य की उत्पाद नीति, शराब आपूर्ति व्यवस्था जे एस बी सी एल की प्रक्रियाओं तथा उनसे जुड़ी कथित वित्तीय और प्रशासनिक अनियमितताओं की जांच जारी है।जांच के दौरान पहले दर्ज किए गए बयानों का उपलब्ध दस्तावेजों और अन्य साक्ष्यों से मिलान किया जा रहा है।जहां आवश्यकता महसूस हो रही है, वहां संबंधित अधिकारियों और अन्य व्यक्तियों को दोबारा बुलाकर स्पष्टीकरण लिया जा रहा है।एसीबी शराब टेंडर प्रक्रिया से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रहा है।इसमें टेंडर की मूल शर्तें, बाद में किए गए बदलाव, संबंधित अधिकारियों और संस्थाओं की भूमिका तथा टेंडर में भाग लेने वाली कंपनियों की पूरी प्रक्रिया की पड़ताल की जा रही है।इसके अलावा बैंक गारंटी, भुगतान प्रक्रिया, सरकारी राजस्व की वसूली और अन्य वित्तीय दायित्वों से जुड़े रिकॉर्ड की भी जांच की जा रही है। ब्यूरो यह भी पता लगा रहा है कि कहीं प्रक्रिया में किसी प्रकार की कमी या लापरवाही के कारण सरकार को राजस्व का नुकसान तो नहीं हुआ।जांच एजेंसी शराब की आपूर्ति व्यवस्था, दुकानों के हिसाब-किताब, नकद संग्रह, बैंक में राशि जमा कराने की प्रक्रिया, ऑडिट रिपोर्ट और राजस्व वसूली से जुड़े दस्तावेजों की भी जांच कर रही है।इसके साथ ही संबंधित बैठकों में लिए गए निर्णय, अधिकारियों को दिए गए निर्देश और उनके अनुपालन से जुड़े रिकॉर्ड का भी परीक्षण किया जा रहा है।एसीबी का कहना है कि जांच उपलब्ध साक्ष्यों और दस्तावेजों के आधार पर निष्पक्ष तरीके से आगे बढ़ाई जा रही है। आवश्यकता पड़ने पर अन्य अधिकारियों और संबंधित व्यक्तियों से भी पूछताछ की जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

सदस्य सचिव ने एनजीटी को दी जानकारी,स्वीकृत पद का 52 फीसदी क्षमता पर ही काम कर रह प्रदूषण बोर्ड

रांची (एजेंसी) : राष्ट्रीय हरित अधिकरण ने प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों में रिक्त पदों पर चिंता जतायी है।एनजीटी की प्रधान पीठ, नई दिल्ली ने देशभर के राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों (एसपीसीबी) एवं प्रदूषण नियंत्रण समितियों को सुदृढ़ बनाने से संबंधित मामलों की सुनवाई कर रही है। इसमें झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (जेएसपीसीबी) में रिक्त पदों की स्थिति की जानकारी सदस्य सचिव ने वर्चुअल माध्यम से दी।उन्होंने बताया कि झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड वर्तमान में अपने स्वीकृत पदों की तुलना में केवल 52 प्रतिशत कार्यबल के साथ कार्य कर रहा है।इसमें संविदा कर्मचारी भी शामिल हैं।उन्होंने यह भी बताया कि झारखंड राज्य के गठन को लगभग 26 वर्ष बीत जाने के बावजूद बोर्ड के लिए भर्ती नियम अब तक अधिसूचित नहीं किए गए हैं।वर्ष 2025 में भर्ती नियम तैयार किए गए थे, किन्तु वे अभी भी राज्य सरकार के समक्ष अंतिम स्वीकृति के लिए लंबित हैं। अधिकरण ने कहा कि इससे स्पष्ट होता है कि झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड तथा राज्य सरकार ने बोर्ड में रिक्त पदों को भरने के मुद्दे को अपेक्षित गंभीरता से नहीं लिया है।अधिकरण ने यह भी टिप्पणी की कि भर्ती नियमों का समय पर अधिसूचित न होना तथा स्वीकृत पदों को न भरना बोर्ड की प्रभावी कार्यप्रणाली पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रहा है।सुनवाई के दौरान केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) की ओर से प्रस्तुत अधिवक्ता ने अधिकरण को अवगत कराया कि पूर्व आदेशों के बावजूद अनेक राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों एवं प्रदूषण नियंत्रण समितियों ने अपने उत्तरों की प्रतियां सीपीसीबी के अधिवक्ता को उपलब्ध नहीं कराई हैं।इसमें झारखंड नहीं है।मामले की अगली सुनवाई आठ अक्तूबर को होगी।

छात्रों और युवाओं के मुद्दे पर कांग्रेस की दोहरी राजनीति, छह वर्षों में हुई परीक्षा की सीबीआइ जांच हो : आदित्य साहू

रांची (एजेंसी) : भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व राज्यसभा सांसद आदित्य साहू ने कहा है कि छात्रों और युवाओं के मुद्दे पर कांग्रेस दोहरी राजनीति कर रही है।एक तरफ कांग्रेस दिल्ली में छात्रों के मुद्दे पर हाय तौबा मचा रही है, वहीं दूसरी तरफ झारखंड में जेपीएससी, जेएसएससी सीजीएल सहित अन्य भर्ती परीक्षा घोटाले पर उनकी जुबान पर ताला जड़ा हुआ है।उत्पाद सिपाही भर्ती दौड़ में तो झारखंड के 19 बच्चों की मौत हो गयी थी।कांग्रेस के नेताओं की जुबान इस मामले पर बंद क्यों हैं।सांसद श्री साहू संसद भवन के समक्ष प्रदर्शन के बाद पत्रकारों से बात कर रहे थे।झारखंड के भाजपा से सांसदों ने राज्य में भर्ती परीक्षा में हुई गड़बड़ी के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे।प्रदर्शन में सांसद निशिकांत दुबे, बीडी राम, विद्युत वरण महतो, डॉ प्रदीप वर्मा, कालीचरण सिंह, ढुल्लू महतो और मनीष जायसवाल शामिल थे। सांसदों ने राज्य की हेमंत सोरेन सरकार और कांग्रेस के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।श्री साहू ने कहा कि झारखंड में जब-जब कांग्रेस के समर्थन से सरकार बनी है, तब तब छात्रों, युवाओं के साथ खिलवाड़ किया गया है।हमारी पार्टी की मांग है कि दिल्ली से कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी झारखंड की धरती पर जायें।वहां की जनता इनका चेहरा देखना चाहती है। झारखंड की जनता इनसे पूछना चाहती है कि आपका दोहरा चरित्र क्यों है। मुंह पर ताला बंद क्यों है। उन्होंने कहा कि झारखंड में पिछले छह वर्षों में हेमंत सरकार में जितनी भी भर्ती परीक्षा में अनियमिताएं हुई है, पेपर लीक हुआ है, सभी मामलों की सीबीआई जांच हो। इस मामले में जो भी दोषी हो, उन्हें जेल की सलाखों में भेजे। झामुमो की सरकार सीआईडी जांच के बहाने इन घोटालों पर पर्दा डालने की कवायद में जुटी हुई है।

गृह मंत्री शाह से मिले आदित्य, राजनीतिक हालात पर चर्चा

रांची (एजेंसी) : भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व राज्यसभा सांसद आदित्य साहू ने दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की।गृह मंत्री के साथ मुलाकात में राज्य की वर्तमान राजनीतिक स्थिति और सांगठनिक विषयों पर चर्चा हुई। प्रदेश अध्यक्ष श्री साहू ने राज्य सरकार की नाकामियों और नीतियों के खिलाफ संगठन द्वारा चलाये जा रहे आंदोलनात्मक कार्यक्रम की जानकारी दी।राज्य में नियुक्ति घोटाले को लेकर पार्टी के अभियान के बारे में बताया।श्री साहू ने कहा कि गृह मंत्री से मिलकर उन्होंने कई महत्वपूर्ण विषयों पर उनका मार्गदर्शन प्राप्त किया।

पतरातू दौरे पर उपायुक्त ने स्वास्थ्य सेवाओं व राजस्व कार्यों की समीक्षा की, 15 दिनों में सुधार के दिए निर्देश

रामगढ़ (एजेंसी) : रामगढ़ जिले के उपायुक्त ऋतुराज ने बुधवार को पतरातू प्रखंड का दौरा कर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और अंचल कार्यालय का निरीक्षण किया।इस दौरान उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं, जन शिकायतों के निष्पादन, राजस्व प्रशासन तथा आम नागरिकों को उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को कार्यों में गुणवत्ता और तेजी लाने का निर्देश दिया।सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उपायुक्त ने वार्ड, ओपीडी सहित विभिन्न व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया तथा मरीजों और उनके परिजनों से बातचीत कर दवा, उपचार और अन्य सुविधाओं की जानकारी ली।उन्होंने चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों को सभी मरीजों को समय पर गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराने, गर्भवती महिलाओं को जननी सुरक्षा योजना से शत-प्रतिशत जोड़ने तथा संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने का निर्देश दिया।निरीक्षण के दौरान दंत ओपीडी की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने अधिकारियों को आधुनिक मशीनों एवं आवश्यक उपकरणों से दंत ओपीडी को सुसज्जित कर आगामी 15 अगस्त तक पूरी तरह तैयार कर आम जनता के लिए समर्पित करने का निर्देश दिया।

इसके बाद उपायुक्त ने अंचल कार्यालय का निरीक्षण कर आपदा राहत, जन शिकायत, राजस्व शिविर, दाखिल-खारिज, लगान वसूली तथा जाति, आय और आवासीय प्रमाण पत्रों के निष्पादन की समीक्षा की।उन्होंने निर्देश दिया कि सभी कार्य पारदर्शिता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूरे किए जाएं और अनावश्यक विलंब किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं होगा।

उपायुक्त ने मीटा पोर्टल पर लंबित मामलों एवं थाना दिवस से जुड़े प्रकरणों की समीक्षा करते हुए उनका त्वरित निष्पादन सुनिश्चित करने को कहा।लगान वसूली की धीमी प्रगति पर नाराजगी जताते हुए उन्होंने अभियान चलाकर वसूली में तेजी लाने के निर्देश दिए।वहीं दाखिल-खारिज के मामलों में बिना ठोस कारण आवेदन अस्वीकृत नहीं करने तथा 30 दिनों से अधिक समय से लंबित आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर निपटारा करने को कहा।निरीक्षण के अंत में उपायुक्त ने सभी अधिकारियों एवं कर्मियों को आगामी 15 दिनों के भीतर कार्यों में स्पष्ट सुधार लाने की चेतावनी देते हुए कहा कि अगली समीक्षा में प्रगति संतोषजनक नहीं मिलने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।निरीक्षण के दौरान गोपनीय शाखा के प्रभारी पदाधिकारी रविंद्र कुमार गुप्ता, प्रखंड विकास पदाधिकारी मनोज कुमार गुप्ता, अंचल अधिकारी मनोज कुमार चौरसिया सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

सुदीव्य कुमार और दीपिका पांडे सिंह की मौजूदगी में दुमका प्रवेश द्वार पर राजकीय श्रावणी मेला का भव्य उद्घाटन

देवघर (एजेंसी) : द्वादश ज्योतिर्लिंग बाबा बैद्यनाथ की नगरी में राजकीय श्रावणी मेला का भव्य उद्घाटन झारखंड-बिहार सीमा स्थित दुमका प्रवेश द्वार में किया गया।मुख्य अतिथि नगर विकास एवं पर्यटन मंत्री सुदिव्य कुमार व विशिष्ट स्थिति ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका सिंह पांडे ने वैदिक मंत्रोच्चार और पूजा-अर्चना के बीच फीता काटकर मेले का शुभारंभ किया।उद्घाटन से पूर्व पंडितों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधिवत पूजा-अर्चना करायी।उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए पर्यटन एवं नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार ने कहा कि श्रावणी मेला केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण और आस्था का महायज्ञ है. उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष लगभग 53 लाख देवतुल्य श्रद्धालुओं की सेवा करने का अवसर देवघर जिला प्रशासन और झारखंड की जनता को मिला था। इस वर्ष श्रद्धालुओं की संख्या और अधिक 55 लाख रहने की संभावना है।बाबा बैद्यनाथ की कृपा से ही यह श्रावणी मेला का सफल संचालन संभव हो पाता है।हम सभी केवल माध्यम हैं और हमारी जिम्मेदारी है कि किसी भी श्रद्धालु को किसी प्रकार की असुविधा नहीं हो।उन्होंने कहा कि प्रशासन का प्रयास है कि झारखंड की सीमा में प्रवेश करते ही श्रद्धालुओं को बेहतर व्यवस्था, सुरक्षा, स्वच्छता और आत्मीय स्वागत का अनुभव हो। जब श्रद्धालु बाबा बैद्यनाथ का जलार्पण कर अपने घर लौटें तो उनके मन में देवघर और झारखंड की सेवा भावना की सुखद स्मृतियां बनी रहें।मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के मार्गदर्शन में देवघर में बासुकीनाथ में श्रावणी मेला की व्यवस्था बेहतर की गयी है।हर कार्यों की मॉनिटरिंग मुख्यमंत्री द्वारा की जा रही है।उन्होंने कहा कि अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों के छोटे-छोटे प्रयास मिलकर इस महायज्ञ को सफल बनायेंगे। बाबा बैद्यनाथ की कृपा से इस वर्ष का श्रावणी मेला भी पूरी भव्यता, सुरक्षा और सुव्यवस्था के साथ संपन्न होगा।ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका सिंह पांडे ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य हर वर्ष श्रावणी मेला को और अधिक सुरक्षित, स्वच्छ तथा श्रद्धालु-अनुकूल बनाना है।उन्होंने श्रद्धालुओं, स्थानीय लोगों, मंदिर प्रशासन, सामाजिक संगठनों और मीडिया से स्वच्छ एवं प्रदूषण मुक्त मेला आयोजित करने में सहयोग की अपील की।उन्होंने पूजा-पाठ और प्रसाद वितरण में प्लास्टिक के उपयोग से बचने तथा पत्तल, दोना, सत्तू और मिट्टी के बर्तनों के अधिकाधिक उपयोग पर बल दिया।उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य सरकार नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए लगातार अभियान चला रही है।श्रावणी मेला के दौरान भी सभी लोग नशामुक्त वातावरण बनाये रखने में सहयोग करें।साथ ही कांवरिया पथ और सड़क से जुड़े शेष कार्य अगले वर्ष प्राथमिकता के आधार पर पूरे किये जायेंगे तथा बालू के बहाव की समस्या के स्थायी समाधान के लिए कांवरिया पथ के किनारे दीवार और पीसीसी पथ का निर्माण कराये जाने की दिशा में कदम बढ़ाया जायेगा।उद्घाटन समारोह में देवघर विधायक सुरेश पासवान, सारठ विधायक उदय शंकर सिंह, जरमुंडी विधायक देवेंद्र कुमार, जिला परिषद अध्यक्ष किरण कुमारी, देवघर नगर निगम के मेयर रवि राउत, उपायुक्त सौरभ भुवानिया, एसपी प्रवीण कुमार पुष्कर, उप विकास आयुक्त पीयूष सिन्हा, अनुमंडल पदाधिकारी रवि कुमार,जिला बीस सूत्री उपाध्यक्ष मुनम संजय, झामुमो के जिला अध्यक्ष संजय शर्मा आदि थे।

बेहतर बीज प्रबंधन व गुणवत्तायुक्त बीज से 75 फीसदी बढ़ सकता है उत्पादन :पूनम जसरोटिया

रांची (एजेंसी) : भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की सहायक महानिदेशक (पौधा संरक्षण एवं जैव सुरक्षा) डॉ पूनम जसरोटिया ने कहा है कि यदि आधुनिक प्रबंधन तकनीकों के साथ गुणवत्तायुक्त बीज का प्रयोग किया जाये तो उत्पादन में 75 फीसदी तक की वृद्धि हो सकती है।बुधवार को बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के 23वें बीज परिषद की बैठक को वह संबोधित कर रही थी।उन्होंने कहा कि वर्ष 2025-26 में देश में 376 मिलियन टन खाद्यान्न का उत्पादन हुआ।जिसमें अच्छे बीज की महत्वपूर्ण भूमिका रही। सन् 1969 से अब तक फसलों के 3276 प्रभेद जारी किए गये। जिनमें 187 बायोफोटीफाइड और 587 क्लाइमेट रेसिलियंट किस्में शामिल हैं।उन्होंने कहा कि देश के नए बीज विधेयक पर संसद में चर्चा हो रही है. इसके कानून बन जाने के बाद बीज उत्पादन, भंडारण, विपणन, परिवहन, वितरण, गुणवत्ता नियंत्रण के नये प्रावधआन लागू होंगे। आइसीएआर नये बीज किस्मों के विकास में लगने वाला समय घटाने और बीज गुणन की गति बढ़ाने की दिशा में आवश्यक प्रयास कर रहा है।बीएयू के कुलपति डॉ एससी दुबे ने कहा कि बीज उत्पादन कार्यक्रम में किसानों की जरूरत के अनुरूप बीज के स्वास्थ्य और उसकी विशेषताओं का समुचित ध्यान रखा जाना चाहिए।कुलपति ने राज्य बीज नीति के कार्यान्वयन पर भी जोर दिया।समेति, झारखंड के निदेशक विकास कुमार ने कहा प्रत्येक जिला में एक आदर्श ग्राम विकसित किया जायेगा।जिसे राज्य सरकार के सभी विभागों की विकास योजनाओं से जोड़ा जायेगा।अतिथियों का स्वागत करते हुए निदेशक (बीज एवं प्रक्षेत्र) डॉ शम्भूनाथ कर्माकर ने कहा कि बीज कृषि की आत्मा है, आधुनिक तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के इस दौर में भी गुणवत्ता युक्त बीज का स्थान कोई नहीं ले सकता।उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय ने वर्ष 2025-26 में विभिन्न फसलों के कुल 5700 क्विंटल गुणवत्तायुक्त प्रजनक बीज, आधार बीज, प्रमाणित बीज और सत्य प्रमाणित बीज पैदा किया।इसी प्रकार वर्ष 2026-27 में 5265 क्विंटल बीज उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है।इस मौके पर कृषि में नये प्रयोग के लिए राज्य के चार प्रगतिशील किसानों मेही लाल गोप (गोमिया, बोकारो), राजेश प्रसाद चौधरी (धनबाद), चंदन चौधरी (रांची) तथा विपिन कुमार को सम्मानित किया गया।इस मौके पर आइसीएआर के प्लांडू स्थित संस्थान के प्रधान डॉ अवनी कुमार सिंह, डॉ एमपी मण्डल, डॉ राघव ठाकुर एवं डॉ एसके पाल, डॉ पीके सिंह, डॉ डीके शाही, डॉ रमेश कुमार, डॉ आलोक कुमार पांडेय, डॉ कौशल कुमार तथा डॉ शैलेश चट्टोपाध्याय भी उपस्थित थे।

पंचायतों तक पहुंच रही परिवहन विभाग की सेवाएं, अब घर के नजदीक बन रहा ड्राइविंग लाइसेंस

पलामू (एजेंसी) : आम नागरिकों को ड्राइविंग लाइसेंस से संबंधित सेवाएं उनके घर के नजदीक उपलब्ध कराने के उद्देश्य से परिवहन विभाग, झारखंड के निदेशानुसार बुधवार को पंडवा प्रखंड के पतरा पंचायत क्लस्टर में पंचायत स्तरीय ड्राइविंग लाइसेंस कैंप का आयोजन किया गया। इस कैंप में पतरा, छेछौरी, मझीगांवा एवं मुरमा पंचायत के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।कैंप में परिवहन विभाग की टीम सभी आवश्यक तकनीकी उपकरणों एवं संसाधनों के साथ पंचायत पहुंची, जिससे ग्रामीणों को ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के लिए जिला मुख्यालय आने की आवश्यकता नहीं पड़ी। इससे समय, धन और श्रम–तीनों की बचत हुई तथा दूरस्थ क्षेत्रों के लोगों को स्थानीय स्तर पर ही सुविधा उपलब्ध कराई गई।प्रेस विज्ञप्ति तैयार किए जाने तक कुल 106 लर्निंग लाइसेंस आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 62 युवाओं को ऑन-द-स्पॉट लर्निंग लाइसेंस प्रदान किया गया।इस अवसर पर मोटरयान निरीक्षक एवं सड़क सुरक्षा प्रबंधक ने लाभुकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ड्राइविंग लाइसेंस केवल वाहन चलाने की अनुमति नहीं, बल्कि सड़क सुरक्षा के प्रति जिम्मेदारी का भी प्रतीक है। उन्होंने सभी से हेलमेट एवं सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करने, निर्धारित गति सीमा का पालन करने, नशे की हालत में वाहन नहीं चलाने तथा यातायात नियमों का ईमानदारी से पालन करने की अपील की।उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में लोगों की जान जाना अत्यंत चिंताजनक विषय है। दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए यातायात नियमों का पालन और प्रत्येक नागरिक की जागरूकता आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन आम लोगों तक परिवहन विभाग की सेवाएं पहुंचाने के लिए लगातार पंचायत स्तर पर कैंप आयोजित कर रहा है, ताकि दूर-दराज के ग्रामीणों को बिना किसी परेशानी के ड्राइविंग लाइसेंस की सुविधा मिल सके।कैंप के दौरान सड़क सुरक्षा प्रबंधक विनीत कुमार ने गुड सेमेरिटन एवं हिट एंड रन योजना की भी विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सड़क दुर्घटना होने पर घायल व्यक्ति की सहायता कर उसे तत्काल अस्पताल पहुंचाना सबसे बड़ा मानवीय कार्य है। ऐसे नेक नागरिकों को सरकार द्वारा प्रोत्साहन राशि भी प्रदान की जाती है। साथ ही हिट एंड रन मामलों में पात्र पीड़ित परिवारों को सरकार द्वारा निर्धारित मुआवजा उपलब्ध कराने का भी प्रावधान है।इस अवसर पर मोटरयान निरीक्षक, सड़क सुरक्षा प्रबंधक, जिला परिवहन कार्यालय के बड़ा बाबू, विभागीय कर्मी एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

ट्रूथ पथ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक कुमार भारती के द्वारा डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रीटिंग प्रेस गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर के.जी. आश्रम, धनबाद (झारखंड) से
मुद्रिक एवं नियर भाटिया शिव मंदिर, गांधी नगर धनबाद से प्रकाशित फोन नं. 7004605076, 9852421580
संपादकः- रवि रंजन * इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं सम्पादन हेतु पी आर बी एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उतरदायी। ई. मेलः-truthpath941@gmail.com आर. एन. आई.नंबर .-JHAHIN/2023/90593

संक्षिप्त खबरें

नशा मुक्त युवा : विकसित भारत अभियान के लिए प्रतियोगिता का आयोजन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः मेरा युवा भारत धनबाद की ओर से बिनोद बिहारी महतो कोलांचल विश्वविद्यालय, धनबाद में कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इसमें राष्ट्रीय सेवा योजना बीबीएमकेयू की भागीदारी रही। इसमें नशा मुक्त युवा झ विकसित भारतर अभियान के तहत आयोजित जिला स्तरीय सांस्कृतिक एवं नवाचार प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस अभियान का उद्देश्य युवाओं को नशा एवं मादक पदार्थों के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना, समाज में नशा मुक्ति के प्रति सकारात्मक वातावरण विकसित करना तथा राष्ट्र निर्माण के इस जन-अभियान से जोड़ते हुए विकसित भारतझ2047 के लक्ष्य की प्राप्ति में युवाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना है। कार्यक्रम में कुल आठ प्रतियोगिताओं–फोक सॉन्ग (समूह), फोक डांस (समूह), नुक्कड़ नाटक (समूह), भाषण (डिक्लेमेशन), स्लैम पोएट्री, स्लोगन लेखन, शॉर्ट फिल्म/रील निर्माण तथा पेंटिंग–का आयोजन किया गया। जिले के विभिन्न विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के युवाओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रो. (डॉ.) राम कुमार सिंह, कुलपति, बिनोद बिहारी महतो कोलांचल विश्वविद्यालय, धनबाद द्वारा किया गया। अपने उद्बोधन में उन्होंने युवाओं से नशा मुक्त समाज के निर्माण हेतु व्यापक जनजा गरूकता फैलाने का आह्वान किया तथा विकसित भारतझ2047 के संकल्प को साकार करने में युवाओं की सक्रिय एवं सकारात्मक भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाते हुए समाज को नशामुक्त बनाने के लिए सक्रिय योगदान देने का संकल्प भी दिलाया। इस अवसर पर सूर्यकांत कुमार, उपनिदेशक, मेरा युवा भारत, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार ने युवाओं से नशा मुक्ति जन-अभियान को जन-जन तक पहुँचाने तथा अधिक से अधिक युवाओं एवं समाज के विभिन्न वर्गों को इस अभियान से जोड़ने का आह्वान किया। प्रतियोगिताओं का मूल्यांकन प्रत्येक विधा हेतु गठित तीन सदस्यीय निर्णायक मंडल द्वारा किया गया। निर्णायक मंडल में विभिन्न महाविद्यालयों के प्राध्यापक, संबंधित विषयों के विशेषज्ञ तथा कला एवं संस्कृति क्षेत्र के विशेषज्ञों ने ज्यूरी सदस्य के रूप में प्रतिभागियों का निष्पक्ष मूल्यांकन कर परिणाम घोषित किए। निर्णायक मंडल द्वारा घोषित परिणामों के अनुसार फोक डांस (समूह) में जे.के. सिन्हा स्कूल की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। फोक सॉन्ग (समूह) में धनबाद म्यूज़िक ग्रुप तथा नुक्कड़ नाटक (समूह) में एस.एस.एल.एन.टी. के प्रतिभागियों ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। एकल प्रतियोगिताओं में भाषण (डिक्लेमेशन) में निहारिका श्रीवास्तव, स्लैम पोएट्री में शुभम कुमार झा, पेंटिंग में जया राज महतो, स्लोगन लेखन में सक्षम राजन तथा शॉर्ट फिल्म/रील निर्माण में वैभव सिन्हा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं के प्रथम स्थान प्राप्त विजेता अब राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में धनबाद जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। राज्य स्तर पर चयनित प्रतिभागियों को राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित रनशा मुक्त युवा झ विकसित भारतर प्रतियोगिताओं में झारखंड का प्रतिनिधित्व करने का सुनहरा अवसर प्राप्त होगा। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों के रूप में डॉ. डी. के. गिरी (वित्त अधिकारी, बिनोद बिहारी महतो कोलांचल विश्वविद्यालय), डॉ. ताप्ती चक्रवर्ती (विभागाध्यक्ष, कला एवं संस्कृति विभाग), आलोक कुमार, प्रो. मुकुंद रविदास सहित अनेक गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

संत रविदास के आदर्श सामाजिक समरसता और राष्ट्र निर्माण की प्रेरणा हैं : राज सिन्हा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः संत शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज के 650वें प्राकट्योत्सव पर भारतीय जनता पार्टी मनईटांड मंडल की ओर से सामाजिक समरसता एवं एकता पर्व का आयोजन हुआ। इसमें धनबाद विधायक राज सिन्हा भी शामिल हुए। धनबाद के मनईटांड़ मंडल स्थित रविदास मंदिर, सब्जी बागान में दीपोत्सव एवं संध्या आरती की गई। धनबाद विधायक राज सिन्हा ने संत शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज की प्रतिमा पर श्रद्धापूर्वक माल्यार्पण किया तथा मंदिर के पुजारियों को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। विधायक राज सिन्हा ने कहा कि संत शिरोमणि गुरु रविदास जी का संपूर्ण जीवन सामाजिक समरसता, समानता, मानवता और सेवा का अनुपम उदाहरण है। उन्होंने अपने विचारों और कर्मों से समाज को जाति, ऊँच-नीच और भेदभाव से ऊपर उठकर एकता, प्रेम और सद्भाव का मार्ग दिखाया। आज उनके आदर्श विकसित, समरस और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत हैं। भारतीय जनता पार्टी 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मूल मंत्र के साथ समाज के अंतिम व्यक्ति तक सम्मान और विकास का संकल्प लेकर कार्य कर रही है। ऐसे आयोजन सामाजिक सौहार्द को और अधिक सुदृढ़ बनाने का कार्य करते हैं। कार्यक्रम में जिला महामंत्री रुपेश सिन्हा, जिला मंत्री मौसम सिंह, मंडल अध्यक्ष इंद्रभूषण कुशवाहा सहित भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में स्थानीय श्रद्धालु उपस्थित थे।

पुण्यतिथि पर याद किए गए बच्चा सिंह रघुकुल में आयोजित हुई श्रद्धांजलि सभा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री एवं जनता मजदूर संघ के वरिष्ठ नेता बच्चा सिंह उनकी पुण्य तिथि पर याद किया गया। इस अवसर पर उनके सूर्यदेव नगर स्थित आवास पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर झरिया की पूर्व विधायक पूर्णिमा नीरज सिंह, अभिषेक सिंह, एकलव्य सिंह सहित परिजनों एवं मजदूर संगठन से जुड़े बड़ी संख्या में लोगों ने बच्चा सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी और उनके योगदान को याद किया। वक्ताओं ने कहा कि बच्चा सिंह ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरूआत झरिया से की थी। उन्होंने अपने पूरे राजनीतिक जीवन में मजदूरों के अधिकारों की लड़ाई मजबूती से लड़ी। इसी कारण वे केवल झरिया ही नहीं, बल्कि पूरे कोयलांचल क्षेत्र के लोकप्रिय मजदूर नेता के रूप में जाने गए। बच्चा सिंह झरिया से विधायक रहने के साथ-साथ झारखंड सरकार में नगर विकास मंत्री के पद पर भी अपनी सेवाएं दे चुके थे। उनकी दूसरी पुण्यतिथि पर उपस्थित मजदूर नेताओं समर्थकों और शुभचिंतकों ने उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व को स्मरण करते हुए उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की।

एमडीएम की गुणवत्ता में कमी होने पर कार्रवाईः डीसी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः उपायुक्त (डीसी) आदित्य रंजन ने एमडीएम की गुणवत्ता बनाए रखने का निर्देश दिया है। गुणवत्ता में कमी होने पर कार्रवाई की चेतावनी दी है। बुधवार को डीसी की अध्यक्षता में 'पीएम पोषण' योजना की जिला स्तरीय स्टेयरिंग सह मॉनिटरिंग कमेटी की बैठक आयोजित की गई। उपायुक्त ने जिले के सभी सरकारी विद्यालयों में संचालित मध्याह्न भोजन योजना (एमडीएम)की प्रगति, भोजन की गुणवत्ता और पारदर्शिता की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिया कि विद्यालयों में बच्चों को दिए जाने वाले भोजन की गुणवत्ता और स्वच्छता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं करेंगे। साथ में भोजन पकाने के स्थान और उपयोग किए जाने वाले बर्तनों की साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया। उन्होंने रसोइयों की व्यक्तिगत स्वच्छता सुनिश्चित करने, सरकार द्वारा निर्धारित साप्ताहिक मीनू के अनुसार ही बच्चों को ताजा और पौष्टिक भोजन परोसने का निर्देश दिया। उन्होंने जिला शिक्षा अधीक्षक को प्रतिदिन जिला एवं प्रखंड स्तर पर मिड डे मील की निगरानी करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने सप्ताह के 2 दिन मिड डे मील में बच्चों को रागी लड्डू देने का प्रस्ताव दिया। कहा कि यह बच्चों की सेहत के लिए बहुत फायदेमंद रहेगा। स्वाद के साथ-साथ बच्चों को भरपूर ऊर्जा और पोषण मिलेगा। उपायुक्त ने शत प्रतिशत विद्यालयों में पोषण वाटिका स्थापित करने का भी निर्देश दिया। साथसाथ ा कहा कि सभी विद्यालयों में जिले से प्राप्त फलदार पौधे का रोपण सुनिश्चित करें। विद्यालय से ऐसे व्यक्ति को नामित करें जो व्यक्तिगत रुचि लेकर पौधे की देखभाल करें। उपायुक्त ने बच्चों के बीच प्लेट-थाली वितरण, विद्यालयों का ऑडिट सहित अन्य बिंदुओं की समीक्षा की। बैठक में जिला शिक्षा पदाधिकारी अभिषेक झा, जिला शिक्षा अधीक्षक शालिनी डुंगडुंग सहित समिति के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

कतरास में बुधवार को फिर चला नगर निगम का बुलडोजर

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः कतरास नगर निगम के वार्ड संख्या 3 में जल जमाव की समस्या के निजात के लिए धनबाद नगर निगम की ओर से अतिक्रमण हटाने का अभियान बुधवार को भी जारी रहा। नगर निगम के इंस्पेक्टर अनिल कुमार के नेतृत्व में कतरास थाना चौक से लेकर जैन मंदिर के पहले तक नाली से अतिक्रमण हटाया गया। अभियान के दौरान नालियों पर बने अवैध स्लैब, सीढ़ियां और अन्य निर्माण हटाए गए। नगर निगम की जांच में सामने आया कि वार्ड संख्या 3 के कई स्थानों पर नालियों का अस्तित्व ही लगभग समाप्त कर दिया गया है, जिससे बारिश के दौरान जल निकासी प्रभावित हो रही है। बताया गया कि बरसात के दिनों में कतरास की कई सड़कों पर पानी भर जाता है, जिससे आम लोगों और वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसी समस्या के समाधान के लिए नगर निगम ने अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई तेज कर दी है। नाली से अतिक्रमण हटाने के बाद जब नाली चौड़ी हुई तो पानी का बहाव भी तेजी से जा रहा है। नगर निगम की इस मुहिम का स्थानीय लोगों ने स्वागत करते हुए इसे जलजमाव की समस्या के स्थायी समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। वही निगम के इंस्पेक्टर अनिल कुमार ने बताया कि अतिक्रमण अभियान इसी प्रकार से चलता रहेगा. मौके पर नगर निगम के सुपरवाइजर लाल कमल महतो,अभिषेक, शिबू हरि सहित काफी संख्या में निगम के सफाई कर्मी व कर्मचारी मौजूद थे।

गुरु पूर्णिमा पर कोयला नगर श्री साईं मंदिर से धूमधाम से निकली पालकी यात्रा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर कोयला नगर श्री साईं मंदिर में बुधवार को श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ विशेष धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। सुबह से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचे और साईं बाबा के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर बाबा को छप्पन भोग अर्पित किया गया तथा मंदिर परिसर भक्तिमय माहौल से गुंजायमान रहा। दोपहर में आयोजित महाभंडारे में हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। शाम को साईं बाबा की भव्य पालकी यात्रा निकाली गई, जिसमें हजारों महिला एवं पुरुष श्रद्धालु जयकारों के साथ शामिल हुए। भक्तों ने पूरे मार्ग में श्रद्धा और भक्ति के साथ पालकी यात्रा का स्वागत किया। इस अवसर पर पूरे दिन मंदिर परिसर में भक्ति और उत्सव का वातावरण बना रहा। मंदिर के पुजारी तूफानी बाबा ने कार्यक्रम की सफलता पर सभी श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया। यजमान उदय प्रताप सिंह एवं उनकी धर्मपत्नी रेनू सिंह ने विधिवत पूजा-अर्चना कर सभी भक्तों के सुख, समृद्धि और कल्याण की कामना की। तीन दिवसीय पूजा अर्चना कार्यक्रम के समापन पूजा दिवस में धनबाद विधायक राज सिन्हा, झरिया विधायक रागिनी सिंह, समाजसेवी कुंभनाथ सिंह, कांग्रेस नेता गुड्डू सिंह, मनजीत सिंह भगनू, सुदिष्ट कुमार, संगीत कुमार, चंदन कुमार, मनीष सिंह, मुरारी, अभिषेक विश्वकर्मा, श्वेताभ सिंह, अजय पांडे, रामकिशोर, बिंदेश्वरी प्रसाद, जयकांत झा, अविनाश कुमार, मिनी मिश्रा, विक्की बादशाह, गजेंद्र चौबे सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित हुए।

एमपीएल में जेआरडी टाटा की मनाई गयी 122वीं जयंती,टाटा समूह की विश्वसनीयता जेआरडी के नैतिक मूल्यों की देन है:सीईओ

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः मैथन पावर लिमिटेड में बुधवार को भारत रत्न एवं पद्म विभूषण से सम्मानित महान उद्योगपति जेआरडी टाटा की 122वीं जयंती श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनायी गयी। कार्यक्रम का शुभारंभ जेआरडी टाटा की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया।इससे पहले टाटा के जीवन मूल्यों पर आधारित चलचित्र भी दिखाया गया।अधिकारियों एवं कर्मियों ने टाटा के आदर्शों एवं नैतिक मूल्यों को अपने जीवन और कार्य-व्यवहार में अपनाने का संकल्प लिया।वक्ताओं ने कहा की सच्चा नेतृत्व केवल उपलब्धियों से नहीं, बल्कि ईमानदारी, सत्यनिष्ठा, नैतिकता, उत्कृष्टता, उत्तरदायित्व और मानवीय संवेदनाओं से निर्मित होता है।यही मूल्य आज भी टाटा समूह की कार्यसंस्कृति और विश्वसनीयता की आधारशिला हैं। जेआरडी टाटा के निधन पर भारतीय संसद की कार्यवाही स्थगित किया जाना उनके असाधारण योगदान एवं राष्ट्रीय सम्मान का प्रतीक था। जयंती के अवसर पर एमपीएल के पर्यावरण विभाग द्वारा ग्रामीणों के सहयोग से दुगार्पुर गांव में 110 टीक एवं फलदार पौधरोपण किया गया। उल्लेखनीय है कि टाटा समूह में जेआरडी टाटा की जयंती नैतिकता दिवस के रूप में मनाई जाती है।इस अवसर पर अधिकारियों एवं कर्मियों ने सत्यनिष्ठा, उत्तरदायित्व, उत्कृष्टता, एकता एवं अग्रणी सोच जैसे मूल्यों को अपने जीवन एवं कार्य में अपनाने का संकल्प लिया।एमपीएल के सीईओ बासुदेव हांसदा ने श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि जेआरडी टाटा केवल दूरदर्शी उद्योगपति ही नहीं, बल्कि मानवता, सदाचार और कर्तव्यनिष्ठा के आदर्श थे। उन्होंने नवाचार और उत्कृष्टता को संस्थागत स्वरूप दिया तथा उनकी विरासत आज भी हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मियों से नैतिक मूल्यों और नवाचार को अपनाकर कंपनी को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जेआरडी टाटा देश के पहले पायलट लाइसेंस प्राप्त करने वाले भारतीय थे तथा भारतीय नागरिक उड्डयन के विकास में उनका योगदान ऐतिहासिक है।चीफ ओएंडएम सतीश प्रभु ने कहा कि जेआरडी टाटा का जीवन अनुकरणीय है।वे सहज, सरल, मृदुभाषी एवं मानवीय मूल्यों के सच्चे उपासक थे।टाटा समूह की विशिष्ट ब्रांड पहचान उनके उच्च नैतिक मूल्यों और उत्कृष्ट कार्यसंस्कृति का परिणाम है।उनके मूल्य आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं और हम सभी को प्रेरित करते हैं।चीफ ओएंडएम सर्विसेज सह नैतिक अधिकारी डके गंगवाल ने कहा कि देश के विकास में जेआरडी टाटा का योगदान अमूल्य है। उनके आदर्श, मूल्य और नैतिक सिद्धांत संगठन एवं राष्ट्र निर्माण के लिए आज भी समान रूप से प्रेरणादायी हैं।उन्होंने कहा कि उत्कृष्टता के साथ मानवीय मूल्यों को अपनाना ही जेआरडी टाटा के जीवन का मूल संदेश है. वरीय अधिकारी प्रवीण बी. राउत, चन्द्रशेखर सिंह, सुदीप दास, जयश्री चौधरी, रवीस कुमार, संतोष मोहंती, प्रिंस कुमार सिंह, अंकिता सिंह ने भी अफना विचार रखा. संचालन अभियंता सह नैतिक अधिकारी अभिजीत चौधरी ने किया।मौके पर दैतरी स्वैन, दुर्गेश शर्मा, रणधीर कुमार, अंशुमन चक्रवर्ती, सत्यजीत चौहान, रूपेश कुमार श्रीवास्तव, श्रीनिवासा तिलारी, रुपेश कुमार सिंह, अभिजीत चौधरी, सुनील कुमार सिंह, कार्तिक महतो, शंभू कुमार, हेमलता, स्वरुपा महापात्रा, कुंतल मित्रा, अमित पाल, रबिस कुमार, सुशील कुमार सिंह, गुड्डू खान, फैज आलम, कुंतल मित्रा, अमन सिंह, उमाकांत पाटकर, अजय कुमार सहित बड़ी संख्या में अधिकारियों एवं कर्मी ने जेआरडी टाटा को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

डीएवी स्कूल सिंदरी में बाल श्रम एवं बाल विवाह के विरुद्ध जागरूकता की अलख

वाद-विवाद एवं पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा संचालित 90 दिवसीय जागरूकता अभियान के अंतर्गत न्याय रथ बुधवार को डीएवी स्कूल सिंदरी पहुंचा. स्कूल में डालसा द्वारा बाल श्रम एवं बाल विवाह उन्मूलन विषय पर वाद-विवाद एवं पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में लीगल डिफेंस काउंसिल के डेप्टी चीफ अजय कुमार भट्ट मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि बाल श्रम और बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीतियों का समूल उन्मूलन तभी संभव है, जब समाज का प्रत्येक नागरिक जागरूक होकर इनके विरुद्ध आवाज उठाए। असिस्टेंट नीरज गोयल ने कहा कि शिक्षा को अपना सबसे बड़ा अधिकार मानते हुए अपने अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति सजग रहे. विद्यालय के प्राचार्य द्विवेन्दु त्रिपाठी ने कहा की इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है. प्रतियोगिता में विजयी छात्र छात्राओं प्रियेश चौधरी,गौरव प्रसाद,वर्मा, सनोज कुमार महतो,अलिशा को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया.कार्यक्रम में शिक्षक संदीप कुमार, अभिजीत दत्ता, मुकेश कुमार तिवारी कालीचरण बनर्जी समेत दर्जनो छात्र उपस्थित थे.

गुरु पूर्णिमा पर श्री वेद माता गायत्री मंदिर में पांच कुंडीय गायत्री महायज्ञ

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर श्री वेद माता गायत्री मंदिर, कोयला नगर में पांच कुंडीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया गया। इसमें निःशुल्क दीक्षा संस्कार, नामकरण संस्कार, भक्ति और श्रद्धा के साथ संपन्न हुआ। इस धार्मिक अनुष्ठान में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया और यज्ञ में आहुतियां अर्पित कीं। कार्यक्रम की विशेष बात यह रही कि अंत में महाप्रसाद का वितरण किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने भाग लेकर पुण्य अर्जित किया। इस अवसर पर कार्यक्रम में अपने संबोधन में गुरु की महत्ता और संस्कृति में गायत्री साधना को ज्यादा से ज्यादा करने के लिए योगदान पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में स्थानीय गायत्री परिवार और समाजसेवियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। वही इस यज्ञ को सफल बनाने में साधना सिंह, संजुक्ता शर्मा, वीना माताजी, इंदु बहन, रामशिला, विनीता, रूपा, सरिता रानी, विशाल जी, लाल बाबू जी, सतीश जी, संत जी, समाजसेवी सुशील मिश्रा, समाजसेवी रूबी मिश्रा, निधि, विनीता देवी, अवधेश सिंह, विजय सिन्हा, मनोज, विवेक,स्र साव जी एवं समस्त गायत्री परिवार उपस्थित थें।

16 स्कूलों के 258 छात्र-छात्राओं को मिली साइकिल

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। जिले में शिक्षा के प्रसार, सुदूर क्षेत्रों से आने वाले विद्यार्थियों के आवागमन को सुगम बनाने एवं ड्रॉपआउट दर को कम करने के उद्देश्य से निःशुल्क साइकिल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कल्याण विभाग अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंतर्गत निरसा प्रखंड के 16 विद्यालयों के 258 छात्र-छात्राओं (147 छात्र एवं 111 छात्राएं) को पंचायत के मुखिया, विद्यालय के प्रधानाध्यापक एवं वार्ड सदस्य की उपस्थिति में साइकिल वितरण किया गया। उपायुक्त ने कहा कि इस साइकिल का उपयोग नियमित रूप से स्कूल आने और अपनी पढ़ाई को निरंतर जारी रखने के लिए सहयोग करेगी। बच्चों का ध्यान सिर्फ अपनी शिक्षा, खेल और सर्वांगीण विकास पर होना चाहिए। बाधाएँ कितनी भी हों, अपने सपनों को कभी छोटा मत होने दीजिए। उपायुक्त ने अभिभावकों एवं शिक्षकों से अनुरोध किया कि बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय भेजने के लिए प्रोत्साहित करें। बच्चों को सुरक्षित माहौल देना और उनकी शिक्षा को प्राथमिकता देना हम सबकी साझी जिम्मेदारी है। जिला प्रशासन आप सभी के उज्ज्वल भविष्य और गुणात्मक शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करने के लिए प्रतिबद्ध है

6 साल के प्रेम संबंध में धोखा, मंदिर में शादी के बाद भी नहीं मिला साथ

युवती ने डीसी-एसएसपी से लगाई न्याय की गुहार

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः धनबाद में छह वर्षों तक चले प्रेम संबंध, कथित धोखाधड़ी और मंदिर में हुई शादी के बाद भी साथ नहीं मिलने का मामला सामने आया है। दुहाटांड़ कुम्हारपट्टी निवासी खुशी कुमारी ने धनबाद उपायुक्त और वरीय पुलिस अधीक्षक से शिकायत कर न्याय की मांग की है। उन्होंने झरिया वेस्ट कोयरीबांध निवासी विकास साव पर शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण, लाखों रुपये के आभूषण और नकदी लेने तथा बाद में धोखा देने का आरोप लगाया है।पीड़िता के अनुसार, पिछले छह वर्षों से दोनों के बीच प्रेम संबंध था। इस दौरान आरोपी और उसके परिजनों ने पिता की बीमारी तथा अन्य जरूरतों का हवाला देकर करीब 15 से 20 लाख रुपये के आभूषण और नकदी ले लिए। युवती का आरोप है कि 25 मई को कोर्ट मैरिज तय थी, लेकिन विकास कोर्ट पहुंचने के बावजूद दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए बिना वहां से चला गया।शिकायत के अनुसार, 16 जून की रात विकास युवती के घर पहुंचा और अगले दिन दोनों को साथ देखकर स्थानीय लोगों की मौजूदगी में गणेश मंदिर में उनकी शादी कराई गई। आरोप है कि मांग में सिंदूर भरने और मंगलसूत्र पहनाने के बावजूद विकास कुछ दिनों बाद साथ ले जाने का आश्वासन देकर चला गया और फिर मुकर गया।युवती ने यह भी आरोप लगाया कि धनसार थाना में शिकायत करने पर उसकी बात सुनने के बजाय उसे ही धमकाया गया। साथ ही आरोपी द्वारा हथियार दिखाकर जान से मारने की धमकी देने और मामला वापस लेने का दबाव बनाने का भी आरोप लगाया गया है।फिलहाल पीड़िता ने प्रशासन से सुरक्षा और न्याय की मांग की है। मामले में पुलिस की ओर से आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। शिकायत के आधार पर प्रशासनिक कार्रवाई की प्रतीक्षा की जा रही है।

30-07-2026 T.P. Page 4_Layout 1 30-07-2026 07:14 Page 1

संक्षिप्त खबरें

जेपीएससी परीक्षा गड़बड़ी : पूर्व अध्यक्ष एल ख्यांगते से दोबारा पूछताछ

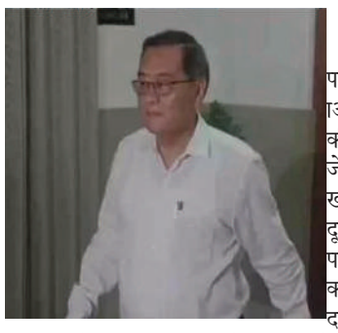

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : 14वीं सिविल सेवा परीक्षा समेत अन्य भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं की जांच के सिलसिले में जेपीएससी के पूर्व अध्यक्ष एल ख्यांगते बुधवार को लगातार दूसरे दिन सीआईडी मुख्यालय पहुंचे। अधिकारियों ने उनसे कई अहम सवाल पूछे और दस्तावेजों का मिलान किया।पहले दिन सीआईडी ने आठ घंटे तक पूछताछ की थी।इसमें ब्लैकलिस्टेड कंपनी के चयन, टीडीपीएल के मैनेजर अभय तिवारी से संबंध और उप परीक्षा नियंत्रक श्वेता गुप्ता की भूमिका पर सवाल उठे। एल ख्यांगते ने ज्यादातर सवालों के गोलमोल जवाब दिए और कहा कि सबकुछ नियम के तहत हुआ।सीआईडी ने इससे पहले उनके कांके रोड स्थित सरकारी आवास और जेपीएससी कार्यालय में छापेमारी कर दस्तावेज जब्त किए थे।साथ ही टीडीपीएल के दफ्तर से भी परीक्षा प्रक्रिया से जुड़े रिकॉर्ड कब्जे में लिये गये।इस मामले में अब तक उप परीक्षा नियंत्रक श्वेता गुप्ता समेत दस लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। पांच आरोपियों को रिमांड पर लेकर पूछताछ जारी है। लगातार कार्रवाई से परीक्षा प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े हो गये है।

हजारीबाग सीडब्ल्यूसी मैनेजर पर सीबीआई केस

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : सेंट्रल वेयरहाउसिंग कॉरपोरेशन हजारीबाग के मैनेजर रवि रंजन कुमार और उनकी पत्नी प्रीति कुमारी के खिलाफ सीबीआई (एसीबी रांची) ने आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के आरोप में नियमित मामला दर्ज किया है।जांच अवधि में उनकी कुल आय 86.23 लाख रही, जबकि खर्च 93.56 लाख से अधिक हुआ। इसी दौरान पति-पत्नी के नाम पर 1.04 करोड़ की संपत्ति खरीदी गई। सीबीआई के अनुसार, उनके पास 1.11 करोड़ की ऐसी संपत्ति है जो उनकी कानूनी आय से लगभग 129.12% अधिक है।इस मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, भारतीय दंड संहिता की धारा 109 और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस 2023) की धारा 49 समेत विभिन्न धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई।

पलामू में सिक्योरिटी गार्ड हत्याकांड का खुलासा, तीन आरोपी गिरफ्तार

पलामू (एजेंसी) : पलामू पुलिस ने मेदिनीनगर शहर थाना क्षेत्र के बाईपास रोड स्थित जेएमपी कॉम्प्लेक्स में 26 जुलाई को सिक्योरिटी गार्ड विनोद पांडेय के सिर में गोली मारकर हत्या के मामले का खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जांच के दौरान पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर गठित विशेष छापामारी दल ने चंदन कुमार उर्फ चंदन कमलापुरी, अनुमूर्ति सिंह तथा गोल्डन यादव को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपियों ने अपना अपराध स्वीकार करते हुए बताया कि 15 जुलाई को जेएमपी कॉम्प्लेक्स में आयोजित जन्मदिन पार्टी के दौरान होटल प्रबंधक से हुए विवाद का बदला लेने के उद्देश्य से घटना को अंजाम दिया गया।पुलिस ने आरोपियों के पास से एक देशी कट्टा, 7.65 एमएम की दो जिंदा गोलियां तथा घटना में प्रयुक्त टीवीएस जुपिटर स्कूटी बरामद कर लिया है। पुलिस ने बताया कि मुख्य आरोपी चंदन कुमार के खिलाफ हत्या, लूट, आर्म्स एक्ट और अन्य गंभीर मामलों के कई पुराने आपराधिक मामले पहले से दर्ज हैं।

दुर्घटना पीड़ित को बड़ी राहत, हाइकोर्ट ने 1.55 लाख से बढ़ा कर 11.15 लाख किया मुआवजा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : झारखंड हाइकोर्ट के चीफ जस्टिस एमएस सोनक की अदालत ने सड़क दुर्घटना के एक मामले में घायल व्यक्ति को बड़ी राहत देते हुए मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण (एमएसीटी) की ओर से तय 1.55 लाख रुपये के मुआवजे को बढ़ा कर 11.15 लाख रुपये कर दिया है।चीफ जस्टिस ने कहा कि पीड़ित की कार्यक्षमता (फंक्शनल डिसएबिलिटी) और भविष्य की आय पर पड़े असर का सही आकलन नहीं किया गया था।उन्होंने माना कि दुर्घटना के कारण पीड़ित की प्रोन्नति और आय बढ़ने की संभावनाएं प्रभावित हुईं।इसलिए भविष्य की आय के नुकसान, फिजियोथेरेपी, भविष्य के इलाज, परिचारक, विशेष आहार तथा अन्य चिकित्सा खर्चों के लिए अलग-अलग राशि देने का आदेश दिया गया। दर्द, मानसिक पीड़ा व जीवन की सुविधाओं में कमी के मद में भी मुआवजा बढ़ाया गया। अदालत ने बीमा कंपनी को छह सप्ताह के भीतर बढ़ी हुई मुआवजा राशि छह प्रतिशत वार्षिक ब्याज सहित जमा करने का निर्देश दिया है।ब्याज राशि का दावा याचिका दाखिल होने की तिथि से देय होगा। अदालत ने यह भी कहा कि राशि सीधे पीड़ित के बैंक खाते में ही हस्तांतरित की जाये. उल्लेखनीय है कि प्रार्थी डुमरदगा रांची निवासी राज कुमार चौधरी ने याचिका दायर की थी।

30 रुपए में गंगाजल, 10 रुपए में रक्षाबंधन का लिफाफा मिलेगा पोस्ट ऑफिस में

खूंटी (एजेंसी) : तोरपा पोस्ट ऑफिस में 30 रुपए में गंगाजल तथा 10 रुपए में रक्षाबंधन का लिफाफा मिलेगा। यह बातें मुख्य डाक महाध्यक्ष झारखण्ड परिमंडल, संजीव रंजन ने बुधवार को तोरपा में पत्रकारों से बात करते हुए कहा।उन्होंने कहा कि पवित्र गंगाजल गंगोत्री से लाया गया है।कोई भी व्यक्ति 30 रुपए का भुगतान कर इस गंगाजल को पोस्ट ऑफिस से प्राप्त कर सकता है।उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन को लेकर भी पोस्टल विभाग की विशेष तैयारी है।पोस्ट ऑफिस में राखी भेजने के लिए विशेष लिफाफा उपलब्ध कराया जा रहा है।यह लिफाफा वाटरप्रूफ है। इच्छुक व्यक्ति 10 रुपए का भुगतान कर इस लिफाफा को पोस्ट ऑफिस से प्राप्त कर सकते हैं।उन्होंने बताया कि राखी भेजने के लिए विभाग द्वारा विशेष चैनल बनाया गया है, ताकि राखी ससमय अपने गंतव्य तक पहुंच सके। उन्होंने कहा कि पोस्ट ऑफिस के माध्यम से कई तरह की बचत व बीमा की योजना चलाया जा रहा है।लोग पोस्ट ऑफिस आकर इसका लाभ ले सकते हैं।आधार, पासपोर्ट आदि की सुविधाएं भी पोस्ट ऑफिस में दी जा रही है। डाक विभाग के खूंटी उत्तरी अनुमंडल कार्यालय, तोरपा का उद्घाटन बुधवार को किया गया।मुख्य डाक महाध्यक्ष झारखण्ड परिमंडल, संजीव रंजन ने इसका उद्घाटन किया।उन्होंने कहा कि अनुमंडल कार्यालय के खुल जाने से अनुमंडलीय डाक निरीक्षक रवि रंजन कुमार नियमित रूप से यहां रहेंगे।जिससे पोस्ट ऑफिस के ग्राहकों के साथ साथ यहां के पोस्टल कर्मचारियों को भी अपनी समस्या के समाधान में सुविधा मिलेगी।मौके पर निदेशक, डाक सेवाएं झारखण्ड परिमण्डल रामविलास चौधरी,वरिष्ठ डाक अधीक्षक विनोद कुमार पंडित,अनुमंडल डाक निरीक्षक खूंटी अभिनव तिग्गा, डाक निरीक्षक चंदन कुमार, डाक निरीक्षक,रबीन्द्र अधिकारी, शैलेश राथे, प्रमुख रोहित सुरीन, मुखिया विनीता नाग,महमूद खान आदि उपस्थित थे।

कंगना रनौत के विवादित बयान के विरोध में झारखंड महिला कांग्रेस ने किया पुतला दहन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची (एजेंसी) : भारतीय जनता पार्टी की सांसद एवं अभिनेत्री कंगना रनौत द्वारा दिए गए विवादित एवं गैर-जिम्मेदाराना बयान के विरोध में आज झारखंड प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष रमा खलखो के नेतृत्व में रांची में जोरदार विरोध-प्रदर्शन किया गया। इस दौरान महिला कांग्रेस की कार्यकताओं ने कंगना रनौत का पुतला दहन कर उनके बयान की कड़ी निंदा की।महिला कांग्रेस की नेताओं ने कहा कि कंगना रनौत लगातार ऐसे बयान देती रही हैं जो समाज में वैमनस्य फैलाने, महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुंचाने और लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर करने का काम करते हैं। उनका बयान न केवल आपत्तिजनक है बल्कि देश की लोकतांत्रिक परंपराओं और सामाजिक सौहार्द के भी विरुद्ध है।महिला कांग्रेस ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी लगातार कंगना रनौत जैसे नेताओं के भड़काऊ बयानों पर मौन रहकर उनकी मानसिकता का समर्थन कर रही है। भाजपा नेतृत्व को स्पष्ट करना चाहिए कि क्या वह ऐसे बयानों से स्वयं को अलग मानती है या उनका समर्थन करती है।प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि कंगना रनौत अपने विवादित बयान के लिए देश की जनता से बिना शर्त माफी मांगें। साथ ही भाजपा नेतृत्व भी इस मामले में अपनी स्थिति स्पष्ट करे और ऐसे गैर-जिम्मेदाराना बयानों पर रोक लगाए।महिला कांग्रेस की नेताओं ने कहा कि कांग्रेस पार्टी संविधान, सामाजिक सद्भाव और महिलाओं के सम्मान की रक्षा के लिए हमेशा संघर्ष करती रही है और भविष्य में भी किसी भी विभाजनकारी एवं समाज विरोधी सोच का लोकतांत्रिक तरीके से पुरजोर विरोध करती रहेगी।प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में महिला कांग्रेस की पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थीं और सभी ने एक स्वर में कंगना रनौत के बयान की निंदा करते हुए लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा का संकल्प दोहराया।मौके पर आभा सिन्हा, मेरी तिर्की, रीता चौधरी, नीतू देवी, अंजू कूजूर, मीनू सिंह, अनू बेक, पुर्णिमा सिंह, संगीता टोप्पो, पार्वती सिंह, ममता वर्मा, सबिता कूजूर सहित सैकड़ो महिला कांग्रेस नेत्री उपस्थित रहीं।

मलेरिया से सीआरपीएफ जवान की मौत, पोस्टमार्टम हाउस में दी गई अंतिम सलामी

पूर्वी सिंहभूम (एजेंसी) : पश्चिम सिंहभूम के चाईबासा स्थित सीआरपीएफ की 197वीं बटालियन में तैनात जवान पिंटू कुमार साव (35) का बुधवार की सुबह लगभग तीन बजे एमजीएम अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गयी।मंगलवार को उसकी तबीयत खराब होने के कारण इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया था। एमजीएम में जांच के दौरान डॉक्टरों ने ब्रेन मलेरिया (फाल्सीपेरम) बताया था।डॉक्टरों के अनुसार मलेरिया के कारण शरीर के अन्य ऑर्गन भी खराब हो गये थे।जिससे उसकी स्थिति गंभीर हो गयी थी।उस-की मौत की जानकारी मिलने पर सीआरपीएफ के अधिकारियों और जवानों में शोक की लहर दौड़ गयी। सभी वरीय पदाधिकारी पोस्टमार्टम पहुंच गये। उसके शव को एमजीएम पोस्टमार्टम हाउस लाकर उसका पोस्टमार्टम कराया गया।उसके बाद सीआरपीएफ के अधिकारियों और जवानों ने पूरे सैन्य सम्मान के साथ उन्हें अंतिम सलामी (गार्ड ऑफ ऑनर) देने के साथ भावभीनी श्रद्धांजलि दी।इसके साथ ही उपस्थित पदाधिकारियों ने दो मिनट का मौन रखा। उसके बाद उसके पार्थिव शरीर को उनके पैतृक गांव बिहार के वैशाली जिले के फरीदपुर, थाना राजा पाका भेज दिया गया। वह इस समय मुसाबनी में ड्यूटी कर रहा था।उसकी तबीयत ज्यादा खराब होने पर मंगलवार को जादूगोड़ा कैंप भेजा गया जहां से बेहतर इलाज के लिए एमजीएम भेज दिया गया था।

सऊदी अरब से सत्येंद्र महतो का शव गांव पहुंचते ही मचा कोहराम, चीख-चीत्कार से गमगीन हुआ कतवारी

बोकारो (एजेंसी) : बोकारो जिले के चतरोचट्टी थाना क्षेत्र अंतर्गत कतवारी गांव के प्रवासी मजदूर सत्येंद्र महतो का शव एक महीने बाद बुधवार सुबह सऊदी अरब से गांव पहुंचा। शव आते ही पूरे गांव में कोहराम मच गया।शव के अंतिम दर्शन के लिए ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। शव को देखते ही परिजनों की चीख-चीत्कार से माहौल गमगीन हो गया। पत्नी और बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल था। जो भी यह दृश्य देख रहा था, उस-की आंखें नम हो गईं।जानकारी के अनुसार सत्येंद्र महतो 26 नवंबर 2024 को रोजगार के लिए सऊदी अरब गए थे। वहां वे हमद सालेह अल-काफ कॉन्ट्रैक्टिंग एस्टैब्लिशमेंट कंपनी में ट्रक ड्राइवर थे। 25 जून को सड़क दुर्घटना में उनकी मौत हो गई थी।सत्येंद्र अपने पीछे पत्नी, पुत्री प्रीति कुमारी (21), पुत्र अरविंद कुमार और मंगेश कुमार (13) को छोड़ गए हैं।मौके पर प्रवासी मजदूरों के हित में काम करने वाले सिकन्दर अली पहुंचे। उन्होंने कहा कि यह पहली घटना नहीं है, पहले भी विदेशों से महीनों बाद शव आने के मामले सामने आए हैं।

लोहरदगा जेल में बंद आरोपी की संदिग्धावस्था में मौत को लेकर ग्रामीणों मे उबाल, दो घंटे रहा हाईवे जाम

लोहरदगा (एजेंसी) : लोहरदगा जिले के कुडू प्रखंड के पंडरा गांव निवासी व प्रेम-प्रसंग के मामले में लोहरदगा जेल में न्यायिक हिरासत में भेजें गए आरोपी की जेल में संदिग्धावस्था में मौत के बाद पंडरा के ग्रामीण उबल पड़े। आक्रोशित ग्रामीणों ने नेशनल हाईवे 39 कुडू - रांची मुख्य पथ को थाना क्षेत्र के पंडरा चौक के समीप जाम कर दिया।दो घंटे के कड़ी मशक्कत के बाद न्यायिक जांच व दोषियों पर कड़ी कार्रवाई के आश्वासन पर सड़क जाम हटा लिया गया।सड़क जाम के दौरान दोनों तरफ वाहनों की कतारें लग गई।बताया जाता है कि कुडू थाना क्षेत्र के पंडरा गांव निवासी स्व० हजरत पवरियां के पुत्र जाहिद पवरियां उर्फ रिंकू पर गांव की एक लड़की ने प्रेम प्रसंग का झांसा देकर यौन शोषण का आरोप लगाते हुए कुडू थाना में मामला दर्ज कराया था।पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करते हुए डेढ़ माह पहले न्यायिक हिरासत में लोहरदगा जेल भेज दिया था। लोहरदगा जेल में बंद जाहिद पवरियां उर्फ रिंकू की मंगलवार देर रात संदिग्ध हालात में मौत हो गई। बुधवार सुबह कुडू पुलिस ने मृतक जाहिद पवरियां उर्फ रिंकू के परिजनों को सुचना दिया। रिंकू की मौत की सुचना मिलते ही ग्रामीण आक्रोशित हो गए तथा सुचना देने गए पुलिस अधिकारी के समक्ष ही नारेबाजी करने लगे। आक्रोशित ग्रामीणों ने सुबह 9 बजें नेशनल हाईवे 39 कुडू - रांची मुख्य पथ को पंडरा चौक के समीप जाम कर दिया।सड़क जाम होते ही एसडीपीओ श्रदा केरकेट्टा सीओ संतोष उरांव पुलिस इंस्पेक्टर चंद्रशेखर आजाद थाना प्रभारी अजीत कुमार सहित भारी संख्या में पुलिस जवान मौके पर पहुंचे।

आक्रोशित ग्रामीणों से वार्ता का दौर शुरू हुआ।ग्रामीणों ने पुलिस अधिकारियों को बताया कि जाहिद पवरियां उर्फ रिंकू से मंगलवार को मुलाकात करके उसके परिजन लौटे थे तब रिंकू बिलकुल स्वस्थ था।रात-भर में कैसे मौत हों गई।जेल में जाहिद की हत्या किया गया है।जाम स्थल पर उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक को बुलाने की मांग पर अड गए। बाद में नेताओं व पुलिस अधिकारियों व प्रशासन के बीच वार्ता किया गया कि मामले की न्यायिक जांच होगी, लोहरदगा जेल मे लगे सीसीटीवी को देखा जायेगा व मामले में जो भी दोषी होगा उसपर कड़ी कार्रवाई किया जायेगा, इसके बाद सुबह 11 बजे सड़क जाम हटा लिया गया।हालांकि सड़क जाम हटने के बाद भी दो बार आंशक रूप से सड़क जाम किया गया।

उपायुक्त ने बीज,यूरिया एवं डीएपी बिक्री केंद्रों का किया औचक निरीक्षण

हजारीबाग (एजेंसी) : हजारीबाग उपायुक्त हेमन्त सती ने बुधवार को कालीबाड़ी मार्ग स्थित विभिन्न बीज, यूरिया एवं डीएपी बिक्री केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। विभिन्न माध्यमों से प्राप्त शिकायतों के आलोक में यह कार्रवाई की गई, जिनमें यूरिया, डीएपी एवं पोटाश की कालाबाजारी तथा सरकार द्वारा निर्धारित मूल्य से अधिक दर पर बिक्री की सूचना मिली थी।खरीफ फसली मौसम को देखते हुए किसानों को उर्वरक एवं बीज की सुगम उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उपायुक्त ने कई प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित प्रतिष्ठानों के लाइसेंस, स्टॉक एवं बिक्री पंजी, यूरिया की ओपनिंग स्टॉक, उपलब्ध यूरिया बैगों की संख्या, बिक्री रजिस्टर तथा सरकार द्वारा निर्धारित दर पर उर्वरकों की बिक्री की विस्तार से जांच की। साथ ही उर्वरकों की गुणवत्ता का भी निरीक्षण किया गया.जांच में यह जानकारी सामने आई कि सरकार द्वारा निर्धारित 266 रुपये प्रति बोरा की दर वाला यूरिया 360 रुपये प्रति बोरा तक बेचा जा रहा है तथा डीएपी भी निर्धारित मूल्य से अधिक दर, लगभग 1,850 रुपये प्रति बोरा, पर बेचे जाने की शिकायत मिली।इस पर उपायुक्त ने जिला कृषि पदाधिकारी को जिले के सभी गोदामों एवं खुदरा उर्वरक विक्रेताओं की व्यापक जांच करने का निर्देश दिया।उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसानों के हितों से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा तथा निर्धारित मूल्य से अधिक दर पर उर्वरकों की बिक्री करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

बासुकिनाथ मेला ड्यूटी पर जा रहे पुलिसकर्मी की बाइक में लगी आग, जलकर खाक,बाइक छोड़कर बचाई जान

दुमका (एजेंसी) : श्रावणी मेले की ड्यूटी के लिए बासुकिनाथ जा रहे शिकारीपाड़ा थाना के एक पुलिसकर्मी की बाइक में बुधवार को अचानक आग लग गई।घटना दुमका-देवघर मुख्य मार्ग पर बाबूपुर के पास हुई।आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते पूरी बाइक धू-धूकर जलकर खाक हो गई। हालांकि समय रहते बाइक सवार दोनों पुलिसकर्मी उतर गए, जिससे उनकी जान बच गई।जानकारी के अनुसार शिकारीपाड़ा थाना में पदस्थापित पुलिसकर्मी सुनील सोरेन अपने एक साथी के साथ पल्सर बाइक से श्रावणी मेला ड्यूटी के लिए बासुकिनाथ जा रहे थे।बाबूपुर के समीप पहुंचते ही बाइक से अचानक धुआं और आग की लपटें निकलने लगीं। दोनों पुलिसकर्मियों ने तत्काल बाइक रोककर खुद को सुरक्षित किया। इससे पहले कि वे आग पर काबू पाने का प्रयास कर पाते, आग ने पूरी बाइक को अपनी चपेट में ले लिया।घटना की सूचना मिलने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक बाइक पूरी तरह जल चुकी थी।घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।प्रारंभिक तौर पर आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है, हालांकि वास्तविक कारण की जांच की जा रही है।

श्री गुरुपूर्णिमा महोत्सव श्रद्धा, भक्ति एवं सांस्कृतिक गरिमा के साथ संपन्न

पूर्वी सिंहभूम (एजेंसी) : साईं परिवार विश्व सेवा संस्थान, जमशेदपुर के तत्वावधान में श्री साईनाथ देवस्थानम, घोड़ाबांधा में श्री गुरु पूर्णिमा महोत्सव 2026 का भव्य एवं भक्तिमय आयोजन संपन्न हुआ। इस पावन अवसर पर आचार्य पंडित नन्द लाल मिश्र एवं पंडित सुजीत कुमार पाठक द्वारा यजमान सी. उदय भास्कर एवं उनकी धर्मपत्नी राजश्री की उपस्थिति में विधिवत श्री गुरु पूर्णिमा पूजन एवं हवन संपन्न कराया गया।महोत्सव में प्रातः 5:30 बजे से रात्रि 10 बजे तक बाबा की पूजा-अर्चना, काकड़ आरती, मध्याह्न आरती, धूप आरती एवं शेज आरती, दिव्य छप्पन भोग, महाप्रसाद, पालकी शोभायात्रा, भजन तथा शास्त्रीय नृत्य कार्यक्रम नृत्य नाद सहित विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक अनुष्ठानों का आयोजन किया जा रहा है।प्रातः 5:30 बजे काकड़ आरती से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इसके पश्चात सुबह 7 बजे फलों के रस से बाबा का मंगल स्नान कराया गया। सुबह 7:30 बजे से 11 बजे तक श्री गुरु पूर्णिमा पूजन एवं हवन का आयोजन हुआ, जिसके उपरांत भजन-कीर्तन से मंदिर परिसर साईं भक्ति में सराबोर हो गया।दोपहर 12:30 बजे मध्याह्न आरती अत्यंत श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ संपन्न हुई। मध्याह्न आरती के अवसर पर श्री साईं बाबा को पारंपरिक विधि-विधान से दिव्य छप्पन भोग (56 भोग) अर्पित किया गया। विभिन्न प्रकार के मिष्ठान्न, फल, पंच पकवान एवं अन्य व्यंजनों से सुसज्जित छप्पन भोग के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। मध्याह्न आरती के उपरांत अपराह्न 1 बजे महाप्रसाद का आयोजन किया गया, जिसमें मंदिर परिसर के आसपास के श्रद्धालुओं सहित शहर के विभिन्न क्षेत्रों से आए हजारों भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया।अपराह्न 3 बजे मंदिर परिसर से भव्य साईं पालकी शोभायात्रा निकाली गई। पालकी यात्रा पारंपरिक ढोल-नगाड़ों एवं साईं नाम के जयघोष के बीच आसपास के क्षेत्रों का भ्रमण करते हुए पुनः मंदिर परिसर पहुँची। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पीले ध्वज लेकर शामिल हुए तथा मार्ग में हलवा एवं चना प्रसाद का वितरण किया गया।

संक्षिप्त खबरें

रंगों में गूंजा जंगल का संदेश, पौधों से दिखा हरियाली का भविष्य

अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस पर टनकुप्पा के कस्तूरबा विद्यालय में छात्राओं ने पेंटिंग जगाई पर्यावरण चेतना

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस के अवसर पर बुधवार को टनकुप्पा प्रखंड स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय परिसर पर्यावरण संरक्षण के रंगों से सराबोर हो उठा। वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के जागरूकता अभियान के तहत छात्राओं ने पेंटिंग और पौधरोपण के माध्यम से जंगल, हरियाली और वन्यजीव संरक्षण का प्रभावशाली संदेश दिया। बीडीओ गौरी कुमारी की उपस्थिति और गुरपा वन क्षेत्र के आरओएफ रजनीश कुमार के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम ने विद्यालय परिसर को प्रकृति संरक्षण की जीवंत पाठशाला में बदल दिया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए और छात्राओं ने ह्यबाघ बचाओ, पर्यावरण बचाओह्न तथा ह्यसंरक्षित भविष्य, समृद्ध बिहारह्न जैसे विषयों पर आकर्षक चित्र बनाकर वन संरक्षण के महत्व को रेखांकित किया। जंगलों और वन्यजीवों पर आधारित उनकी रचनात्मक प्रस्तुतियों ने उपस्थित अधिकारियों, शिक्षकों और छात्राओं का ध्यान आकर्षित किया। उत्कृष्ट पेंटिंग बनाने वाली छात्राओं को शील्ड और पाठ्य सामग्री देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर बीडीओ गौरी कुमारी और आरओएफ रजनीश कुमार ने कहा कि बाघ केवल एक वन्यजीव नहीं, बल्कि पूरे वन पारिस्थितिकी तंत्र के संतुलन का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि जंगल सुरक्षित रहेंगे तभी बाघ और अन्य वन्यजीवों का अस्तित्व भी सुरक्षित रहेगा। बच्चों और युवाओं में पर्यावरण के प्रति जागरूकता विकसित करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने सभी छात्राओं से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में टनकुप्पा थानाध्यक्ष बसंत कुमार राय, विद्यालय की वार्डन मृदुला कुमारी, शिक्षक-शिक्षिकाएं, छात्राएं तथा वन विभाग के अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

अकुरहवा मोड़ में पिकअप की टक्कर से युवक की मौत, साले के लिए खाना लेकर निकला था

घायल अवस्था में मगध मेडिकल कॉलेज पहुंचाया गया, चिकित्सकों ने किया मृत घोषित

न्फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : परिवार की जिम्मेदारी निभाने निकला एक युवक सड़क हादसे का शिकार हो गया। मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती अपने साले के लिए खाना लेकर जा रहे युवक की बुधवार को टनकुप्पा थाना क्षेत्र के अकुरहवा मोड़ के समीप तेज रफ्तार पिकअप की टक्कर से मौत हो गई। हादसे के बाद चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। मृतक की पहचान बेलदारबीघा गांव निवासी शीतल मांझी के 20 वर्षीय पुत्र नाइट्रोजन मांझी के रूप में हुई है।मिली जानकारी के अनुसार नाइट्रोजन मांझी अपनी ससुराल लोहड़ी चपरी से बाइक पर गया स्थित मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल जा रहा था, जहां उसका साला भर्ती था। अकुरहवा मोड़ के पास गया की ओर से तेज गति से आ रही पिकअप ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया।घटना की सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और उसे इलाज के लिए मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद परिजन शव को गांव लेकर पहुंचे और पुलिस को घटना की जानकारी दी। इधर, सूचना मिलने पर टनकुप्पा थाना पुलिस गांव पहुंची और आवश्यक कागजी प्रक्रिया पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल गया जी भेज दिया। युवक की असमय मौत से परिवार में कोहराम मच गया है, जबकि पूरे बेलदारबीघा गांव में शोक की लहर है। टनकुप्पा थानाध्यक्ष बसंत कुमार राय ने बताया कि परिजनों के आवेदन के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। दुर्घटना में शामिल पिकअप वाहन और उसके चालक की पहचान के लिए पुलिस जांच में जुटी है।

रैयाम एवं सकरी की बंद पड़ी चीनी मिलों को पुनः शुरू करने का निर्णय मिथिलांचल के विकास में मील का पत्थर : संजय सरावगी

पटना, (एजेंसी) : भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने दरभंगा के रैयाम एवं मधुबनी के सकरी में बंद पड़ी चीनी मिल परिसरों में नई सहकारी चीनी मिलों तथा गन्ना उपोत्पाद आधारित उद्योगों के लिए स्वीकृत परियोजनाएं प्रदान करने के निर्णय के लिए बिहार के मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी के प्रति आभार व्यक्त किया है। श्री सरावगी ने कहा कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में लिया गया यह निर्णय गन्ना किसानों, स्थानीय युवाओं और मिथिलांचल के औद्योगिक विकास के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है। इससे किसानों को गन्ने की बेहतर बाजार व्यवस्था और नए अवसर मिलेंगे, वहीं स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए द्वार खुलेंगे। उन्होंने कहा कि रैयाम और सकरी में सहकारी चीनी मिलों की स्थापना से क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों को गति मिलेगी तथा गन्ना आधारित उद्योगों के साथ-साथ उसके उपोत्पादों पर आधारित नए उद्योगों के विकास की संभावनाएं भी बढ़ेंगी। इससे मिथिलांचल में औद्योगिक विकास और रोजगार सृजन को नई ऊर्जा मिलेगी। संजय सरावगी ने कहा कि बिहार सरकार का यह निर्णय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प और मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में विकसित एवं आत्मनिर्भर बिहार के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने इस जनहितकारी निर्णय के लिए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी का हृदय से आभार व्यक्त किया।

क्षेत्रीय रेल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 87वीं समीक्षा बैठक का आयोजन

हाजीपुर, (एजेंसी) : पूर्व मध्य रेल, मुख्यालय/हाजीपुर में क्षेत्रीय रेल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 87वीं बैठक अमरेन्द्र कुमार, अपर महाप्रबंधक की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए श्री कुमार ने कहा कि पूर्व मध्य रेल ह्यकह्न क्षेत्र में स्थित होने के कारण यहाँ अधिकांश कार्य हिंदी में ही होता है फिर भी राजभाषा से संबंधित अनुदेशों का अनुपालन दृढ़तापूर्वक किए जाने की आवश्यकता है। यदि अधिकारीगण छोटे-छोटे आदेश/टिप्पणी हिंदी में लिखें तो हिंदी के प्रयोग-प्रसार की दिशा में एक सकारात्मक माहौल बनेगा और इससे अधीनस्थ कर्मचारी भी हिंदी में कार्य करने के लिए प्रेरित होंगे। हिंदी की व्यापकता और सार्थकता सभी स्वीकारते हैं। अब समय आ गया है कि हम अपना दैनिक कामकाज हिंदी में करें. सरल और सहज शब्दों का प्रयोग करें, क्योंकि भाषा प्राथमिक रूप से अभिव्यक्ति और संवाद का माध्यम है. एक टीम के रूप में कार्य करते हुए हम यह सुनिश्चित करें कि धारा 3 (3) समेत राजभाषा के सभी महत्वपूर्ण निदेशों का अनुपालन कड़ाई से किया जाए तभी बैठक की सार्थकता सिद्ध होगी।

छात्रों पर दमन और पेपर लीक के खिलाफ 4 अगस्त को पटना में होगा एनएसयूआई का महाआंदोलन- विनोद जाखड़

छात्रों पर दमन मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन- राजेश राम

पटना, (ईएमएस)। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ ने कहा कि देशभर में पेपर लीक, भर्ती परीक्षाओं में अनियमितताओं और छात्रों पर बढ़ते दमन के खिलाफ विद्यार्थियों में भारी आक्रोश है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र की भाजपा सरकार और बिहार की एनडीए सरकार छात्रों की समस्याओं का समाधान करने के बजाय उनकी आवाज को दबाने का प्रयास कर रही है। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, सदाकत आश्रम पटना में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए श्री जाखड़ ने कहा कि छात्र शिक्षा व्यवस्था में सुधार, पेपर लीक पर रोक, समयबद्ध भर्तियां, समय पर परीक्षा परिणाम तथा भर्ती कैलेंडर लागू करने की मांग को लेकर शांतिपूर्ण आंदोलन कर रहे थे। लेकिन उन पर वाटर कैनन, आंसू गैस, लाठीचार्ज और गोलीबारी जैसी कार्रवाई लोकतांत्रिक व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करती है। उन्होंने बताया कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के निर्देश पर उन्होंने अस्पताल में भर्ती घायल छात्रों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। राहुल गांधी ने भी पीड़ित छात्रों से फोन पर बात कर हरसंभव सहयोग का भरोसा दिया। श्री जाखड़ ने कहा कि कई घायल छात्र आर्थिक रूप से बेहद कमजोर परिवारों से आते हैं और कुछ छात्रों का भविष्य गंभीर रूप से प्रभावित हुआ है। उन्होंने मांग की कि गोली से घायल सभी छात्रों को 50 लाख रुपए का मुआवजा दिया जाए तथा उनके इलाज, शिक्षा और भविष्य की जिम्मेदारी सरकार उठाए। एनएसयूआई राष्ट्रीय अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि आंदोलन समाप्त होने के बाद छात्रों पर कोई कार्रवाई नहीं करने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन इसके बावजूद बड़ी संख्या में छात्रों पर एफआईआर दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया गया और जेल भेजा गया। उन्होंने कहा कि पटना विश्वविद्यालय छात्रसंघ अध्यक्ष शांतनु शेखर सहित कई छात्रों के साथ पुलिस का व्यवहार लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत रहा है। उन्होंने मांग की कि छात्रों पर बल प्रयोग और गोली चलाने के आदेश देने वाले सभी जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए तथा पूरे मामले की जांच सर्वोच्च न्यायालय के किसी सेवानिवृत्त न्यायाधीश की निगरानी में कराई जाए। श्री जाखड़ ने कहा कि बिहार में शिक्षा व्यवस्था, रोजगार, कानून-व्यवस्था और लोकतांत्रिक अधिकारों की स्थिति चिंताजनक है। पेपर लीक, शिक्षा के निजीकरण, बेरोजगारी तथा छात्रों पर दर्ज मुकदमों के विरोध में 4 अगस्त को पटना में एनएसयूआई के नेतृत्व में विशाल छात्र आंदोलन आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि दिल्ली से लेकर बिहार तक छात्रों के शांतिपूर्ण आंदोलन पर जिस प्रकार दमन किया गया, वह लोकतांत्रिक मूल्यों और मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि छात्रों ने पूरी तरह शांतिपूर्ण और अहिंसक तरीके से अपनी मांगों को उठाया, लेकिन इसके बावजूद उन पर बल प्रयोग और गोलीबारी की घटनाएं अत्यंत निंदनीय हैं। राजेश राम ने कहा कि उन्होंने स्वयं अस्पताल के आईसीयू में भर्ती उस घायल छात्र से मुलाकात की, जिसे गोली लगी है। गोली उसके घुटने को पार करते हुए हड्डी को गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त कर चुकी है। राजेश राम ने आरोप लगाया कि छात्रों की आवाज उठाने पर सदाकत आश्रम स्थित बिहार प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर भी हमला किया गया। इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए आवेदन दिए जाने के बावजूद आज तक एफआईआर दर्ज नहीं की गई, जो कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है। उन्होंने बताया कि घायल छात्र अनुसूचित जनजाति परिवार से है और अग्निवीर भर्ती प्रक्रिया में शामिल होकर देश की सेवा करने का सपना देख रहा था। छात्र ने बताया कि आवश्यक प्रमाण-पत्र बनवाने की प्रक्रिया के दौरान वह गोलीबारी का शिकार हो गया। घायल अवस्था में उसने पानी और अस्पताल पहुंचाने की गुहार लगाई, लेकिन उसे तत्काल सहायता नहीं मिली और मजबूर होकर उसे स्वयं किसी तरह अस्पताल पहुंचना पड़ा। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि बिहार के मुख्यमंत्री ने अब तक घायल छात्रों से मिलने की आवश्यकता भी नहीं समझी। वहीं, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने विशेष रूप से भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ को बिहार भेजकर घायल छात्रों का हालचाल जानने और उनका मनोबल बढ़ाने का निर्देश दिया। राजेश राम ने कहा कि कांग्रेस पार्टी छात्रों के अधिकारों और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए उनके साथ मजबूती से खड़ी है। उन्होंने दोषियों के विरुद्ध निष्पक्ष जांच और कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि छात्रों की आवाज को दमन के बल पर दबाया नहीं जा सकता। संवाददाता सम्मेलन में बिहार एनएसयूआई के अध्यक्ष सूरज यादव, चुन्नू सिंह, भाग्य भारती, चंद्रभूषण राजपूत मौजूद थे।

18वां रणधीर वर्मा इंटर स्कूल अंडर-13 क्रिकेट टूर्नामेंट 1 अगस्त से, आयोजन समिति गठित

पटना, (एजेंसी) : 18वें रणधीर वर्मा इंटर स्कूल अंडर-13 क्रिकेट टूर्नामेंट के सफल संचालन के लिए सात सदस्यीय आयोजन समिति का गठन किया गया है। पूर्व आईपीएस रणधीर वर्मा फाउंडेशन के संस्थापक-सह-सचिव एवं भाजपा क्रीड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक सतीश राजू ने बुधवार को समिति के गठन और तैयारियों की आधिकारिक जानकारी साझा की।

उन्होंने बताया कि यह निर्णय आज आयोजन समिति की बैठक में लिया गया। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता की जिम्मेदारी सरदार पटेल स्पोर्ट्स फाउंडेशन को सौंपी गई है।

मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों को देखते हुए प्रतियोगिता की तिथि में बदलाव किया गया है। अब यह टूर्नामेंट 25 जुलाई के स्थान पर 1 अगस्त से श्रीकृष्णा क्रिकेट मैदान, खेमनीचक में खेला जाएगा।

ये बनाये गये है आयोजन समिति के सदस्य

राजेश यादव, विकास कुमार गोल्डी, कंचन कुमारी, विकास सिंह, मोहित श्रीवास्तव, सचिन राणावत, अभिराम शर्मा आयोजन समिति की सदस्य होंगे।वहीं भौतिक चिकित्सा टीम में डॉ यश्मित कुशान एवं डॉक्टर पूरब सिन्हा को शामिल किया गया है।

मैच का प्रारूप

सभी मुकाबले 21-21 ओवर के नॉकआउट फॉर्मेट में होंगे, जिससे हर मैच निर्णायक और रोमांचक होगा। पुरस्कार के तौर पर विजय टीम और खिलाड़ी को प्रत्येक मैच के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' के साथ-साथ पूरे टूर्नामेंट के लिए 'बेस्ट बैट्समैन, 'बेस्ट बॉलर' और 'मैन ऑफ द सीरीज' के पुरस्कार दिए जाएंगे।

आईबीएस तोड़ रेल उपकरण चोरी करने वाले गिरोह के सरगना समेत चार गिरफ्तार

गया, कोडरमा, हजारीबाग और धनबाद आरपीएफ की संयुक्त कार्रवाई, दो कबाड़ी रिसीवर भी दबोचे गए

सात महीने में सात वारदातों का खुलासा, कॉपर केबल चोरी से रेल परिचालन पर पड़ रहा था असर

गया जी(एजेंसी) : रेलवे के इंटरमीडिएट ब्लॉक सिग्नल (आईबीएस) को निशाना बनाकर रेल उपकरण चोरी करने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह का पदार्फाश करते हुए आरपीएफ ने गिरोह के सरगना समेत चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। मामले में चोरी का सामान खरीदने वाले दो कबाड़ी रिसीवरों को भी गिरफ्तार किया गया है। गया सीआईबी, कोडरमा आरपीएफ पोस्ट, हजारीबाग टाउन आरपीएफ पोस्ट और धनबाद सीआईबी की संयुक्त टीम पूर्व मध्य रेलवे के आरपीएफ आईजी अमरेश कुमार के नेतृत्व में गुरपा, केनारचट्टी, पटना समेत कई स्थानों पर छापेमारी की कार्रवाई की गई।

आरपीएफ आईजी अमरेश कुमार ने बताया कि 27 जुलाई की रात 9:41 बजे हजारीबाग टाउन-बेस के बीच स्थित आईबीएस में संदिग्ध गतिविधि की सूचना नियंत्रण कक्ष और सिग्नल विभाग से मिली। सूचना पर निरीक्षक बाल गंगाधर, अपराध आसूचना शाखा के निरीक्षक अरविंद कुमार राम तथा आरपीएफ की टीम मौके पर पहुंची। वहां चार लोग आईबीएस के भीतर घुसकर रेलवे के कॉपर केबल काटते मिले। घेराबंदी कर दो आरोपितों को मौके से दबोच लिया गया, जबकि दो अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। बाद में टीम में कोडरमा आफ पोस्ट इंस्पेक्टर दीपक कुमार गया सीआईबी इंस्पेक्टर चंदन कुमार और टीम को शामिल कर तकनीकी सहायता तथा लगातार छापेमारी के बाद दोनों फरार आरोपितों को भी गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपितों में गया जिले के गुरपा निवासी बजरंगी तुरिया, शेखपुरा निवासी रोहित कुमार, गिरिडीह निवासी विकास कुमार राम तथा नवादा निवासी वीरेंद्र कुमार तुरी शामिल हैं। पूछताछ में सभी ने स्वीकार किया कि वे पहले भी रेलवे के विभिन्न आईबीएस स्थलों से कॉपर केबल चोरी कर चुके हैं। उनकी निशानदेही पर केनारचट्टी के कबाड़ी अजय कुमार कसेरा और राजू कुमार को भी गिरफ्तार किया गया जो चोरी का कॉपर खरीदते थे। कार्रवाई के दौरान इंटरलॉकिंग चाभी, गैती, कुल्हाड़ी, हेक्सा ब्लेड, पेचकस, वायर कटर सहित अन्य उपकरण जब्त किए गए। साथ ही करीब 35 किलोग्राम कॉपर स्ट्रिप एवं वायर बरामद किया गया, जिसकी अनुमानित कीमत 55 हजार 500 रुपये बताई गई है।आरपीएफ अधिकारियों ने बताया कि गिरोह पिछले सात महीनों में आईबीएस को निशाना बनाकर सात घटनाओं को अंजाम दे चुका था। इन घटनाओं के खुलासे के साथ सभी मामलों का सफल उद्भेदन कर लिया गया है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार आईबीएस और सिग्नल उपकरणों से छेड़छाड़ रेल परिचालन और यात्री सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा करती है। आरोपितों के खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

सावन माह पर संडेश्वर नाथ धाम व गुरुपदगिरि किलेबंद, सुरक्षा व्यवस्था होगी अभेद्य

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : सावन माह के आगमन से पहले फतेहपुर प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। श्रावणी मेले के दौरान लाखों श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को देखते हुए अति प्राचीन संडेश्वरनाथ धाम और धार्मिक-ऐतिहासिक महत्व वाले गुरुपदगिरि पर्वत क्षेत्र को सुरक्षा के दृष्टिकोण से किलेबंद करने की तैयारी शुरू कर दी गई है। बुधवार को सदर एसडीएम अनिल कुमार रमन, वजीरगंज एसडीपीओ सुनील कुमार पांडेय, बीडीओ शशि भूषण साहू और सीओ अमिता सिन्हा ने दोनों प्रमुख तीर्थस्थलों का संयुक्त निरीक्षण कर सुरक्षा, भीड़ प्रबंधन और श्रद्धालुओं की सुविधाओं का गहन जायजा लिया। इस दौरान अधिकारियों ने सुरक्षा व्यवस्था, भीड़ प्रबंधन और श्रद्धालुओं की सुविधाओं का बारीकी से जायजा लिया। साथ ही श्रद्धालुओं के सुरक्षित जलाभिषेक, पूजन-दर्शन और निर्बाध आवागमन को लेकर सख्त निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मंदिर परिसर, जलाभिषेक मार्ग, प्रवेश और निकास द्वार, पर्वत मार्ग, बैरिकेडिंग, पार्किंग व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल, शौचालय, चिकित्सा सहायता केंद्र, यातायात प्रबंधन तथा आपातकालीन सेवाओं की तैयारियों की गहन समीक्षा की। प्रशासन का विशेष फोकस श्रद्धालुओं के सुरक्षित जलाभिषेक, सुगम पूजन-दर्शन और निर्बाध आवागमन पर है। इसके लिए अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती, संवेदनशील स्थलों पर विशेष निगरानी, भीड़ नियंत्रण के लिए प्रभावी बैरिकेडिंग तथा यातायात संचालन की विस्तृत योजना तैयार की गई है।गुरुपदगिरि पर्वत की धार्मिक और ऐतिहासिक महत्ता को देखते हुए वहां विशेष सतर्कता बरतने, पर्वतीय मार्गों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और स्थानीय प्रबंधन समितियों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने पर भी जोर दिया गया।

एक माह के श्रावणी मेले के लिए प्रशासन की व्यापक तैयारी, हर मोर्चे पर तैनात रहेगा अमला

एसडीओ, एसडीपीओ, बीडीओ और सीओ ने संयुक्त निरीक्षण कर अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

गुरुपदगिरि पहाड़ के नीचे मजिस्ट्रेट की प्रतिनियुक्ति, स्वास्थ्य शिविर, सेवादल की व्यवस्था, सुरक्षा बल, पेयजल, शौचालय, विश्राम शिविर और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने का निर्देश स्थानीय अधिकारियों दिया गया। पहाड़ के संकीर्ण मार्ग पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की जाएगी, ताकि श्रद्धालुओं का आवागमन सुरक्षित और सुगम बना रहे संडेश्वरनाथ शिव मंदिर में अधिकारियों ने मंदिर प्रबंधन समिति के साथ बैठक कर भीड़ प्रबंधन और विधि-व्यवस्था की समीक्षा की। एसडीओ ने विशेषकर सोमवार के दिन महिला एवं पुरुष श्रद्धालुओं के लिए अलग-अलग कतार व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती करने का निर्देश फतेहपुर पुलिस अधिकारी को दिया है। अधिकारियों ने यहां पेयजल, बिजली, चेंजिंग रूम और अन्य मूलभूत सुविधाओं का भी जायजा लिया। इस दौरान मुखिया राजेंद्र सिंह राजू ने मंदिर परिसर में स्थायी शौचालय और स्नानघर निर्माण की मांग रखी, जिस पर अधिकारियों ने आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया।

अधिकारियों ने कहा कि पूरे सावन माह संडेश्वरनाथ धाम और गुरुपदगिरि में श्रद्धालुओं की अपार भीड़ उमड़ती है, इसलिए सुरक्षा, स्वच्छता, स्वास्थ्य और आपदा प्रबंधन से जुड़ी सभी व्यवस्थाओं को और अधिक मजबूत किया जा रहा है। अधिकारियों ने संबंधित विभागों को निर्देश दिया कि श्रावणी मेले के आरंभ से पहले सभी तैयारियां हर हाल में पूर्ण कर ली जाएं, ताकि श्रद्धालुओं को सुरक्षित, व्यवस्थित और सुगम धार्मिक अनुभव उपलब्ध कराया जा सके। साथ ही संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया गया कि पूरे सावन माह किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और प्रत्येक व्यवस्था समय रहते दुरुस्त कर ली जाए।

संपादकीय

शिक्षा, पढ़ाई और अनुभव से आती है, कोचिंग या ट्यूशन से नहीं?

पिछले तीन दशक से भारत की शिक्षा पद्धति में बड़ी तेजी के साथ बदलाव आया है। प्राइमरी स्कूल से लेकर उच्च शिक्षा तक सभी जगह ट्यूशन और कोचिंग का एक नया जाल बुना गया है। इस जाल में फंसने के बाद बच्चों को रटन्तु विद्या तो हासिल हो जाती है, परीक्षा में उनके नंबर भी अच्छे आ जाते हैं, लेकिन जो ज्ञान उन्होंने पढ़कर हासिल किया है, उसका अनुभव नहीं आने पर ऐसा ज्ञान उनके कोई काम नहीं आता है। गुरु पूर्णिमा का अवसर है, गुरु राह दिखाता है। उसमें चलना शिष्य को पड़ता है। जब तक शिक्षा का ज्ञान अनुभव में ना आए, तब तक शिक्षा का कोई महत्व नहीं होता है। भारत में 1990 के बाद से एक ऐसा नया दौर शुरू हुआ है, जहां माता-पिता बच्चों को परीक्षा में मिले नंबरों से उनका आकलन करते हैं, यह ठीक नहीं है। हर बच्चे की बुद्धि अलग-अलग होती है। उसके सोचने का तरीका अलग होता है। उसका काम करने का तरीका अलग होता है। माना जाता है, ईश्वर ने हर जीव में अलग बुद्धि और अलग कौशल प्रदान किया है, जो समय और अनुभव के साथ आगे बढ़ता है। उच्च शिक्षा की पढ़ाई में पहले थ्योरी के साथ-साथ प्रेक्टिकल पर भी ध्यान दिया जाता था। मिडिल और हाई स्कूल के बच्चों को विविधता के साथ ज्ञान उपलब्ध हो, इसके लिए स्कूलों में तरह-तरह की पढ़ाई और अनुभव से बच्चों को जोड़कर रखा जाता था। पिछले 30 वर्षों में जिस तरीके से शिक्षा के क्षेत्र में बदलाव आया है, उसमें हम रटंतू तोता तैयार कर रहे हैं। कोचिंग से शिक्षा लेने वाले छात्र उच्च शिक्षा प्राप्त कर परीक्षा के बाद बहुत ज्यादा नंबर लेने, मेरिट में आने के बाद भी, जब उन्हें अनुभव नहीं मिलता है। परीक्षा के प्रवेश नहीं मिलता है, तो उनके ज्ञान का कोई महत्व नहीं रह जाता है। यह बात परीक्षार्थियों, उनके माता-पिता और अभिभावकों को समझनी होगी। हर बच्चे का पारिवारिक स्तर अलग होता है। उसके घर और परिवार में अलग-अलग तरीके का माहौल होता है। हर परिवार की जीवन शैली अलग होती है। सामाजिक जीवन में विकास के लिये भाषा और गणित का ज्ञान बहुत आवश्यक होता है। वर्तमान समय में तकनीकी ज्ञान भी बड़ा आवश्यक है। सूचना प्रौद्योगिकी, डिजिटल तकनीकी और कंप्यूटर आदि की जानकारी वर्तमान समय में जरूरी हो गई है। इसके लिए प्राथमिक जानकारी एवं उसका उपयोग बहुत आवश्यक है। हर व्यक्ति का भाषा ज्ञान और विज्ञान उसके काम आता है,

स्वतंत्र वही हो सकता है जो अपना काम अपने आप कर लेता है।

: विनोबा भावे

समय और बुद्धि बड़े से बड़े शोक को भी कम कर देते हैं।

: कहावत

अंतर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस और भारतीय वांग्मय का शाश्वत सख्य दर्शन

आधुनिक वैश्विक परिदृश्य में प्रतिवर्ष अंतर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस के आयोजन की परंपरा बीसवीं शताब्दी के उत्तरार्ध की व्यावसायिक संस्कृतियों और तत्पश्चात संयुक्त राष्ट्र संघ की औपचारिक उद्घोषणाओं से अनुप्राणित रही है। वस्तुतः वैश्विक मंचों पर मैत्री को एक दिवस विशेष के संकुचित कोष्ठक में आबद्ध करने का प्रयास किया जाता है, जो केवल तात्कालिक सौहार्द और औपचारिक उपहार-विनिमय तक सीमित रह जाता है। इसके विपरीत, भारत का सनातन वांग्मय मैत्री को किसी लौकिक संविदा अथवा सामयिक विधा के रूप में नहीं, अपितु एक आध्यात्मिक वितान, आत्मिक तादात्म्य और ब्रह्मांडीय संतुलन के अनिवार्य अंग के रूप में स्वीकार करता है। भारतीय मनीषा की यह विशेषता रही है कि वह बाह्य संबंधों को अंतःकरण की शुचिता से संपृक्त करती है। भारतीय प्राचीन ग्रंथों के अध्ययन से यह स्पष्ट होता है कि प्राचीन भारतीय ग्रंथों में वर्णित सख्य या मैत्री का आदर्श, आधुनिक 'फ्रेंडशिप' की पाश्चात्य अवधारणा से कहीं अधिक उदात्त, गंभीर और अपरिवर्तनीय है। पाश्चात्य दृष्टि जहां उपयोगितावाद और पारस्परिक लाभ पर टिकी है, वहीं भारतीय दृष्टि आत्मवत सर्वभूतेषु के वेदांतिक सूत्र पर आधारित है। ऋग्वेद से लेकर अथर्ववेद तक की ऋचाओं का यदि सूक्ष्म अनुशीलन किया जाए, तो यह तथ्य उद्घाटित होता है कि वैदिक ऋषियों ने मित्र शब्द को केवल एक मानवीय संबंध तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे एक दैवीय शक्ति और समूचे ब्रह्मांड को सूत्रबद्ध करने वाले तत्व के रूप में प्रतिस्थापित किया। यजुर्वेद का सुप्रसिद्ध मंत्र संपूर्ण चराचर जगत को मित्र की दृष्टि से देखने का उद्घोष करता है-

मित्रस्याहं चक्षुषा सर्वाणि भूतानि समीक्षे।
मित्रस्य चक्षुषा समीक्षामहे।।
-यजुर्वेद 36/18

इस मंत्र का विश्लेषणात्मक निहितार्थ यह है कि जब व्यक्ति संपूर्ण भूत-प्राणियों को मित्र की आंख से देखता है, तब द्वैत का विलोपन हो जाता है। यहां समीक्षा शब्द तात्कालिक दर्शन का वाचक नहीं है, बल्कि यह उस अंतर्दृष्टि का परिचायक है जहां परायेपन की भावना समूल नष्ट हो जाती है। यह एकात्मता ही वास्तविक मैत्री की आधारशिला है।

वैदिक देवमंडल में मित्र और वरुण का युगल (मित्र-वरुणौ) प्रकृति के संतुलन का नियामक है। ऋग्वेद में मित्र को सत्य का धारक और मानव चेतना को सन्मार्ग पर प्रेरित करने वाला अधिष्ठाता देव माना गया है-

मित्रो जनान्यातयति ब्रुवाणो मित्रो दाधार पृथिवीमुत द्याम्।
-ऋग्वेद 3/59/1

वैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य में, यह मंत्र सिद्ध करता है कि जो तत्व पृथ्वी और द्युलोक को परस्पर आबद्ध किए हुए है, जिसे आधुनिक विज्ञान गुरुत्वाकर्षण या कॉस्मिक बॉन्डिंग कहता है), वैदिक वाङ्मय में उसी सार्वभौमिक आकर्षण और सामंजस्य का नाम मित्र है। अतः प्राचीन भारतीय चिंतन में अंतर्राष्ट्रीयता अथवा भूमंडलीय मैत्री की परिधि केवल मानव-मात्र तक नहीं, अपितु वनस्पति, अंतरिक्ष और जलीय पारिस्थितिकी तक विस्तृत थी।

उपनिषदों के ऋषियों ने मैत्री को मन की एक ऐसी अवस्था के रूप में व्याख्यायित किया है जहां अहम् का पूर्ण विसर्जन हो जाता है। जब तक मनुष्य के भीतर स्व और पर का भेद विद्यमान है, तब तक स्वार्थरहित मैत्री असंभव है। ईशावास्योपनिषद का यह श्लोक सख्य भाव की पराकाष्ठा को दार्शनिक धरातल प्रदान करता है-

यस्तु सर्वाणि भूतान्यात्मन्येवानुपश्यति।
सर्वभूतेषु चात्मानं ततो न विजुगुप्सते।।
-ईशोपनिषद 6

जो साधक समस्त प्राणियों को अपनी ही आत्मा में देखता है और अपनी आत्मा को सबमें व्याप्त पाता है, वह किसी से घृणा (विजुगुप्सा) नहीं कर सकता। घृणा का अभाव ही मैत्री का सकारात्मक प्राकट्य है। पाश्चात्य समाजशास्त्रियों के अनुसार, मित्रता दो भिन्न व्यक्तियों के मध्य का समझौता है, किंतु उपनिषद कहते हैं कि मित्रता दो शरीरों के भीतर एक ही आत्म-तत्व की अनुभूति का नाम है।

रामायण और महाभारत आदि भारतीय महाकाव्यों में मैत्री के व्यावहारिक, राजनैतिक और आध्यात्मिक पक्षों का अत्यंत सघन चित्रण प्राप्त होता है। इन ग्रंथों में सख्य को एक व्रत की भांति पूजनीय माना गया है। रामायण में श्रीराम और सुग्रीव की मित्रता मात्र दो आपदा ग्रस्त व्यक्तियों का गठबंधन नहीं थी, बल्कि वह धर्म की पुनर्स्थापना का प्रस्थान बिंदु थी। किष्किंधाकांड में लक्ष्मण सुग्रीव से कहते हैं कि राघव शरण आए हुए मित्रों के रक्षक हैं। तत्पश्चात, दोनों के मध्य जो संधि होती है, वह अग्नि को साक्षी मानकर होती है-

ततो अग्निं दीप्यमानं तौ चक्रतुश्च प्रदक्षिणम्।
सुग्रीवो राघवश्चैव वयस्यत्वमुपागतौ।।
-वाल्मीकि रामायण 4/5/16

यहां वयस्यत्वम् शब्द का प्रयोग विचारणीय है। समान वय या समान चेतना वाले ही वयस्य कहलाते हैं। राम और सुग्रीव के संदर्भ में अग्नि साक्षित्व यह दशार्ता है कि प्राचीन काल में मित्रता एक पवित्र, अपरिवर्तनीय और धार्मिक दायित्व थी, जिसे किसी भी सांसारिक परिस्थिति में भंग नहीं किया जा सकता था। इसी प्रकार श्रीराम और निषादराज गुह की मित्रता सामाजिक समरसता और वर्ग-विहीन सख्य का प्राचीनतम ऐतिहासिक साक्ष्य है, जहाँ मयार्दा पुरुषोत्तम जाति और कुल के संकीर्ण बंधनों को छिन्न-भिन्न कर एक वनवासी को अपने भ्राता के समकक्ष स्थान देते हैं।

महाभारत के उद्योग पर्व और शांति पर्व में सख्य के अनेक आयाम वर्णित हैं। किंतु दो प्रसंग कालजयी हैं- आर्थिक विषमता से परे आत्मिक सेतु हेतु श्रीकृष्ण और सुदामा तथा नारायण और नर का तादात्म्य हेतु श्रीकृष्ण और अर्जुन। श्रीमद्भागवत पुराण 10/80 में वर्णित यह आख्यान सिद्ध करता है कि सख्य में सामाजिक और आर्थिक सोपान का कोई मूल्य नहीं होता। द्वारकाधीश श्रीकृष्ण का दरिद्र ब्राह्मण सुदामा के चरणों को अश्रुजल से प्रक्षालित करना इस बात का अकाट्य प्रमाण है कि भारतीय संस्कृति में सख्य अहैतुकी (निःस्वार्थ) होता है। महाभारत में कृष्ण और अर्जुन की मित्रता गुरु-शिष्य, सखा और मार्गदर्शक के त्रिकोणीय वितान पर टिकी है। गीता के ग्यारहवें अध्याय में अर्जुन अपनी धृष्टता के लिए क्षमा मांगते हुए कहते हैं-

सखेति मत्वा प्रसभं यदुक्तं हे कृष्ण हे यादव हे सखेति।
अजानता महिमानं तवेदं मया प्रमादात्प्रणयेन वापि।।
- श्रीमद्भगवद्गीता 11/41

यहां प्रणयेन शब्द प्रेम और अगाध विश्वास की उस पराकाष्ठा को सूचित करता है जहां ईश्वर और जीव के बीच की दूरी समाप्त हो जाती है और भगवान् अर्जुन के रथ के सारथि बनना सहर्ष स्वीकार करते हैं। यह समर्पण पाश्चात्य इतिहास के किसी भी सख्य वृत्तांत में दुर्लभ है।

आचार्य चाणक्य के नीतिशास्त्र, विदुरनीति और भर्तृहरि के नीतिशतकम् में सच्चे मित्र के जो लक्षण बताए गए हैं, वे मानव व्यवहार विज्ञान के उत्कृष्ट सूत्र हैं। भर्तृहरि ने सन्मित्र (सच्चे मित्र) के लक्षणों को एक ही श्लोक में अत्यंत वैज्ञानिक ढंग से निबद्ध किया है-

पापान्निवारयति योजयते हिताय, गुह्यं च गूहति गुणान्प्रकटीकरोति।
आपद्गतं च न जहाति ददाति काले, सन्मित्रलक्षणमिदं प्रवदन्ति सन्तः।।
-नीतिशतकम् 73

इस शास्त्रीय विवेचन के अनुसार सच्चे मित्र के छह अनिवार्य व्यावहारिक लक्षण हैं-

पापान्निवारयति- मित्र को कुमार्ग और अनैतिक कृत्यों से बलपूर्वक रोकना।

योजयते हिताय- उसे सदैव कल्याणकारी और रचनात्मक कार्यों में प्रवृत्त करना।

गुह्यं च गूहति- उसकी व्यक्तिगत कमजोरियों और रहस्यों को गोपित रखना।

गुणान्प्रकटीकरोति- उसके सूक्ष्म गुणों को भी समाज के समक्ष रेखांकित करना।

आपद्गतं च न जहाति- विपत्ति के समय उसका साथ कभी न छोड़ना।

ददाति काले- आवश्यकता पड़ने पर बिना संकोच सर्वस्व अर्पण करना।

आधुनिक मनोवैज्ञानिकों के अनुसार, मानसिक अवसाद का मुख्य कारण एक ऐसे विश्वासपात्र का अभाव है, जो बिना किसी पूर्वाग्रह के व्यक्ति की बात सुन सके। भर्तृहरि का उपर्युक्त सूत्र इसी मानसिक और सामाजिक सुरक्षा चक्र का निर्माण करता है। इसके अतिरिक्त पंचतंत्र और हितोपदेश जैसे कथा साहित्य में मित्रभेद और मित्रलाभ नामक तंत्रों के माध्यम से यह सिखाया गया है कि पशु-पक्षी भी पारस्परिक सहयोग से बड़े से बड़े संकट को टाल सकते हैं। कपोत-राज (कबूतरों के राजा) और मूषक (चूहे) की कथा यह दशार्ती है कि संगठन और मैत्री में ही शक्ति निहित है।

संयुक्त राष्ट्र संघ ने 2011 में 65वें सत्र में आधिकारिक तौर पर 30 जुलाई को अंतर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस घोषित किया, जिसका मुख्य उद्देश्य विभिन्न देशों, संस्कृतियों और समुदायों के बीच शांति और अहिंसा की संस्कृति को बढ़ावा देना था। किंतु, यदि हम वर्तमान वैश्विक कूटनीति का विश्लेषण करें, तो स्पष्ट होता है कि राष्ट्रों के मध्य की मित्रता अधिकांशतः सामरिक हितों, व्यापारिक संधियों और आर्थिक लाभ-हानि के समीकरणों पर टिकी है।

इसके विपरीत, भारत का वसुधैव कुटुम्बकम् (महाउपनिषद 6/71) का सिद्धांत किसी आर्थिक लाभ की संविदा नहीं है। जब भारत संपूर्ण विश्व को अपना परिवार मानता है, तो वह स्वतः ही अंतर्राष्ट्रीय मैत्री के इस विचार को एक नया क्षितिज प्रदान करता है। भारत द्वारा वैश्विक आपदाओं के समय, जैसे महामारी के काल में वैक्सीन मैत्री या प्राकृतिक आपदाओं में सहायता की गई पहल इसी सनातन सख्य दर्शन का आधुनिक अनुपालन है।दरअसल, अंतर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस की सार्थकता केवल उत्सवधर्मिता या कार्ड और संदेशों के आदान-प्रदान में नहीं है, वरन उस चेतना को जाग्रत करने में है जिसका प्रतिपादन हमारे प्राचीन ग्रंथों ने किया है। पाश्चात्य दृष्टि जहां व्यक्ति केंद्रित और क्षणभंगुर मैत्री की वकालत करती है, वहीं भारतीय वाङ्मय कालजयी, निस्पृह और सार्वभौमिक सख्य का पाठ पढ़ाता है। यह शाश्वत सत्य है कि जब तक वैश्विक समाज वेदों के मित्रस्य चक्षुषा और उपनिषदों के आत्मवत् भाव को अंगीकार नहीं करेगा, तब तक अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर शांति और सुदृढ़ मैत्री की स्थापना एक मृगमरीचिका ही बनी रहेगी। आज की महती आवश्यकता यह है कि हम इस आधुनिक विधा को सनातन मूल्यों के रस से सींचकर इसे अधिक अर्थपूर्ण और प्राणवान बनाएं, ताकि संपूर्ण वसुधा वास्तव में एक सौहार्दपूर्ण सख्य सूत्र में बंध सके।

अशोक प्रवृद्ध

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

जिस कलम की उम्र लेखक से बड़ी हो गई — वही प्रेमचंद है

शब्दों से समाज की आत्मा लिखने वाले साहित्यकार विरले होते हैं। 31 जुलाई केवल जन्मतिथि नहीं, उस युगद्रष्टा का स्मरण है जिसकी लेखनी आज भी अन्याय और विषमता से प्रश्न करती है। लमही में जन्मे धनपत राय, जिन्हें साहित्य ने प्रेमचंद के रूप में अमर किया, उन्होंने साहित्य को अभिजात्य सीमाओं से निकालकर खेत-खलिहानों, चौपालों और झोपड़ियों की आवाज बनाया। उनकी रचनाएँ उस भारत का सजीव दस्तावेज हैं जिसे व्यवस्था अक्सर अनदेखा करती रही। किसान की विवशता, जातिगत पीड़ा, नारी संघर्ष और अभावों से जूझते परिवार उनके पात्र नहीं, समाज का यथार्थ थे। आज भी असमानता के बीच प्रेमचंद की लेखनी सामाजिक आत्ममंथन का विश्वसनीय दर्पण बनी हुई है।संघर्षों से हार न मानने वाले ही इतिहास में अमिट पहचान बनाते हैं। प्रेमचंद का जीवन इसका प्रमाण था। आठ वर्ष की आयु में माँ और सोलह वर्ष की आयु में पिता का साथ छूट गया, निर्धनता ने राह कठिन की, लेकिन अभावों ने उन्हें समाज के दर्द को समझने वाली संवेदना दी। फारसी-उर्दू अध्ययन से शुरू हुई उनकी लेखनी ह्यनवाब रायह्ल नाम से आगे बढ़ी। 1907 में प्रकाशित सोज-ए-वतन अंग्रेजी शासन को असहज कर गई और प्रतिबंधित हुई, लेकिन उसी दमन से ह्यप्रेमचंदह्ल नाम का साहित्यिक स्वर उभरा, जिसने भारतीय साहित्य को नई दिशा दी। उनकी कलम ने सामंती अहंकार, जातिगत अन्याय, शोषण और विषमता के विरुद्ध आवाज उठाई तथा उपेक्षितों को शब्द दिए।

महान साहित्यकारों की अमरता उनके पात्रों में होती है, जो समय बीतने के बाद भी समाज में जीवित दिखाई देते हैं। प्रेमचंद के पात्र इसी जीवन-सत्य के प्रतीक हैं। गोदान का होरी केवल किसान नहीं, बल्कि मेहनतकश भारत का चेहरा है, जो कर्तव्य निभाते हुए भी सम्मान के लिए संघर्ष करता है। रंगभूमि का सूरदास अन्याय के विरुद्ध साहस का प्रतीक है, जबकि निर्मला और सेवासदन सामाजिक कुरीतियों व दोहरे मापदंडों पर प्रहार करते हैं। प्रेमचंद ने पात्रों को आदर्श नहीं, बल्कि संघर्ष, पीड़ा और आशाओं से भरे सामान्य मनुष्यों के रूप में प्रस्तुत किया। यही कारण है कि उनकी रचनाओं में आज भी किसान की पीड़ा, स्त्री की चुनौतियाँ, सामाजिक विषमता और व्यवस्था की विडंबनाएँ जीवंत दिखाई देती हैं।जब साहित्य केवल कथा नहीं, समाज की सच्चाइयों का दर्पण बन जाता है, तभी उसकी सार्थकता सिद्ध होती है। प्रेमचंद की दो सौ पचास से तीन सौ कहानियों का संग्रह मानसरोवर (आठ खंडों में) इसी दृष्टि का प्रमाण है। ईदगाह का हामिद त्याग और प्रेम की गहराई समझाता है, कफन मानवीय विवशता और सामाजिक विडंबना का यथार्थ दिखाता है, ठाकुर का कुआँ जातिगत अन्याय पर प्रहार करता है और पंच परमेश्वर न्याय की नैतिक शक्ति स्थापित करता है। प्रेमचंद ने कृत्रिम भावुकता नहीं, बल्कि जीवन के सत्य को ईमानदारी से प्रस्तुत किया, जिससे पाठक आत्ममंथन के लिए प्रेरित होता है। उनकी कहानियाँ समाज को दिखाने के साथ मनुष्य की संवेदना और विवेक को जागृत करती हैं—यही उनकी लेखनी की पहचान है।

साहित्य की महानता शब्दों की जटिलता में नहीं, बल्कि उस सत्य में होती है जो हृदय तक पहुँचे। प्रेमचंद की भाषा इसी सहज शक्ति का उदाहरण थी। उसमें न दरबारी आडंबर था, न कृत्रिम विद्वता; बल्कि खेतों की मिट्टी की खुशबू, गाँव की चौपाल की सरलता और जनजीवन की पीड़ा की सच्ची अभिव्यक्ति थी। गोदान में होरी का संघर्ष इसलिए जीवंत लगता है, क्योंकि प्रेमचंद ने शब्द नहीं, जीवन के अनुभव लिखे थे। उन्होंने सिद्ध किया कि साहित्य की ऊँचाई दुर्लभ शब्दों से नहीं, गहरी संवेदना से तय होती है। प्रेमचंद की शैली बताती है कि वही भाषा अमर होती है, जो सरल होकर भी मनुष्य के हृदय और विवेक को स्पर्श करे।

लेखक की असली पहचान उसकी निर्भीक सोच से होती है, सत्ता की निकटता से नहीं। गांधीजी के विचारों से प्रेरित होकर भी प्रेमचंद ने किसी विचारधारा का अंधानुकरण नहीं किया। उन्होंने स्वदेशी और असहयोग आंदोलन का समर्थन किया, लेकिन सामाजिक अन्याय, जातिगत भेदभाव और आर्थिक विषमता पर अपनी स्वतंत्र दृष्टि बनाए रखी। हंस और जागरण के माध्यम से उन्होंने पत्रकारिता को समाज सुधार का माध्यम बनाया। लेखन को आजीविका बनाया, पर कलम को कभी सत्ता, बाजार या प्रतिष्ठा के दबाव में नहीं झुकाया। 8 अक्टूबर 1936 को उनका शरीर भले ही विदा हुआ, लेकिन उनके विचार आज भी जीवित हैं। उनका जीवन सिखाता है कि लेखक की सबसे बड़ी पूँजी पुरस्कार नहीं, विचारों की स्वतंत्रता होती है।समय बदलता है, अन्याय के रूप बदलते हैं, लेकिन उसकी पीड़ा बनी रहती है; इसी कारण महान साहित्य सदैव प्रासंगिक रहता है। वर्ष 2026 का भारत तकनीकी और आर्थिक प्रगति के दौर में है, फिर भी किसान की चिंता, आर्थिक असमानता, सामाजिक विभाजन, महिलाओं की सुरक्षा और संवेदनहीनता जैसे प्रश्न कायम हैं। ऐसे समय में प्रेमचंद का साहित्य अतीत नहीं, वर्तमान का दर्पण बनता है। गोदान का होरी आज भी संघर्षरत किसान का प्रतीक है, निर्मला सामाजिक विवशताओं की पीड़ा दिखाती है और ठाकुर का कुआँ भेदभाव की सच्चाई उजागर करता है। यही प्रेमचंद की कालजयी दृष्टि है कि हर युग उसमें अपना चेहरा देख सकता है। प्रेमचंद को पढ़ना केवल इतिहास जानना नहीं, वर्तमान को समझना है।

जयंती केवल पुष्प अर्पित करने और स्मरण का अवसर नहीं, बल्कि महान व्यक्तित्वों के विचारों से अपने समय और समाज को परखने का अवसर है। प्रेमचंद को सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी, जब उनकी रचनाएँ पुस्तकों से निकलकर समाज की चेतना बनें। उन्होंने सिद्ध किया कि साहित्य का लक्ष्य प्रशंसा नहीं, अंतरात्मा को जगाना है; शब्दों की शक्ति सजावट में नहीं, नैतिक साहस में होती है। उनकी कलम ने दिखाया कि अन्याय कितना भी शक्तिशाली हो, सत्य अधिक स्थायी होता है। जब तक किसान की पीड़ा, स्त्री की असुरक्षा, जातिगत भेदभाव और निर्धनों की आवाज मौजूद है, तब तक प्रेमचंद भारतीय चेतना के प्रकाशस्तंभ बने रहेंगे। उनकी लेखनी आज भी बताती है कि समाज परिवर्तन की शक्ति जागृत विवेक और विचारों में है।

कृति आरके जैन

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

2047 तक भारत अमीर बनेगा या सिर्फ अमीरों का भारत?

2047 में जब भारत अपनी आजादी का शताब्दी वर्ष मनाएगा, तब दुनिया केवल हमारी अर्थव्यवस्था का आकार नहीं, बल्कि यह भी परखेगी कि उस समृद्धि में कितने भारतीय सहभागी बने। प्रश्न यह नहीं होगा कि भारत 25 या 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन गया, बल्कि यह होगा कि आर्थिक शक्ति अंतिम व्यक्ति तक पहुंची या नहीं। क्या विकसित भारत का सपना हर नागरिक की वास्तविकता बनेगा, या केवल संपन्न वर्ग की उपलब्धि रह जाएगा? आज भारत जिस विकास पथ पर बढ़ रहा है, उसकी रफ्तार प्रभावशाली है, लेकिन दिशा पर गंभीर मंथन आवश्यक है। विकास तब तक अधूरा है, जब तक उसका लाभ सीमित वर्ग से निकलकर पूरे राष्ट्र तक नहीं पहुंचता। अन्यथा वह प्रगति नहीं, असमानता का विस्तार बन जाती है। इसलिए 2047 का सबसे बड़ा प्रश्न केवल आर्थिक नहीं, सामाजिक और नैतिक भी है।

आज के आर्थिक संकेतक उम्मीद जगाते हैं। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय आकलनों के अनुसार, यदि भारत अगले दो दशकों तक 7.5झ्8% की वृद्धि बनाए रखता है, तो 2047 तक उसकी अर्थव्यवस्था 25झ्35 ट्रिलियन डॉलर (ईवाई, पीएचडीसीसीआई सहित विभिन्न आकलनों के अनुसार) तक पहुंच सकती है। प्रति व्यक्ति आय 15,000झ्22,000 डॉलर रहने का अनुमान है। करोड़ों लोगों का गरीबी रेखा से बाहर निकलना बड़ी उपलब्धि है। लेकिन तस्वीर का दूसरा पहलू चिंताजनक है। विश्व असमानता रिपोर्ट 2026 के अनुसार राष्ट्रीय आय का 58% शीर्ष 10% आबादी के पास है, जबकि निचली 50% आबादी को केवल 15% आय मिलती है। कुल संपत्ति का 65% शीर्ष 10% के पास केंद्रित है, जबकि आधी आबादी के हिस्से में महज 6% संपत्ति है। यह केवल आंकड़ों का अंतर नहीं, बल्कि विकास मॉडल का प्रतिबिंब है।

असल चुनौती विकास की रफ्तार नहीं, उसकी प्रकृति है। भारत की आर्थिक वृद्धि मुख्यतः पूंजी-गहन उद्योगों, प्रौद्योगिकी और सेवा क्षेत्र पर आधारित रही है। इन क्षेत्रों ने राष्ट्रीय आय बढ़ाई, लेकिन व्यापक रोजगार नहीं दिए। श्रम-गहन विनिर्माण अपेक्षित गति नहीं पकड़ सका। नतीजतन हर वर्ष लाखों युवा रोजगार बाजार में उतरते हैं, पर गुणवत्तापूर्ण अवसर नहीं मिलते। मध्यम वर्ग पर दबाव बढ़ रहा है और सामाजिक गतिशीलता धीमी पड़ रही है। पीएलएफएस 2025-26 के अनुसार महिला श्रम बल भागीदारी बढ़कर लगभग 32झ्40% (शहरी क्षेत्रों में करीब 25%) हुई है, फिर भी उभरती अर्थव्यवस्था के लिए यह पर्याप्त नहीं है। कृषि से उद्योग और सेवाओं की ओर श्रमिकों का संक्रमण भी सुस्त है, जिससे करोड़ों लोग कम उत्पादकता वाले कार्यों में अटके हैं। यही वजह है कि विकास के आंकड़े चमकते हैं, लेकिन उनकी रोशनी समाज के बड़े हिस्से तक नहीं पहुंचती।

यह असमानता केवल आय की नहीं, अवसरों की भी है। देश का एक छोटा वर्ग विश्वस्तरीय अस्पतालों, निजी विश्वविद्यालयों, आधुनिक कौशल संस्थानों और वैश्विक सुविधाओं तक पहुंच रखता है, जबकि करोड़ों लोग आज भी गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य, शिक्षा और कौशल विकास से वंचित हैं। क्षेत्रीय विषमता भी गहरा रही है। कुछ राज्य निवेश, उद्योग और अधोसंरचना के दम पर तेजी से आगे बढ़ रहे हैं, जबकि अनेक राज्य विकास की दौड़ में पीछे छूट रहे हैं। यदि यही तस्वीर बनी रही, तो 2047 में भारत 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था होने का दावा करेगा, लेकिन उसके भीतर दो भारत बसेंगे—एक समृद्ध, आधुनिक और अवसरों से परिपूर्ण; दूसरा अभाव, सीमित संभावनाओं और संघर्ष से घिरा। ऐसी खाई किसी विकसित राष्ट्र की नहीं, असंतुलित विकास की पहचान है।यही रास्ता भारत को मध्य-आय जाल (मिडिल-इनकम ट्रैप) की ओर ले जा सकता है। दुनिया के अनेक देशों ने शुरूआती दौर में तेज आर्थिक वृद्धि हासिल की, लेकिन मानव पूंजी, उत्पादकता और समावेशी संस्थागत सुधारों की अनदेखी ने उनकी प्रगति ठहरा दी। भारत के सामने भी यही चुनौती है। हमारा जनसांख्यिकीय लाभांश दुनिया का सबसे बड़ा अवसर है, पर यदि करोड़ों युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक कौशल और उत्पादक रोजगार नहीं मिले, तो यही शक्ति भविष्य का सबसे बड़ा आर्थिक और सामाजिक दायित्व बन सकती है। उधर जलवायु परिवर्तन, जल संकट और बढ़ता शहरी दबाव विकास की राह कठिन बनाएंगे। इसलिए केवल निवेश जुटाना या जीडीपी बढ़ाना पर्याप्त नहीं होगा; विकास की गुणवत्ता और समावेशिता को भी समान प्राथमिकता देनी होगी।

आशा की सबसे मजबूत वजह यही है कि भारत के पास संभावनाओं का अभाव नहीं, विकल्पों की प्रचुरता है। डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, नवाचार से संचालित स्टार्टअप संस्कृति और सुदृढ़ लोकतांत्रिक व्यवस्था हमारी ऐसी ताकतें हैं, जिन पर समावेशी विकास की नई इमारत खड़ी की जा सकती है। आवश्यकता केवल विकास की प्राथमिकताएं बदलने की है। पूंजी निर्माण के साथ उसे रोजगार सृजन की धुरी बनाना होगा। श्रम-गहन विनिर्माण, निर्यातोन्मुख उद्योग और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों में नई ऊर्जा भरनी होगी। शिक्षा और स्वास्थ्य में बड़े निवेश से मानव पूंजी सशक्त करनी होगी। क्षेत्रीय संतुलन ऐसा हो कि विकास कुछ महानगरों तक सीमित न रहे, बल्कि हर राज्य और जिले तक पहुंचे। साथ ही ऐसी प्रगतिशील नीतियां अपनानी होंगी, जो धन सृजन को गति दें और उसके न्यायसंगत वितरण को भी सुनिश्चित करें।

2047 का भारत अमीर बनेगा या सिर्फ अमीरों का भारत, इसका फैसला इतिहास नहीं, आज की नीतियां करेंगी। यदि विकास कुछ लोगों की सफलता तक सिमट गया, तो आने वाली पीढ़ियों को आर्थिक उपलब्धियों के साथ सामाजिक असमानता भी विरासत में मिलेगी। लेकिन यदि समावेश, उत्पादकता, न्याय और समान अवसर विकास का आधार बने, तो भारत केवल आर्थिक महाशक्ति नहीं, सामाजिक रूप से भी विकसित राष्ट्र होगा। क्योंकि किसी देश की समृद्धि उसके अरबपतियों की संख्या से नहीं, बल्कि सबसे कमजोर नागरिक की गरिमा, अवसर और जीवन-स्तर से आंकी जाती है। 2047 तक भारत यह कसौटी बदल सकता है—बशर्ते विकास की यात्रा में कोई भारतीय पीछे न छूटे। तभी आजादी के सौ वर्ष केवल उत्सव नहीं, साझा समृद्धि और राष्ट्रीय विजय का स्वर्णिम अध्याय बनेंगे।

प्रो. आरके जैन अरिजीत

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

सूडोकु नवताल- 7588

★★★★☆ कठिन

4							1	8
			6	7				2
			8					
	8	5						
	2			1			7	
						3	5	
					5			
1				4	7			
9	6							4

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7587 का हल

1	9	7	4	8	6	2	3	5
4	5	3	9	1	2	7	6	8
2	6	8	7	3	5	9	1	4
5	3	1	2	7	9	4	8	6
9	2	4	8	6	1	5	7	3
7	8	6	5	4	3	1	9	2
3	4	9	6	2	7	8	5	1
6	7	2	1	5	8	3	4	9
8	1	5	3	9	4	6	2	7

दैनिक पंचांग

30 जुलाई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	कर्क में	सिंह	06.52 बजे से
चंद्र	मकर में	कन्या	09.04 बजे से
मंगल	वृष में	तुला	11.14 बजे से
बुध	मिथुन में	वृश्चिक	13.29 ब.से
गुरु	कर्क में	धनु	15.45 बजे से
शुक्र	सिंह में	मकर	17.50 बजे से
शनि	मीन में	कुंभ	19.37 बजे से
राहु	कुंभ में	मीन	21.10 बजे से
केतु	सिंह में	मेष	22.40 बजे से
		वृष	00.20 बजे से
		मिथुन	02.18 बजे से
		कर्क	04.32 बजे से

राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक

गुरुवार 2026 वर्ष का 211 वा दिन **दिशाशूल** दक्षिण **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** श्रावण (दक्षिण भारत में आषाढ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** प्रतिपदा 21.31 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** श्रवण 17.44 बजे को समाप्त। **योग** आयुष्मान 00.06 बजे रात्र को समाप्त। **करण** बालव 08.51 बजे तदनन्तर कौलव 21.31 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 15.6 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 18° 33' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872786 **जूलियन दिन** 2461251.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1448 **महीना** सफर **तारीख** 15

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	05.54 से 07.22 बजे तक		अमृत	05.40 से 07.11 बजे तक	
रोग	07.22 से 08.51 बजे तक		चर	07.11 से 08.43 बजे तक	
उद्वेग	08.51 से 10.19 बजे तक		रोग	08.43 से 10.15 बजे तक	
चर	10.19 से 11.47 बजे तक		काल	10.15 से 11.47 बजे तक	
लाभ	11.47 से 01.15 बजे तक		लाभ	11.47 से 01.19 बजे तक	
अमृत	01.15 से 02.43 बजे तक		उद्वेग	01.19 से 02.51 बजे तक	
काल	02.43 से 04.11 बजे तक		शुभ	02.51 से 04.23 बजे तक	
शुभ	04.11 से 05.40 बजे तक		अमृत	04.23 से 05.55 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

संक्षिप्त समाचार

सैन्य कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर अमेरिका और यूएई आए साथ, संयुक्त टास्क फोर्स के गठन की घोषणा

टाम्पा (फ्लोरिडा)। अमेरिका के सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने सैन्य क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के उपयोग को तेजी से विकसित करने के उद्देश्य से पहली द्विपक्षीय संयुक्त टास्क फोर्स के गठन की घोषणा की है। 'टास्क फोर्स टैलन सिनैप्स' नामक यह इकाई अगले कुछ सप्ताह में औपचारिक रूप से कार्य शुरू करेगी। अबू धाबी स्थित इस संयुक्त टास्क फोर्स में अमेरिका और यूएई के लगभग 20 विशेषज्ञ शामिल होंगे, जिन्हें कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डेटा विश्लेषण और साइबर सुरक्षा का अनुभव है। दोनों देशों का लक्ष्य आधुनिक एआई तकनीकों को सैन्य अभियानों में तेजी से शामिल कर रक्षा क्षमताओं को और मजबूत बनाना है। सेंटकॉम के कमांडर एडमिरल ब्रैड कूपर ने कहा कि यह पहल क्षेत्रीय सुरक्षा सहयोग के इतिहास में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि होगी। उनके अनुसार, अमेरिका और यूएई मिलकर ऐसी एआई तकनीकों को विकसित और लागू करेंगे, जो सैन्य नवाचार को तेज गति और व्यापक स्तर पर आगे बढ़ाने में सहायक होंगी। बताया गया कि पिछले वर्ष एडमिरल कूपर और यूएई के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार शेख तहनून बिन जायद अल नहयान के बीच इस संयुक्त टास्क फोर्स की अवधारणा पर चर्चा हुई थी। इसके बाद हाल के महीनों में सेंटकॉम ने क्षेत्र के दौरे के दौरान एआई उद्योग से जुड़े विशेषज्ञों और यूएई के रक्षा अधिकारियों के साथ कई दौर की बातचीत की। नई टास्क फोर्स का मुख्य फोकस खुफिया तंत्र को एआई आधारित सहायता उपलब्ध कराना, महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की सुरक्षा मजबूत करना तथा क्षेत्रीय सुरक्षा गतिविधियों की निगरानी के लिए उन्नत एआई अनुप्रयोग विकसित करना होगा।

नेपाल में बाघों की संख्या बढ़कर हुई 429, सबसे अधिक चितवन नेशनल पार्क में

काठमांडू। नेपाल में बाघों की संख्या बढ़कर 429 हो गई है। इसमें चितवन नेशनल पार्क में बाघों की संख्या सबसे अधिक 145 है। इसके बाद बर्दिया राष्ट्रीय निकुंज में 112, पर्सा राष्ट्रीय निकुंज में 71, बांके राष्ट्रीय निकुंज में 51 और शुक्लाफांटा राष्ट्रीय निकुंज में 50 बाघ हैं। वन एवं वातावरण मंत्रालय ने 'अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस' के अवसर पर 'बाघ गणना रिपोर्ट 2026' जारी की। वन एवं वातावरण मंत्री गीता चौधरी ने इस रिपोर्ट का अनावरण किया। नवीनतम राष्ट्रीय बाघ गणना के अनुसार हाल के वर्षों में संरक्षित क्षेत्रों और प्राकृतिक आवास प्रबंधन (हैबिटैट मैनेजमेंट) में हुए सुधारों के कारण बाघों की संख्या में यह वृद्धि हुई है। मंत्रालय 2009 से नियमित रूप से बाघ गणना आयोजित कर रहा है। नेपाल में हर चार साल में बाघों की गणना की जाती है। वर्ष 2022 में हुई पिछली गणना में नेपाल में 355 बाघ दर्ज किए गए थे। उस समय चितवन में 128, बर्दिया में 125, पर्सा में 41, शुक्लाफांटा में 36 और बांके में 25 बाघ थे।नेपाल में 2010 में 121, 2014 में 198, 2018 में 235, 2022 में 355 और अब 2026 में 429 बाघ दर्ज किए गए हैं। अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस हर साल 29 जुलाई को मनाया जाता है। इस दिवस की शुरुआत 2010 में रूस के सेंट पीटर्सबर्ग में आयोजित बाघ सम्मेलन के बाद हुई थी, जिसका उद्देश्य बाघों की घटती आबादी को रोकना और उनके प्राकृतिक आवासों के संरक्षण को बढ़ावा देना है।

सुनसरी गोलीबारी कांड के विरोध में आज भी कुछ जिलों में बंद, राजमार्ग भी अवरुद्ध

काठमांडू। सुनसरी के देवानगंज गांवपालिका में पुलिस की गोली लगने से एक युवक की मृत्यु की घटना के विरोध में आज कई जिलों में बंद का आह्वान किया गया है। इसके अलावा पूर्व पश्चिम राजमार्ग और हुलाकी राजमार्ग अवरुद्ध है। सप्तसरी के बगल में सप्तरी जिले के मुख्यालय राजविराज को बंद कर दिया गया है। इसी विरोध के तहत हनुमाननगर बाजार भी बंद रहा। तिरहुत गांवपालिका डिमन में हुलाकी सड़क मार्ग को अवरुद्ध कर उग्र प्रदर्शन किया जा रहा है। इससे पूर्व कंचनरूप नगरपालिका के सिमरा चौक पर युवाओं ने टायर जलाकर पूर्व-पश्चिम राजमार्ग चक्काजाम (आवागमन बाधित) किया है। इसी तरह पूर्व पश्चिम राजमार्ग पिछले दो दिनों से अवरुद्ध है। प्रदर्शनकारियों ने घटना की निष्पक्ष जांच, घायलों का मुफ्त इलाज एवं क्षतिपूर्ति, तथा दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। इस बीच, देवानगंज में लागू कर्फ्यू का असर पड़ोसी जिले सप्तरी में भी दिखाई देने लगा है। व्यवसायियों के अनुसार, पूर्व दिशा से होने वाले सामानों का परिवहन प्रभावित होने के कारण रसोई गैस (एलपीजी) की आपूर्ति में गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई है। सप्तरी के मुख्य जिला अधिकारी श्यामकृष्ण थापा की अध्यक्षता में आयोजित सर्वदलीय बैठक में सामाजिक सद्भाव बनाए रखने के लिए सोमवार को दो सूत्रीय सहमति बनी थी। हालांकि, इस सहमति के विपरीत जिले में प्रदर्शन जारी हैं, जिससे सुरक्षा व्यवस्था के समक्ष अतिरिक्त चुनौतियां खड़ी हो गई हैं। गौरतलब है कि रविवार रात सुनसरी के देवानगंज में दो समूहों के बीच हिंसक झड़प हुई थी। उस झड़प को नियंत्रित करने के दौरान पुलिस की फायरिंग से एक युवक की मौत हो गई थी।

तमिलनाडु के तीन जिलों में अगले दो दिनों में भारी बारिश का पूर्वानुमान

चेन्नई। चेन्नई मौसम विज्ञान केंद्र ने कहा कि तमिलनाडु के तटीय क्षेत्रों के निचले वायुमंडल में एक कमजोर निम्न दाब की द्रोणी (ट्रफ) बनी हुई है। इसके प्रभाव से अगले 2 दिनों तक तमिलनाडु के तीन जिलों में कुछ स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। केंद्र ने चेतावनी दी है कि 31 जुलाई और 1 अगस्त को तमिलनाडु के कोयंबटूर, नीलगिरि और थेनी जिलों में कुछ स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। केंद्र के अनुसार, आज पश्चिमी घाट के जिलों में कुछ स्थानों पर गरज-चमक के साथ मध्यम बारिश हो सकती है। पुडुचेरी और कराईकल क्षेत्रों में भी कुछ स्थानों पर हल्की बारिश होने की संभावना है। 30 जुलाई को नीलगिरि जिले के कुछ स्थानों पर गरज-चमक के साथ भारी बारिश हो सकती है। पश्चिमी घाट के जिलों में कुछ स्थानों पर मध्यम बारिश होने की संभावना है। साथ ही 2 और 3 अगस्त को पश्चिमी घाट के जिलों में कुछ स्थानों पर मध्यम बारिश होने की संभावना जताई गई है। तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल क्षेत्रों में कुछ स्थानों पर तापमान सामान्य से 2 से 4 डिग्री सेल्सियस अधिक रहने की संभावना है। आज चेन्नई और उसके उपनगरों में आसमान आंशिक रूप से बादलों से घिरा रहेगा। मछुआरों के लिए चेतावनी: 30 जुलाई तक दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों, आंध्र प्रदेश तटवर्ती क्षेत्रों और उससे लगे दक्षिण आंध्र तट, मध्य-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के अधिकांश हिस्सों तथा अंडमान सागर में तेज तूफानी हवाएं चल सकती हैं।

राष्ट्रीय राजमार्गों से अतिक्रमण हटाने के लिए एनएचएआई ने शुरू किया अभियान

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजमार्गों पर सड़क सुरक्षा बहाल करने और सुगम यातायात सुनिश्चित करने के लिए सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय तथा भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने देशभर में अतिक्रमण हटाने का अभियान शुरू किया है। उच्चतम न्यायालय के निर्देशों पर चलाए जा रहे इस अभियान का उद्देश्य राजमार्गों पर अवैध निर्माण, वाणिज्यिक प्रतिष्ठान और अनधिकृत पहुंच को हटाकर सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करना है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने बताया कि एनएचएआई, पीआईयू राजकोट ने हाल ही में बड़े पैमाने पर अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाया। इस दौरान 693 किलोमीटर राजमार्ग का सर्वेक्षण कर 1,403 नोटिस जारी किए गए। इनमें अवैध संरचनाएं, अनधिकृत वाणिज्यिक पहुंच और बिना अनुमति बनाए गए मीडियन कट शामिल थे। कार्रवाई के तहत 361 अवैध पहुंच और अतिक्रमण हटाए गए तथा 150 अनधिकृत मीडियन गैप स्थायी रूप से बंद किए गए। यह अभियान जिला मजिस्ट्रेट और पुलिस अधीक्षकों के सहयोग से चलाया गया। हाल ही में सोमनाथ–द्वारका राजमार्ग पर विशेष अभियान चलाकर बारडिया और 'ऑनेस्ट होटल से हाथी चौक' तक के हिस्से से सैकड़ों अतिक्रमण हटाए गए। मंत्रालय ने कहा कि ये केवल प्रवर्तन की कार्रवाई नहीं बल्कि सड़क सुरक्षा के उपाय हैं। अतिक्रमण हटाने से दृश्यता बहाल होती है, यातायात प्रवाह सुधरता है, आपातकालीन सेवाओं को जगह मिलती है और दुर्घटनाओं की आशंका घटती है।

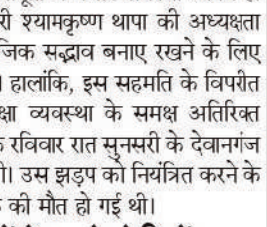

भोपाल में किसान आंदोलन पर सरकार-विपक्ष आमने-सामने

एजेंसी, भोपाल

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में किसानों के आंदोलन के बीच सरकार और विपक्ष के बीच सियासी टकराव भी तेज हो गया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए मंत्रियों की एक समिति गठित किए जाने की जानकारी देते हुए कहा कि सरकार संवाद के माध्यम से रास्ता निकालना चाहती है। वहीं कांग्रेस ने इस पहल को पर्याप्त नहीं बताते हुए सरकार पर किसानों की अनदेखी और संवेदनहीनता का आरोप लगाया है। इस बीच कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने भी आंदोलन का समर्थन करते हुए किसानों की मांगों को जायज बताया है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों से जुड़े मुद्दों पर सकारात्मक संवाद

के पक्ष में है। उन्होंने बताया कि किसानों की समस्याओं पर चर्चा और समाधान के लिए मंत्रियों का एक दल गठित किया गया है, जो आंदोलनकारी किसानों से बातचीत करेगा। मुख्यमंत्री के इस बयान के तुरंत बाद विपक्ष ने सरकार पर निशाना साधा। कांग्रेस नेता और मप्र विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि हजारों

♦ सीजेपी भी किसानों के समर्थन में उतरी

किसान अपनी मांगों को लेकर शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन कर रहे हैं, लेकिन सरकार उनकी बात सुनने के बजाय समय निकालने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि केवल समिति बना देने से किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं होगा। सरकार को सीधे किसानों से संवाद कर उनकी मांगों पर ठोस निर्णय लेना चाहिए।

सिंघार ने कहा कि लोकतंत्र में पदयात्रा करना प्रत्येक नागरिक का संवैधानिक अधिकार है और इसे रोकने या दबाने का प्रयास उचित नहीं है। उनके अनुसार सरकार को किसानों की समस्याओं का समाधान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस किसानों की हर जायज मांग के साथ मजबूती से खड़ी है और प्रदेश में मूंग की शत-प्रतिशत खरीदी, खाद वितरण व्यवस्था में सुधार तथा किसानों से जुड़े लंबित मुद्दों के शीघ्र समाधान की मांग करती है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने भी सोशल मीडिया के माध्यम से सरकार पर हमला बोला। उन्होंने एक्स पर लिखा कि नर्मदापुरम के बरखेड़ा से शुरू हुई किसान क्रांति पदयात्रा राजधानी भोपाल पहुंच चुकी है और हजारों किसान परिवार अपनी मांगों को लेकर सड़कों पर डटे हुए हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री से किसानों के प्रति संवेदनशील रवैया अपनाने की अपील करते हुए आरोप लगाया कि सरकार अहंकार के कारण किसानों की आवाज सुनने से बच रही है। पटवारी ने कहा कि किसानों की उपेक्षा सरकार के लिए भारी पड़ सकती है और उनकी मांगों का सम्मानपूर्वक समाधान किया जाना चाहिए।

बीजापुर में 49 लाख के इनामी आठ नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

एजेंसी, बीजापुर

छत्तीसगढ़ के बीजापुर में आठ नक्सलियों ने बुधवार को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के सहयोग से बीजापुर पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार गुप्ता के समक्ष आत्मसमर्पण किया। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में पांच महिला एवं तीन पुरुष कैडर शामिल हैं। इन पर कुल 49 लाख रूपये का इनाम घोषित था।

पुलिस के अनुसार दक्षिण जोनल कमेटी और सरांडा सब जोनल कमेटी से जुड़े डीवीसीएम कैडर के तीन पुरुष नक्सलियों 8-8 लाख के इनामी अश्विन उर्फ लच्छू, रंगा उर्फ सोहन एवं दोबा माड़वी उर्फ राहत शामिल हैं। इनके अलावा कोल्हान एरिया कमेटी की सदस्य 5-5 लाख की इनामी फगनी पोयाम उर्फ रजनी, सूरज मुन्नी चम्पिया उर्फ सुबनी, हिड़मे कड़ती उर्फ रीता, बुधरी कुंजाम उर्फ अनुषा तथा सलमी चम्पिया उर्फ जिलानी शामिल हैं।

सभी कैडर लंबे समय से प्रतिबंधित नक्सली संगठन से जुड़े होकर झारखंड के विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय थे। सुरक्षा बलों के बढ़ते दबाव, संगठन की कमजोर स्थिति, पूर्व नक्सलियों के सफल पुनर्वास तथा आदिवासी क्षेत्रों में तेजी से हो रहे विकास कार्यों से प्रभावित होकर इन्होंने मुख्यधारा में लौटने का निर्णय लिया। पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार गुप्ता ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले सभी 8 नक्सलियों को शासन की नक्सल आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति के तहत आर्थिक सहायता, कौशल विकास प्रशिक्षण, आवास, शिक्षा, स्वरोजगार एवं रोजगार संबंधी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। जिला प्रशासन और पुलिस द्वारा इनके सम्मानजनक पुनर्वास के लिए सहयोग भी दिया जाएगा।

सुरक्षा बलों ने 28 जुलाई की देर रात धनबाद-गिरिडीह सीमा पर संयुक्त अभियान चलाकर नक्सली संगठन के अंतिम सक्रिय पोलित ब्यूरो एवं सेंट्रल कमेटी सदस्य मिसिर बेसरा उर्फ भास्कर को उस समय गिरफ्तार किया था, जब वह अपने साथियों के साथ वाहन से भागने की कोशिश कर रहा था।

कट्टरपंथी सांसद अमृतपाल की रिहाई की मांग पर चंडीगढ़ में आंदोलन, कई घंटे तक चला हंगामा

एजेंसी, चंडीगढ़

देशद्रोह के मामले में असम की डिब्रूगढ़ जेल में बंद कट्टरपंथी सांसद अमृतपाल सिंह की रिहाई की मांग पर बुधवार को वारिस पंजाब दे पार्टी के कार्यकर्ता सड़कों पर उतर आए। कार्यकर्ताओं ने मोहाली के रास्ते चंडीगढ़ में मुख्यमंत्री आवास की तरफ कूच का प्रयास किया लेकिन पुलिस ने वाटर कैनन व लाठीचार्ज करके उन्हें रोक दिया। इसके बावजूद कुछ कट्टरपंथी चंडीगढ़ की सीमा में दाखिल हुए तो पुलिस ने बल का प्रयोग करके उन्हें हिरासत में ले लिया। मोहाली व चंडीगढ़ की सीमा पर प्रदर्शनकारियों व पुलिस के बीच झड़प इतनी बढ़ी कि कई घंटे तक हंगामा होता रहा। प्रदर्शनकारी वाटर कैनन वैन पर चढ़ गए और पुलिस को वहां से खदेड़ कर उसका रूख मोड़ दिया।

वारिस पंजाब दे की तरफ से आज पंजाब भर में प्रदर्शन करने का आहवान किया गया था। कट्टरपंथी कार्यकर्ताओं के चंडीगढ़ कूच को

♦ चंडीगढ़ व पंजाब की सीमा पर पुलिस ने लाठीचार्ज करके रोका, प्रदर्शनकारी वाटर कैनन वैन पर चढ़े

देखते हुए चंडीगढ़ व मोहाली में कई जगह ट्रैफिक डायवर्ट किया गया था। पार्टी के नेता एवं विधायक मनप्रीत अयाली ने कहा कि हम यहां शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने के लिए आए हैं, किसी तरह की तोडफ़ोड़ नहीं करना चाहते हैं। अमृतपाल लोगों के प्रतिनिधि हैं, लेकिन जेल में रखे जाने से वह बतौर सांसद अपने संवैधानिक कर्तव्य का पालन नहीं कर पा रहे हैं। सांसद अमृतपाल के वकील इमान सिंह खारा ने कहा कि एनएसए हटाई जा चुकी है।

द्रमुक विधायक सेंथिल बालाजी के घर समेत छह ठिकानों पर डीवीएसी का छापा

एजेंसी, करूर

तमिलनाडु में द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (द्रमुक) के विधायक एवं पूर्व मंत्री सेंथिल बालाजी के आवास सहित छह स्थानों पर बुधवार को राज्य के भ्रष्टाचार निरोधक एवं सतर्कता निदेशालय (डीवीएसी) ने एक साथ छापेमारी की। यह कार्रवाई करूर स्थित उनके घर, तमिलनाडु स्टेट मार्केटिंग कॉरपोरेशन (टास्मैक) के जिला प्रबंधक कार्यालय तथा उनसे जुड़े अन्य परिसरों में की जा रही है। कई घंटे से जारी इस कार्रवाई से राज्य के राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में हलचल मच गई है।

डीवीएसी की टीम ने सुबह से करूर के रामेश्वरपट्टी स्थित सेंथिल बालाजी के आवास पर तलाशी अभियान शुरू किया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार यह कार्रवाई टास्मैक में कथित वित्तीय अनियमितताओं और भ्रष्टाचार से जुड़े मामलों की जांच के सिलसिले में की जा रही है। सेंथिल बालाजी के आवास के अलावा नेरूर के समीप कोयंबल्ली में द्रमुक करूर पूर्वी इकाई के सचिव भास्करन के घर, मूर्तिपालयम में उनके सहयोगी

सुब्रमणि के आवास तथा करूर शक्ति मेस के संचालक एवं उनके करीबी सहयोगी कार्ति के कोधई नगर स्थित अपार्टमेंट में भी एक साथ तलाशी ली जा रही है। वहीं, करूर औद्योगिक क्षेत्र स्थित टास्मैक के जिला प्रबंधक कार्यालय में भी सुबह करीब आठ बजे से दस्तावेजों और अभिलेखों की गहन जांच जारी है।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, करूर के अलावा ईरोड स्थित टास्मैक के गोदाम में भी डीवीएसी की टीम ने छापेमारी की है। हालांकि विभाग की ओर से अब तक इस कार्रवाई को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। अधिकारियों का कहना है कि तलाशी अभियान पूरा होने और जब्त दस्तावेजों की जांच के बाद ही कार्रवाई के आधार और उससे जुड़े तथ्यों का खुलासा किया जाएगा।

इस बीच, सेंथिल बालाजी एक अन्य मामले को लेकर भी जांच एजेंसियों के दायरे में हैं। कृष्णागिरि जिले के ऊथंगई विधानसभा क्षेत्र से तमिलगा वेत्रि कड़गम (टीवीके) के विधायक इलैयाराजा ने चेन्नई पुलिस आयुक्त से शिकायत कर आरोप लगाया था कि विधानसभा अध्यक्ष के खिलाफ लाए गए प्रस्ताव के समर्थन में मतदान करने के लिए उन्हें 35 करोड़ रुपये की पेशकश की गई थी।

इस शिकायत के आधार पर चेन्नई के तिरुवल्लिक्केणी पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया, जिसके बाद कई लोगों को गिरफ्तार किया गया। जांच के दौरान पुलिस ने सेंथिल बालाजी और उनके भाई अशोक कुमार को पूछताछ के लिए समन जारी किया था। हालांकि दोनों ने अदालत से सशर्त अग्रिम जमानत प्राप्त कर ली थी।

असम में बाढ़ से अभी भी सात जिलों की 332639 आबादी प्रभावित, सात और शव मिले

एजेंसी, करूर

गुवाहाटी। ऊपरी असम के चार जिले बाढ़ से सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं। इन्हीं जिलों में सबसे अधिक लोगों की मौत हुई है। राज्य सरकार प्रभावितों की हर संभव मदद के लिए लगातार कदम उठा रही है। मुख्यमंत्री ने प्रभावितों के लिए आर्थिक मदद के साथ ही मृतकों के परिजनों के लिए 9 लाख रुपये की मदद का ऐलान किया है। वहीं शिवसागर जिले के नाजिरा इलाके के अभी भी 7 व्यक्ति लापता हैं। मुख्यमंत्री ने कहा है कि अगर लापता व्यक्तियों का पता नहीं चल पाता है तो सरकार जल्द ही उन्हें मृत मानकर परिजनों को आर्थिक सहायता मुहैया कराएगी।

बाढ़ का पानी लगातार घट रहा है, जिसके चलते घरों एवं विद्यालयों में घुटनों तक मिट्टी की गाद भर जाने से लोगों के सामने एक नई समस्या पैदा हो गयी है। लोग अपने घर लौटने की कोशिश तो कर रहे हैं, लेकिन स्थिति गंभीर होने के चलते सुरक्षित स्थानों पर आश्रय लेने के लिए लोग मजबूत हैं। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) के 28 जुलाई को जारी आंकड़ों के अनुसार शिवसागर जिले में सात और लोगों के शव

बरामद हुए हैं। राज्य में अब तक मरने वालों की कुल संख्या 75 हो गई है। धनसिरी (नुमालीगढ़) नदी अभी भी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। सरकार युद्ध स्तर पर राहत एवं बचाव के लिए सभी तरह के उपाय करने में जुटी हुई है। इस समय बाढ़ प्रभावित जिलों में शिवसागर, गोलाघाट, चराईदेव, जोरहाट, नगांव शोणितपुर एवं कामरूप (मेट्रो) जिला हैं। बाढ़ से इन जिलों के 21 राजस्व मंडलों के कुल 622 गांव प्रभावित हैं। राज्य की कुल 332639 आबादी एवं 45341.98 हेक्टेयर कृषि भूमि पानी में डूबी हुई है। बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए कुल 81 राहत शिविर एवं 34 राहत वितरण केंद्र समेत कुल 115 शिविर क्रियान्वित हैं। राहत शिविरों में 32477 लोग आश्रय लिए हुए हैं, जबकि राहत वितरण केंद्रों पर 16314 गैर-शिविर निवासी राहत प्राप्त कर रहे हैं। 28 जुलाई तक बाढ़ के पानी में शिवसागर जिले में पूरी तरह से क्षतिग्रस्त कच्चे मकानों की कुल संख्या 186 बताई गई है। शिवसागर जिले में ही 2 पक्के मकान क्षतिग्रस्त हो गए हैं। जबकि, शिवसागर जिले में आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त कच्चा मकानों की कुल संख्या 560 है। वहीं शिवसागर जिले में आंशिक रूप से पक्का क्षतिग्रस्त मकानों की कुल संख्या 580 है। क्षतिग्रस्त अन्य मकानों में शिवसागर जिले में 320 झोपड़ियां, अन्य मवेशी शेड की कुल संख्या 789 है। बाढ़ में राहत एवं बचाव अभियान में एसडीआरएफ, सेना/अर्धसैनिक बल, एनडीआरएफ, डीडीआरएफ, एयर फोर्स, पुलिस, अग्निशमन और आपातकालीन सेवाएं (एफ एंड ईएस), सर्कल कार्यालय/स्थानीय प्रशासन, नागरिक सुरक्षा/प्रशिक्षित स्वयंसेवक और अग्निशमन विभाग जुटा हुआ है। इस बीच बाढ़ प्रभावित इलाकों में राज्य सरकार ने कुल 125 मेडिकल टीमों को तैनात किया। इस दौरान 21 नावें भी राहत कार्य में जुटी रहीं। नावों के जरिए कुल 02 लोगों को बचाकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है।

यौन उत्पीड़न मामले में ट्रेनी आईपीएस अधिकारी गिरफ्तार, एनपीए ने पहले ही किया था निलंबित

एजेंसी, हैदराबाद

हैदराबाद स्थित राष्ट्रीय पुलिस अकादमी (एनपीए) की एक साथी ट्रेनी भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी द्वारा दर्ज कराए गए यौन उत्पीड़न के मामले में अट्टापुर पुलिस ने बुधवार को आरोपित ट्रेनी आईपीएस अधिकारी उदय कृष्णा रेड्डी को गिरफ्तार कर लिया। शिकायत दर्ज होने के लगभग दस दिन बाद हुई इस गिरफ्तारी को मामले में महत्वपूर्ण कार्रवाई माना जा रहा है। हालांकि पुलिस ने आधिकारिक रूप से यह पुष्टि नहीं की है कि रेड्डी ने आत्मसमर्पण किया या उसे गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने उदय कृष्णा रेड्डी का मेडिकल परीक्षण कराने के लिए उसे उस्मानिया जनरल अस्पताल भेजा। इसके बाद उसे न्यायिक रिमांड के लिए राजेंद्रनगर स्थित अदालत में पेश किए जाने की प्रक्रिया शुरू की गई। यह गिरफ्तारी ऐसे समय हुई है, जब हाल ही में मीडिया में यह खबर सामने आई थी कि उदय कृष्णा रेड्डी ने कथित रूप से आत्महत्या का प्रयास किया था। बताया गया कि उन्हें एसआर नगर स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उनका उपचार किया गया। हालांकि इस संबंध में पुलिस की ओर से विस्तृत आधिकारिक जानकारी साझा नहीं की गई है। यह मामला कर्नाटक कैडर की 30 वर्षीय विवाहित ट्रेनी आईपीएस अधिकारी द्वारा 18 जुलाई को दर्ज कराई गई शिकायत से जुड़ा है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि उदय कृष्णा रेड्डी ने उनके साथ लगातार यौन उत्पीड़न किया और कई बार शारीरिक हिंसा भी की। शिकायतकर्ता के अनुसार आरोपित ने उन्हें अशोभनीय संदेश भेजे, जबरन एक कमरे में ले गया, बाल खींचकर मारपीट की, गला घोंटने का प्रयास किया और चाकू दिखाकर जान से मारने की धमकी दी।

सिंधिया राज परिवार संपत्ति विवाद में फिर फंसा

एजेंसी, ग्वालियर

मध्य प्रदेश के ग्वालियर स्थित सिंधिया राज परिवार की अरबों की संपत्ति के बंटवारे को लेकर आपसी सहमति से तैयार हुआ समझौता प्रस्ताव (राजीनामा) एक बार फिर कानूनी अड़चनों में फंस गया है। अतिरिक्त सत्र न्यायालय (एडीजे) में मंगलवार को इस बहुचर्चित संपत्ति विवाद के समझौते पर सुनवाई हुई। मामले में उस वक्त नया मोड़ आ गया, जब केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की बड़ी बुआ दिवंगत पद्मावती राजे की बेटी प्रतिमा देवी राना (त्रिपुरा राजघराने से संबंधित) ने इस बंटवारे पर अपनी कड़ी आपत्ति दर्ज करा दी। प्रतिमा देवी द्वारा दर्ज कराई गई आपत्ति का जवाब देने के लिए ज्योतिरादित्य की बुआ और आपत्तिकर्ता प्रतिमा राजे की तीनों मौसियों (राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, मप्र की पूर्व मंत्री यशोधरा राजे और उषा राजे) ने

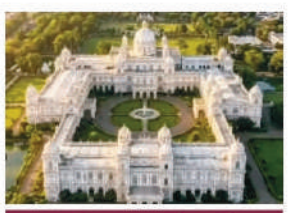

बड़ी बुआ की बेटी प्रतिमा देवी राना ने लगाई आपत्ति

न्यायालय से समय मांगा है। अदालत ने मामले की गंभीरता को देखते हुए अगली सुनवाई के लिए 17 अगस्त 2026 की तारीख तय की है। इस आपत्ति के बाद समझौते के पुराने प्रस्ताव पर संकट खड़ा हो गया है। गौरतलब है कि वसुंधरा राजे, उषा राजे और यशोधरा राजे ने केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से पैतृक संपत्ति में अपना हिस्सा पाने के लिए सिविल सूट दायर किया था।

रेल सुरक्षा में बड़ा सुधार, चालू वित्त वर्ष में अब तक केवल दो बड़ी रेल दुर्घटनाएं

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय रेलवे ने कहा है कि सुरक्षा उपायों, आधुनिक प्रौद्योगिकी, बेहतर बुनियादी ढांचे और उन्नत रखरखाव व्यवस्था के कारण रेल दुर्घटनाओं में उल्लेखनीय कमी आई है। वर्ष 2026-27 में जून तक केवल दो गंभीर रेल दुर्घटनाएं दर्ज की गई हैं, जबकि 2014-15 में इनकी संख्या 135 थी। इसी अवधि में दुर्घटना सूचकांक भी घटकर 0.01 रह गया है। रेलवे ने दिल्ली-मुंबई और दिल्ली-हावड़ा जैसे व्यस्त रेल मार्गों पर स्वदेशी स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली कवच 4.0 को 2,569 रूट किलोमीटर पर सफलतापूर्वक लागू कर दिया है।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया कि वर्ष 2025-26 में कांसिक्वेंशल रेल दुर्घटनाओं की संख्या घटकर 16 रह गई, जो 2014-15 की तुलना में 88 प्रतिशत कम है। चालू वित्त वर्ष 2026-27 में जून तक केवल

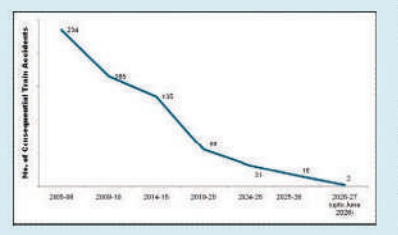

दो ऐसी दुर्घटनाएं हुई हैं। दुर्घटना सूचकांक भी 2014-15 के 0.11 से घटकर 2025-26 में 0.01 रह गया, जो 91 प्रतिशत की कमी दर्शाता है। उन्होंने बताया कि रेलवे में सुरक्षा संबंधी व्यय लगातार बढ़ाया गया है। वर्ष 2013-14 में यह 39,200 करोड़ रुपये था, जो 2026-27 के बजट में बढ़कर 1.20 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। रेलवे ने 6,671 स्टेशनों पर इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग और पूर्ण ट्रैक सर्किटिंग, 10,395 लेवल क्रॉसिंग पर इंटरलॉकिंग, आधुनिक रेल पटरियों, लंबी रेल पैनलों, अल्ट्रासोनिक फ्लॉ डिटेक्शन, ट्रैक रिकॉर्डिंग प्रणाली तथा अन्य तकनीकों को अपनाकर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया है।

रेल मंत्री ने कहा कि जनवरी 2019 तक ब्रॉड गेज नेटवर्क से सभी मानव रहित रेलवे फाटकों को समाप्त कर दिया गया है। इसके अलावा एलएचबी कोचों का निर्माण, रेलवे पुलों का नियमित निरीक्षण, अग्नि सुरक्षा प्रणाली, आधुनिक सिग्नलिंग, ट्रैक मशीनों के उपयोग और कर्मचारियों के नियमित प्रशिक्षण जैसे कदम भी सुरक्षा बढ़ाने में सहायक रहे हैं।

उन्होंने बताया कि कवच भारत में विकसित स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली है, जो लोको पायलट द्वारा निर्धारित गति सीमा का पालन नहीं करने पर स्वतः ब्रेक लगाकर दुर्घटनाओं की संभावना कम करती है। जुलाई 2024 में स्वीकृत कवच संस्करण 4.0 में बेहतर लोकेशन सटीकता, बड़े यार्डों में सिग्नल की अधिक सटीक जानकारी और इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग प्रणाली के साथ सीधा समन्वय जैसी नई सुविधाएं जोड़ी गई हैं।

30-07-2026 T.P. Page 8_Layout 1 30-07-2026 09:11 Page 1

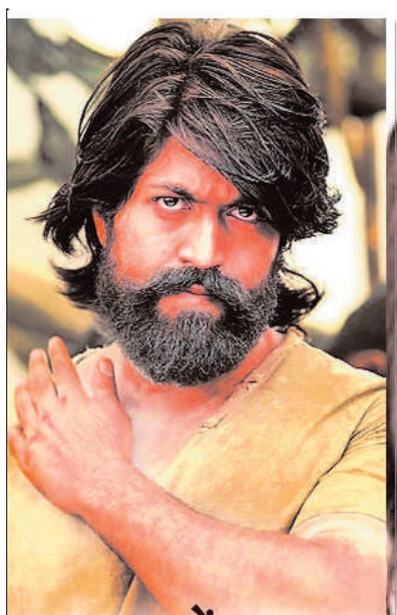

रामायण में रावण का किरदार निभाने पर यश ने की बात

मुंबई फिल्म 'रामायण' को लेकर लोगों का उत्साह बढ़ता जा रहा है। इस बीच, फिल्म में काम करने के साथ-साथ अपने बैनर 'मॉनस्टर माइंड क्रिएशंस' के तहत इसे प्रोड्यूस कर रहे अभिनेता यश कॉमिक-कॉन इवेंट में अपनी टीम के साथ पहुंचे। मीडिया से बातचीत के दौरान, फिल्म में रावण का किरदार निभा रहे यश ने इस रोल की गहराइयों, रामायण के विचारों और आज के समय में भी इसकी सीख क्यों जरूरी है, इस पर खुलकर बात की।

रामायण पर अपने विचार रखते हुए यश ने कहा, 'किसी भी कहानी को बताने के लिए आपको अच्छाई और बुराई, सही और गलत दोनों की जरूरत होती है। उनके मुताबिक, रामायण भगवान राम और रावण के बिल्कुल अलग रास्तों और सफर की कहानी है। इस अंतर को समझाते हुए यश ने कहा, 'भगवान राम राजा के रूप में जन्मे थे, लेकिन उनके सामने ऐसी स्थितियां आईं जहां उन्हें सब कुछ खोना पड़ा। फिर अपने अच्छे व्यवहार और सही कामों के दम पर उन्होंने अपनी ताकत वापस हासिल की। दूसरी तरफ, रावण ने बिल्कुल शुरुआत से सफर शुरू किया और बहुत ताकतवर बना। लेकिन कभी-कभी जैसा कहा जाता है, जब आप किसी राक्षस से लड़ते हैं, तो आप खुद उससे भी बड़े राक्षस बन जाते हैं। इस बात को लेकर बहुत सावधान रहने की जरूरत होती है।' यश के मुताबिक, यही अंतर इस कहानी को हर दौर के लिए खास बनाता है। जहां भगवान राम ने अपने संस्कारों और सही कामों से सब कुछ वापस पाया, वहीं रावण का सफर यह याद दिलाता है कि कैसे ताकत जब बदले और अहंकार से भर जाती है, तो विनाश की ओर ले जाती है।

रावण के बारे में बात करते हुए यश ने कहा कि यह किरदार सिर्फ एक साधारण विलेन (खलनायक) से कहीं ज्यादा गहरा है। उन्होंने कहा, 'वह कई कलाओं का ज्ञानी था।' यश ने आगे जोड़ा कि अपार ज्ञान और क्षमताओं के बावजूद रावण आखिरकार 'अपनी ताकत पर काबू नहीं रख पाया।' यश के अनुसार, यही विरोधाभास उन्हें पौराणिक कथाओं का सबसे दिलचस्प किरदार बनाता है। रोल की तैयारियों पर बात करते हुए यश ने कहा कि उनका ध्यान रावण को नए सिरे से गढ़ने पर नहीं, बल्कि उसकी सोच को समझने पर था। उन्होंने खुद से पूछा, 'एक एक्टर के तौर पर आप इसमें नया क्या ला रहे हैं? इस किरदार के बारे में आपकी अपनी क्या समझ है?' निर्देशक नितेश तिवारी और लेखकों की सोच की तारीफ करते हुए यश ने कहा, 'मैं यह समझना चाहता था कि रावण ने जो कुछ भी किया, उसके पीछे उसकी क्या वजह थी। मेरे लिए उसके कामों के पीछे की मंशा को समझना बाकी किसी भी चीज से ज्यादा जरूरी था।'

टेलीविजन में काम करना आसान नहीं, यहां कलाकारों को कम समय में अपना बेस्ट देना होता है

टेलीविजन अभिनेत्री निहारिका चौकसे इन दिनों अपने शो 'तुम से तुम तक' को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने इंटरव्यू में टेलीविजन इंडस्ट्री को लेकर खुलकर अपनी राय रखी। उन्होंने उन लोगों पर सवाल उठाया है जो आज के समय में टीवी को फिल्मों और ओटीटी से कमतर मानते हैं। उनका कहना है कि टीवी कलाकारों के लिए सबसे बड़ा स्कूल है, जहां हर दिन कुछ नया सीखने का मौका मिलता है। निहारिका चौकसे ने कहा, ''मुझे टीवी पर काम करना हमेशा पसंद आता है। अगर कोई मुझसे कहे कि मुझे रोज 14 घंटे काम करना होगा, तब भी मुझे कोई परेशानी नहीं होगी क्योंकि मुझे बिजी रहना अच्छा लगता है। मुझे समझ नहीं आता कि कुछ लोग टेलीविजन को कम क्यों आंकने लगते हैं। मेरे लिए टीवी सबसे बड़ा स्कूल है। यहां कैमरे के सामने अभिनय करना, लंबी-लंबी लाइन्स याद करना और हर परिस्थिति में बेहतर प्रदर्शन करना सीखने को मिलता है।''

उन्होंने आगे कहा, ''टेलीविजन में काम करना आसान नहीं होता, क्योंकि यहां कलाकारों को बहुत कम समय में अपना बेस्ट देना पड़ता है। टीवी में अगले दिन का एपिसोड प्रसारित होना होता है, इसलिए नई स्क्रिप्ट मिलते ही कलाकारों को तुरंत तैयारी करनी पड़ती है और शूटिंग भी करनी होती है। वेब सीरीज में कलाकारों को वर्कशॉप और तैयारी के लिए पर्याप्त समय मिलता है, लेकिन टीवी में काम की रफ्तार कहीं ज्यादा तेज होती है। यही वजह है कि टीवी कलाकारों को हर दिन नई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है और लगातार मेहनत करनी पड़ती है।''

निहारिका चौकसे ने कहा, 'मनोरंजन जगत अब पहले से बेहतर दिशा में आगे बढ़ रहा है। बदलाव जीवन का सबसे बड़ा सच है और इंडस्ट्री भी समय के साथ बदल रही है। पहले टेलीविजन में महिलाओं पर आधारित कहानियां ज्यादा देखने को मिलती थीं, लेकिन अब फिल्मों में भी महिला कलाकारों को मजबूत और अहम किरदार मिलने लगे हैं। महिला प्रधान फिल्मों का अच्छा प्रदर्शन इस बात का सबूत है कि दर्शकों की सोच बदल रही है और इंडस्ट्री महिलाओं को पहले से ज्यादा अवसर दे रही है।' रियलिटी शोज में आने को लेकर भी निहारिका ने कहा, ''अभी मैं सिर्फ काम करना चाहती हूं। रियलिटी शोज बाद में भी किए जा सकते हैं। सबसे पहले मैं अपना फैन बेस मजबूत करना चाहती हूं, ताकि जब भी किसी रियलिटी शो में हिस्सा लूं, तो जीतने के इरादे से जाऊं।''

उन्होंने कहा, 'मुझे डांस करना बेहद पसंद है, इसलिए 'झलक दिखला जा' मेरे पसंदीदा रियलिटी शोज की लिस्ट में शामिल है। वहीं, 'खतरों के खिलाड़ी' में हिस्सा लेने की इच्छा भी है, लेकिन उससे पहले मैं अपने डर पर काबू पाना चाहती हूं।'

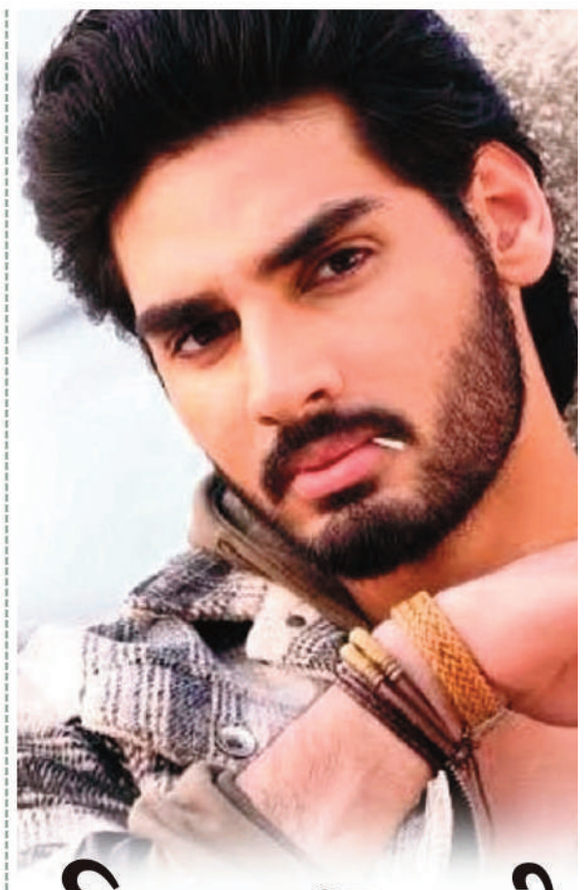

विक्रम भट्ट की '1920: कोल्ड...' से जुड़े अहान शेट्टी

अहान शेट्टी अब अपने करियर में नया प्रयोग करने की तैयारी में हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्होंने निर्देशक विक्रम भट्ट की सुपरनैचुरल हॉरर फिल्म '1920 : कोल्ड विंटर' के लिए हामी भर दी है। यह अहान के करियर की पहली हॉरर फिल्म होगी। 'तड़प' से रोमांटिक-एक्शन हीरो के रूप में शुरुआत करने वाले अहान हाल ही में 'बॉर्डर 2' में भी दिखे थे। अब वह अलग-अलग जॉनर में खुद को साबित करने की दिशा में कदम बढ़ा रहे हैं। हालांकि, इस खबर पर अभी तक मेकर्स या एक्टर की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

फिलहाल स्क्रिप्टिंग स्टेज में है विक्रम की फिल्म

'1920 : कोल्ड विंटर' फिलहाल स्क्रिप्टिंग स्टेज में है। सूत्रों का कहना है कि अहान अपनी फिल्मोग्राफी को सीमित दायरे में नहीं रखना चाहते और इसी वजह से उन्होंने हॉरर जैसे जॉनर में दिलचस्पी दिखाई है। माना जा रहा है कि फिल्म में उनका किरदार अब तक निभाए गए रोल्स से अलग होगा।

फिल्म के लिए लीड एक्ट्रेस की तलाश जारी

फिल्म के निर्माण से जुड़े सूत्रों का दावा है कि विक्रम और निर्माता आनंद पंडित इन दिनों फिल्म की लीड एक्ट्रेस की तलाश में हैं। मेकर्स किसी नए चेहरे के बजाय ऐसी एक्टेस को कास्ट करना चाहते हैं, जिसकी इंडस्ट्री में अच्छी पहचान हो। अगर सभी तैयारियां तय समय पर पूरी हो जाती हैं, तो फिल्म की शूटिंग नवंबर से शुरू किए जाने की प्लानिंग है। फिल्म की टीम स्कॉटलैंड में लोकेशन रेकी करेगी शूटिंग शुरू होने से पहले निर्माता-निर्देशक की टीम स्कॉटलैंड में लोकेशन रेकी करेगी। इसके बाद फिल्म के कुछ हिस्सों की शूटिंग शिमला की खूबसूरत और रहस्यमयी लोकेशंस पर भी किए जाने की संभावना है। मेकर्स का मानना है कि इन स्थानों का माहौल फिल्म की सुपरनैचुरल कहानी को और प्रभावशाली बनाएगा।

'खलीफा' से मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में अपनी नई पारी की शुरुआत करने जा रही हैं मालविका शर्मा

मालविका शर्मा मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में अपनी नई पारी की शुरुआत फिल्म 'खलीफा' से करने जा रही हैं। यह एक बड़े बजट की एक्शन थ्रिलर है, जिसमें पृथ्वीराज सुकुमारन और मोहनलाल जैसे दिग्गज कलाकार लीड रोल में नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन वैशाख ने किया है, जबकि इसकी कहानी जिनु अब्राहम ने लिखी है। यह फिल्म 20 अगस्त 2026 को दुनियाभर के थिएटर्स में रिलीज होगी। निर्माताओं ने 'खलीफा' को दो पार्ट वाली फ्रेंचाइज के रूप में तैयार करने की योजना बनाई है। फिल्म में बड़े पैमाने पर एक्शन सीक्वेंस होंगे, जिनकी शूटिंग लंदन, दुबई, केरल और नेपाल सहित कई देशों और लोकेशंस पर की गई है। फिल्म का पहला लिरिकल वीडियो 21 जुलाई यानि आज शाम 6 बजे रिलीज किया जाएगा। इसके साथ जारी टैगलाइन 'बदला सुनहरे अक्षरों में लिखा जाएगा' कहानी के गंभीर और नाटकीय अंदाज की झलक देती है। बता दें कि मालविका इससे पहले तेलुगु और तमिल फिल्मों 'नेला टिकट', 'भीमा' के जरिए अपनी पहचान बना चुकी हैं। वहीं, वैशाख और पृथ्वीराज की जोड़ी 'पोक्किरी राजा' के बाद दोबारा साथ आई है, जबकि लेखक जिनु अब्राहम मोहनलाल के साथ तीसरी बार काम कर रहे हैं।

'वाराणसी' मेरी अब तक की सभी फिल्मों से अलग है

ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा इन दिनों फिल्म 'वाराणसी' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म का निर्देशन एसएस राजामौली कर रहे हैं। इसके साथ प्रियंका लंबे समय बाद भारतीय सिनेमा में वापसी कर रही हैं। फिल्म अप्रैल 2027 में थिएटर्स में रिलीज होगी। हाल ही में प्रियंका ने बताया कि वह पिछले 14 महीनों से इस फिल्म पर काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि राजामौली अपनी फिल्मों पर काफी समय देते हैं और 'वाराणसी' एक बड़ी एडवेंचर बेस्ड फिल्म है। प्रियंका ने बताया कि फिल्म में उन्होंने कई स्लो मोशन एक्शन सीक्वेंस भी किए हैं। इसके अलावा अपने एक इंटरव्यू में प्रियंका ने कहा कि यह फिल्म उनकी अब तक की सभी फिल्मों से अलग है। प्रियंका ने यह भी खुलासा किया कि फिल्म साइन करते समय उन्होंने राजामौली से कहा था कि भारतीय फिल्मों में वापसी कर रही हैं, इसलिए वह एक डांस सॉन्ग जरूर करना चाहती हैं।

लेखन और डिजिटल दुनिया में अपनी पहचान बनाने के बाद ऐक्टिंग में भी नए रंग दिखा रही हैं आरजे महविश

कुछ लोग करियर में आगे बढ़ने के लिए हुनर के साथ खुशामद भी सीख लेते हैं लेकिन आरजे महविश उस स्कूल की छात्रा कभी नहीं रहीं। शायद, यही वजह रही कि बॉस के लिए भिंडी ना लाने वाली यह लड़की कई बार दूसरों से पीछे रह गई, लेकिन रुकी नहीं। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के चुनावों से लेकर एक राजनीतिक दल के टिकट के प्रस्ताव तक, उन्होंने कई मोड़ करीब से देखे पर अपनी शर्तों पर फैसले लिए। रेडियो, लेखन और डिजिटल दुनिया में अपनी पहचान बनाने के बाद अब वह ऐक्टिंग में भी नए रंग दिखा रही हैं, जहां किरदारों को सिर्फ निभाती नहीं, बल्कि जीने की कोशिश करती हैं।

एक पॉलिटिकल पार्टी का ऑफर भी आया था

रेडियो और डिजिटल में मैंने अपनी खुद की आवाज, लहजा और भाषा क्रिएट की। वहीं, जब ऐक्टिंग में कोई किरदार निभाती हूं तो उसका बदलाव सारा कहानी में दर्ज होता है। किरदार को जो भी ऐक्टर जितना घोंटकर पी सकता है, जितनी उस पर रिसर्च हो सकती है, करनी चाहिए। मैं अलीगढ़ में जब रहती थी, तब भी सही-गलत बहुत साफ-साफ दिखता था। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में मैं इलेक्शन में खड़ी हुई थी। यह बहुत कम लोगों को पता है। फिर मुझे बाद में एक पार्टी का टिकट भी आया था। फिर वो कहानी चली और कुछ और हो गई। वहां लड़ाइयां-झगड़े ज्यादा बढ़ गए। उसमें मेरे भाई को गोली लग गई थी। मैंने उस दिन से कभी पॉलिटिक्स में दोबारा कदम नहीं रखा। मैं अपने पर खतरा ले सकती हूं लेकिन घरवालों पर नहीं। वो सच्चाई को ना छुपाने वाला कीड़ा होता है ना वो मुझमें है।

बजट का टेंशन अनलर्न करना पड़ा

ऐक्टिंग में आकर मुझे सबसे पहले बजट का टेंशन अनलर्न करना पड़ा क्योंकि प्रोडक्शन में बहुत बजट का टेंशन होता है। प्रोडक्शन के साथ जब मैं ऐक्टिंग कर रही होती थी तो मुझे ऐसा लगता था कि बार-बार लाइट जा रही है, जनरेटर चल रहा है, बजट बढ़ जाएगा, लोकेशन का खर्चा बढ़ रहा है, वैनिटी वैन तीन-तीन लगवा दीं, ये क्या हो रहा है। मुझे सबसे पहले यही अनलर्न करना पड़ा क्योंकि बिहाइंड द सीन्स में मैं बजट में फंसी रहती थी। वो अनलर्न करके मैंने 'सतरंगी' में फाइनली पूरी खुलकर ऐक्टिंग की है। हालांकि, इसे करते वक्त मेरे अंदर जिम्मेदारी का डर था। मुझे जिंदगी में पहली बार इतना बड़ा मौका मिला। मुझे ऐसा किरदार और कहानी मिली, जो सिर्फ एंटरटेनमेंट ही नहीं बल्कि एक सोशल मेसेज भी देती है। इससे आप सोसायटी में चेंज भी ला सकते हैं। अगर एक फैमिली भी बैठकर सीरीज पर चर्चा करती है तो यह मेरे लिए बड़ी अचीवमेंट होगी।

फॉलोअर्स, फॉलोअर्स नहीं फैन हैं

रील्स के बाद असली ऐक्टिंग की दुनिया में आने पर मुझे लगा था कि दुनिया के सामने खुद को साबित करना पड़ेगा। असल में, एक क्रिएटर के सारे एक्सप्रेशंस बहुत ज्यादा बाहर होते हैं, जो लोगों को दिख चुके होते हैं। एक प्रोड्यूसर के लिए हैपी न्यूज है कि कोई क्रिएटर ऐक्टिंग करे। अगर ऑडियंस तक अपने जज्बात पहुंचा पाए तो आप ऐक्टर हैं। मेरे खयाल से यह बड़ी गुड न्यूज है कि अगर ऐक्टर अपने साथ ऑडियंस भी ला रहा है। वो पैसा रिकवर कर सकता है। वो कहते हैं ना कि पांच जानने वालों को अगर कॉल करें तो वो आकर नहीं खड़े होते हैं लेकिन मेरी एक स्टोरी पर पांच लाख अंजान लोग आकर खड़े हो जाते हैं। वो कम्युनिटी बहुत मेहनत से बिल्ड होती है। जो फॉलोअर्स हैं, वो फॉलोअर्स नहीं फैन हैं। हालांकि, ऐक्टिंग और कॉन्टेंट क्रिएशन बहुत अलग-अलग स्किल्स हैं। अगर स्किल सीखकर आ रहे हैं तो ही फायदा है, वरना नहीं।

कल्पना थोड़ी ज्यादा मुश्किल होती है

रेडियो में आवाज से तो ऐक्टिंग में हाव-भाव और आंखों से इमोशन पहुंचता है। मेरे लिए दोनों ही मीडियम बहुत ईमानदार हैं। रेडियो में आप ऑडियंस से सीधे कनेक्ट होते हैं। अगर मैं किसी को फोन लगाकर कुछ पूछूंगी तो मुझे उनके जज्बात तुरंत मिल जाएंगे। उस पर मैं अपना रिएक्शन दे सकती हूं। ऐक्टिंग में पूरी कहानी किसी के द्वारा सोची गई होती है, जिसे सच करके दिखाना होता है। वो थोड़ी दिक्कत होती है क्योंकि रेडियो रिएलिटी है और ऐक्टिंग एक पूरी कल्पना है। मेरे हिसाब से कल्पना थोड़ी ज्यादा मुश्किल होती है। उसमें इमैजिन करके घुसना होता है। हालांकि, राइटर के तौर पर मेरे लिए चीजें आसान हो जाती हैं क्योंकि मैंने 2012 में खुद दो किताबें लिखी हैं। मैंने वो कल्पना वाली जिंदगी जी है इसलिए ऐक्टिंग भी मेरे लिए आसान है।